3 | राजधानी
नई दिल्ली से यशोभूमि का सफर 21 मिनट में

6 | अभिमत
खेलों से वंचित पहाड़ी क्षेत्रों की लड़कियां

10 | विदेश
कनाडा में ली तूफान का कहर

12 | स्पोर्ट्स
डाइमंड लीग फाइनल्स में खिताब से चूके चोपड़ा

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 310
नई दिल्ली, सोमवार, 18 सितंबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी

राष्ट्रीय-11

सिराज के तूफान में बहा श्रीलंका, दस विकेट से हराकर भारत ने जीता एशिया कप

भाषा । कोलंबो

छह विकेट लेने वाले मोहम्मद सिराज की तूफानी गेंदबाजी के दम पर रविवार को फाइनल में श्रीलंका को मात्र 50 रन पर आउट करने के बाद भारत ने 37 गेंद में लक्ष्य हासिल करके दस विकेट से मिली जीत के साथ आठवीं बार एशिया कप अपने नाम कर लिया।

सिराज ने कहर बरपाता हुआ स्पैल डालकर सात ओवर में 21 रन देकर छह विकेट चटकाए। बारिश के अनुमान के बावजूद श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। मैच तीन बजे की बजाय बारिश के कारण 40 मिनट विलंब से शुरू हुआ। श्रीलंकाई बल्लेबाजों को सिराज के रूप में एक दूसरे ही तूफान का सामना करना पड़ा। उनकी गेंदबाजी के सामने श्रीलंका की टीम 15-2 ओवर ही टिक सकी जो भारत के खिलाफ वनडे में उनका दूसरा न्यूनतम स्कोर था।

सुपर फोर चरण के आखिरी मैच में बांग्लादेश से हारने वाले भारत ने बिना कोई विकेट गंवाए 6-1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। ईशान किशन 18 गेंद में तीन चौकों के साथ 23 और शुभमन गिल 19 गेंद में छह चौकों के साथ 27 रन बनाकर नाबाद रहे। विश्व कप से पहले भारतीय टीम अब आस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 सितंबर से तीन वनडे मैचों की शृंखला खेलेगी। अपनी जबर्दस्त गेंदबाजी के दम पर एक ओवर में चार विकेट लेने वाले सिराज वनडे के इतिहास में चौथे गेंदबाज हो गए। वनडे क्रिकेट में सबसे तेजी से पारी के पांच विकेट लेने के श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास के रिकॉर्ड की भी उन्होंने बराबरी की। जसप्रीत बुमराह ने पहले ओवर की तीसरी गेंद पर कुसल परेरा को पवेलियन भेजा। कोलंबो की बजाय इंग्लैंड की सी लग रही पिच पर सिराज को सिर्फ सही लैंग्थ से गेंदबाजी करनी थी।

उन्होंने चौथे ओवर में पहली, तीसरी, चौथी और छठी गेंद पर विकेट चटकाए। पाथुम निसांका, सदीरा समरविक्रमा, चरित असलांका और धनंजय डिसिल्वा उनके शिकार बने। निसांका ने प्वाइंट पर रविंद्र जडेजा को कैच थमाया। समरविक्रमा पगबाधा आउट हुए जबकि असलांका ने फुललैंग्थ गेंद पर फुटवर्क का इस्तेमाल किए बिना कवर्स में ईशान किशन को कैच थमाया। डिसिल्वा ने सिराज की हैट्रिक नहीं होने दी लेकिन वह भी विकेट के पीछे केएल राहुल को कैच देकर अगली गेंद पर पवेलियन लौट गए। सिराज ने श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका और कुसल मेंडिस के भी विकेट लिए। सिराज का स्पैल होने के बाद हार्दिक पंड्या ने भी तीन विकेट चटकाए। वहीं भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ टीम के शानदार प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास लंबे समय तक याद रखे जाएंगे। रोहित ने मैच के बाद कहा, यह शानदार प्रदर्शन था।

मोहम्मद सिराज ने सात ओवर में 21 रन देकर झटके छह विकेट

कोलंबो में रविवार को खेले गए फाइनल मैच में एशिया कप ट्राफी के साथ खुशी मनाते भारतीय टीम के खिलाड़ी

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप जीतने पर बधाई दी

भाषा । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप में शानदार जीत पर बधाई दी। मोदी ने एक्स पर कहा कि शानदार प्रदर्शन टीम इंडिया। एशिया कप जीतने पर बधाई। हमारे खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में जबर्दस्त कौशल का प्रदर्शन किया।

महिला आरक्षण बिल लाने पर विपक्ष का जोर

सर्वदलीय बैठक

- विशेष संसद सत्र आज से, मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित विधेयक पेश किए जा सकते हैं
- धनखड़ ने नए संसद भवन पर राष्ट्रध्वज फहराया कहा-भारत युग परिवर्तन का साक्षी बन रहा है

दीपक उप्रेती । नई दिल्ली

मोदी सरकार द्वारा बुलाए गए विशेष संसद सत्र से एक दिन पहले, रविवार को सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं ने सरकार से नए संसद भवन में महिला आरक्षण विधेयक पारित करने की मांग की क्योंकि चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष द्वारा कोई 'नया एजेंडा' सामने नहीं आया।

सत्र हाल ही में समाप्त हुए जी20 शिखर सम्मेलन में नरेंद्र मोदी सरकार की सफलता, सनातन धर्म विवाद, इंडिया बनाम भारत विवाद और बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, मणिपुर संकट, भारत-चीन सीमा पर तनाव सहित कई मुद्दों पर विपक्ष की मांगों को आगे बढ़ाने की पृष्ठभूमि में शुरू हुआ। इस बीच, उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने रविवार को यहां नए संसद भवन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ नए संसद भवन के गज द्वार के ऊपर तिरंगा फहराया। ध्वजारोहण समारोह सोमवार से शुरू होने वाले पांच दिवसीय संसद सत्र से एक दिन पहले हुआ। इस बार संसद की कार्यवाही पुराने भवन के बजाय नए भवन में होने की संभावना है। नया भवन पुरानी इमारत के पास ही है। इससे पहले, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संसदीय ड्यूटी ग्रुप ने धनखड़ और बिरला को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। धनखड़ ने समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा, यह एक ऐतिहासिक क्षण है। भारत युग परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में सत्र की (शेष पेज 9)

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने रविवार को नए संसद भवन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उनके साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी थे।

संसद के विशेष सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में शामिल पक्ष और विपक्ष के नेता।

मतभेदों से जूझ रहा विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन

इंडिया गठबंधन की फाइल फोटो

दीपक कुमार झा । नई दिल्ली

- कुछ घटक दलों के बीच मतभेद के कारण अक्टूबर के पहले सप्ताह में भोपाल में होने वाली रैली रद्द हुई
- जदयू और समाजवादी पार्टी ने मीडिया बहिष्कार का समर्थन नहीं किया
- सनातन धर्म पर द्रमुक की टिप्पणी से टीएमसी और आप ने पहले ही बना ली है दूरी

सीटों के बंटवारे से लेकर चुनिंदा मीडिया प्लेटफार्मों के बहिष्कार और सनातन धर्म के विवाद पर अलग-अलग सुरों तक, तीन महीने पुराने विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया में तीन प्रमुख मतभेद पहले ही सामने आ चुके हैं।

बहरहाल, यह घोषणा करने के कुछ दिनों बाद कि इंडिया गठबंधन अपनी पहली सार्वजनिक रैली मध्य प्रदेश में आयोजित करेगा, इसके कुछ घटक दलों के बीच मतभेद के कारण अक्टूबर के पहले सप्ताह में भोपाल में होने वाली रैली को रद्द कर दिया गया है। यद्यपि कांग्रेस ने हैदराबाद में अपनी हाल ही में संपन्न कार्य समिति की बैठक में देश को विभाजनकारी राजनीति से मुक्त करने के लिए भारत की पहल को वैचारिक, चुनावी सफल बनाने का संकल्प लिया। नेताओं की टिप्पणियों पर बढ़ते विवाद के बीच, सूत्रों ने कहा कि सीडब्ल्यूसी की बैठक में कुछ कांग्रेस नेताओं ने इस मामले पर सतर्क रुख अपनाने और पार्टी को भाजपा के एजेंडे में नहीं आने का आह्वान किया। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनी गांधी ने अपने नेताओं से अनावश्यक विवाद के लिए मीडिया से दूर रहने को कहा, जबकि जदयू प्रमुख बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वह मीडिया के इस तरह के बहिष्कार का समर्थन नहीं करते हैं और इसी तरह समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भी मीडिया बहिष्कार विवाद में न शामिल होने का फैसला किया तथा इसे 'कांग्रेस का एजेंडा' बताया। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी ने सीडब्ल्यूसी में कहा कि नेताओं को सनातन धर्म विवाद में शामिल होने के बजाय गरीबों और उनके मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि वे पार्टी के पारंपरिक (शेष पेज 9)

आतंकियों की तलाश हुई तेज अभियान पांचवें दिन भी जारी

- गुफाओं में छिपे दहशतगर्दों का पता लगाने का प्रयास जारी, कोकेरनाग में भारी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात

मोहित कंधारी । जम्मू

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के गारोल वन क्षेत्र में संभवत: प्राकृतिक गुफाओं के अंदर छिपे आतंकवादियों के समूह का पता लगाने के लिए अभियान रविवार को पांचवें दिन में प्रवेश कर गया। इलाके में रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही हैं और विस्फोटों की तेज आवाजें शांति को भंग कर रही है।

ग्राउंड ज़ीरो पर तैनात कमांडो किसी भी अतिरिक्त क्षति से बचने के लिए छिपे हुए आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए प्राकृतिक गुफा जैसी संरचनाओं को निशाना बना रहे हैं। गोलीबारी में निर्दोष लोगों की जान को बचाने के लिए नागरिक आबादी को पास के सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। अपुष्ट खबरों में दावा किया गया है कि सुरक्षा बलों ने जिन ठिकानों पर विस्फोट किया उनमें से एक से सुरक्षा बलों ने एक जला हुआ शव बरामद किया है, लेकिन रविवार देर शाम तक सेना के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया था। बुधवार को आतंकवादियों के हमले में 19 राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोंचक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हुमायूं भट शहीद हो गए थे। इस बीच, सुरक्षा बल इन आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए बाहरी रिंग में कड़ी घेराबंदी कर रहे हैं। कोकेरनाग इलाके में किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। सेना उनके स्थान का पता लगाने के लिए निगरानी ड्रोन और अन्य परिष्कृत आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर रही है, लेकिन लगातार बारिश और घने जंगल के कारण चल रहे अभियान में बाधा आ रही है।

इस बीच, रविवार को सेना के चिनार कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने घुसपैठ विरोधी और आतंकवाद विरोधी ग्रिड की समीक्षा करने के लिए जम्मू कश्मीर के बारामूला में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ सीमा से सटे क्षेत्र का दौरा किया। इलाके में तीन आतंकियों को उस वक्त मार गिराया गया, जब वे भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सेना ने कहा कि कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल घई ने नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ रोधी और आतंकवाद रोधी ग्रिड की समीक्षा करने के लिए उरी सेक्टर में आगे के क्षेत्र का दौरा किया। कोर कमांडर ने युद्ध की तैयारी और परिचालन तैयारियों के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए सैनिकों की सराहना की। उन्होंने ऑपरेशन खंडा के सफल संचालन के लिए भी सैनिकों की सराहना की, जिसमें 16 सितंबर को तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल घने वन क्षेत्र में ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए तलाश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह अभियान प्रारंभ होते ही सुरक्षा बलों ने जंगल की ओर मोर्टार के कई गोले दागे। ड्रोन से प्राप्त फुटेज में शुक्रवार को सुरक्षा बलों द्वारा एक ठिकाने पर गोले दागे जाने के बाद एक आतंकवादी भागते हुए दिखाई दिया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी आवासीय इलाकों में न घुस पाएं, यह सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर पड़ोसी पोश क्रेरी इलाके तक सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया है। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मुठभेड़ स्थल के पास अभियान (शेष पेज 9)

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में रविवार को आतंकियों की तलाश करते सुरक्षाकर्मी।

प्रधानमंत्री मोदी ने जन्मदिन के अवसर पर लगाई सौगातों की झड़ी

दिल्ली के द्वारका में यशोभूमि के नाम से मशहूर इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर के पहले चरण का अनावरण किया, पीएम विश्वकर्मा योजना भी शुरू की, संस्कृत में मिली जन्मदिन पर बधाई

राजेश कुमार । नई दिल्ली

- दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन के विस्तार का उद्घाटन किया, कार्यक्रम में दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को आमंत्रित नहीं किया गया
- मेट्रो के अंदर यात्रियों से बातचीत की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। यात्रियों को तालियां बजाते और 'हैप्पी बर्थडे मोदी जी' गाते और उनके साथ सेल्फी लेते देखा गया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने 73वें जन्मदिन के अवसर पर द्वारका में यशोभूमि के नाम से मशहूर इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी) के पहले चरण का अनावरण किया। उन्होंने पीएम विश्वकर्मा योजना भी शुरू की, जिसका उद्देश्य देश में पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों का उत्थान करना है।

इससे पहले, उन्होंने दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन के विस्तार का उद्घाटन किया था, जो अब द्वारका सेक्टर 21 को यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 नामक एक नव स्थापित मेट्रो स्टेशन से जोड़ेगी। उद्घाटन के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आमंत्रित नहीं किया गया था। उद्घाटन से पहले मोदी ने धौला कुआं स्टेशन से नवनिर्मित यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो की सवारी की। यात्रा के दौरान कई यात्रियों ने प्रधानमंत्री से बातचीत की और उनके साथ सेल्फी ली। रविवार को 73 साल के हो गए प्रधानमंत्री ने मेट्रो के अंदर यात्रियों से बातचीत की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। यात्रियों को तालियां बजाते और 'हैप्पी बर्थडे मोदी जी' गाते और यहां तक? कि उनके साथ सेल्फी लेते देखा गया। प्रधानमंत्री ने उनका स्वागत करने वाले बच्चों को चॉकलेट दीं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए मोदी की मेट्रो यात्रा के एक वीडियो में प्रधानमंत्री यात्रियों के साथ मुस्कुराते हुए, बच्चे के साथ खेलते हुए, एक स्कूली छात्र के साथ बात करते हुए और यात्रियों को पीएम मोदी के साथ सेल्फी लेते हुए दिखाया गया है। यात्रियों में से एक ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए पीएम मोदी को उनके 73वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। यात्री ने उन्हें संस्कृत भाषा में शुभकामनाएं दीं। 'जन्म-दिनम-इधम अयी प्रिया सखे, शांतनोतु ते सर्वदा मुदम्, प्रार्थनामहे भव शतयुशी, ईश्वर-सदा त्वम् च रक्षतु, पुण्य कर्मणा कीर्तिमार्जय, जीवनम् तव भवतु सार्थकम् (जन्मदिन मुबारक हो)। अर्थात् यह जन्मदिन खुशियाँ लेकर आये आपको समृद्धि मिले। भगवान से आपकी लंबी उम्र की प्रार्थना करती हूं। भगवान हमेशा आपकी रक्षा करें। आप नेक कामों के रास्ते पर चलें और आपका जीवन मंगलमय हो।' उन्होंने पीएम मोदी के लिए गाना गाया। यह प्रधानमंत्री की उनकी मां के बिना पहली जन्मदिन थी, जिनका पिछले साल निधन हो गया था।

इससे पहले पीएम मोदी अपना जन्मदिन अपनी मां के साथ मनाते थे। 2022 में, मोदी ने मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में आठ आयातित चीतों को छोड़ा था। 2021 में भारत ने उनके जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए एक विशेष अभियान के हिस्से के रूप में 2.26 करोड़ कोविड टीकाकरण किए। 2019 में, मोदी ने सबसे पहले अपनी मां हीराबेन का आशीर्वाद लिया और फिर उन्होंने केवडिया गुजरात में 'नमामि नर्मदा' उत्सव में भाग लिया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर, प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनी-गुरु-शिष्य परंपरा और नई प्रौद्योगिकी का अवलोकन किया। उन्होंने यशोभूमि के 3डी मॉडल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आज मैं 'यशोभूमि' देश के प्रत्येक श्रमिक को, प्रत्येक विश्वकर्मा को समर्पित करता हूं।' उन्होंने आज के कार्यक्रम से जुड़े विश्वकर्माओं से कहा कि 'यशोभूमि' उनकी कृतियों को दुनिया और वैश्विक बाजारों से जोड़ने वाला एक जीवंत केंद्र बनने जा रहा है। सम्मेलन पर्यटन में भारत के लिए बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डालते हुए, मोदी ने कहा कि भारत मंडपम और यशोभूमि दिल्ली को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ सम्मेलन केंद्रों में से एक बना देंगे। उन्होंने फिल्म और टेलीविजन उद्योग के साथ-साथ वैश्विक इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों को भारत मंडपम और नवनिर्मित (शेष पेज 9)

नई दिल्ली के द्वारका में यशोभूमि के नाम से मशहूर इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर के पहले चरण का प्रधानमंत्री ने किया अनावरण

मेट्रो में सफर के दौरान के प्रधानमंत्री के साथ अपना चित्र लेते लोग।

कंपनियों को 21 से 25 सितंबर तक घर से काम कराने की सलाह

● कमिश्नरेट पुलिस ने की अपील, नोएडा में इंडिया एक्सपो मार्ट और यूपी इंटरनेशलन ट्रेड शो का होगा आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में चार दिन बाद आयोजित होने वाले अंतराष्ट्रीय स्तर के दो बड़े इंवेंट को लेकर नोएडा कमिश्नरेट पुलिस ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में स्थापित कंपनियों से अपील की है कि वें अपने कर्मचारियों से वर्क फ्रॉम होम करवाए।

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 21 से 25 सितंबर तक यूपी इंटरनेशलन ट्रेड शो और 22 से 24 सितंबर तक बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में बाइक रेस मोटो जीपी का आयोजन किया जा रहा है।

इन दोनों आयोजनों को सफ लतापूर्वक संपन्न कराने के लिए नोएडा कमिश्नरेट पुलिस द्वारा लगातार काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में नोएडा के सेक्टर-108 स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था आनंद कुलकर्णी, डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो को सफल बनाने के लिए व्यापारियों, उद्यमियों, कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक की। अधिकारियों ने कंपनियों के प्रतिनिधियों से अपील कि वह अपने वहां आयोजन के दौरान वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा दें, जिससे सड़क पर यातायात का दबाव कम रहे। नोएडा और ग्रेटर नोएडा 20 हजार से ज्यादा औद्योगिक इकाइयां है। इनमें विदेशी कंपनी भी शामिल है। आयोजन के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस-प्रशासन द्वारा जारी होने वाली सभी गाइडलाइन का पूरी तरह से पालन करने व पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई। साथ ही औद्योगिक इकाइयों के लोगों से वर्क फ्रॉम होम और अपनी शिफ्ट के समय में इस प्रकार से बदलाव करने के लिए सुझाव दिए गए कि ट्रैफिक का दबाव आयोजन पर न पड़े। दोनों ही विश्व स्तर के आयोजन हैं, जिनका सफ लतापूर्वक आयोजन होने से देश का नाम पूरे विश्व में रोशन होगा। लोगों से सुझाव मांगे और उनके सुझावों की स्क्रीनिंग के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया, जिससे आपसी सामंजस्य बनाकर कार्यक्रम का आयोजन हो सके। अपर पुलिस आयुक्त ने गोष्ठी में उद्यमियों को समझाया कि वह अपने-अपने वर्ग के लोगों के साथ भी बैठक करें।

यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था व शांति व्यवस्था को लेकर जारी गाइडलाइन के बारे में जागरूक करते हुए उनसे पालन कराए। सेक्टर-94 स्थित कमांड कंट्रोल सेंटर का डीसीपी ट्रैफिक ने निरीक्षण किया। कैमरों के संचालन का निरीक्षण किया गया एवं सर्व संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने खराब कैमरे को समय पर सही कराने के साथ प्रभारी रुप से निगरानी के निर्देश दिए। जिससे सड़क हादसे में कमी लाई जा सके।

गंगाजल पाइपलाइन फटी, 4 दिन बाधित रहेगी जलापूर्ति

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर-64 में गंगाजल पाइपलाइन फटने के कारण शहर में आगामी चार दिनों तक पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी। आपूर्ति ना होने कारण सेक्टर, सोसाइटी के लोगों को परेशान होना पड़ेगा।

जानकारी के मुताबिक 80 क्यूसेक पानी आपूर्ति की 1400 एमएम पाइप लाइन क्षतिग्रस्त ग्रस्त हुई है। इससे रविवार की शाम से सोमवार, मंगलवार, बुधवार व बृहस्पतिवार तक निर्धारित समय से कम समय गंगा जल आपूर्ति होगी।

नियम के मुताबिक प्राधिकरण की तरफ से सुबह 6 से 9 बजे तक व शाम को 6 से रात 9 बजे तक पानी आपूर्ति की जाती है। हालांकि कई सेक्टरों में लोग आए दिन कम समय व धीमे प्रेशर के साथ पानी आपूर्ति की शिकायत करते हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद प्राधिकरण के संबंधित वर्क सर्कल ने पाइपलाइन को सही करने का काम शुरू कर दिया है। प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि पाइपलाइन से सामान्य पानी की आपूर्ति करने में चार दिन का समय लग जाएगा।

● लोगों में नाराजगी, अधिकारियों पर लगाया समय पर मरम्मत नहीं कराने का आरोप

इससे शहर के कई सेक्टर में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

लोगों का कहना है कि आए दिन गंगाजल आपूर्ति की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होती है। अधिकारियों की तरफ से लापरवाही बरतने के कारण तय समय में पाइप बदलने व इसके मरम्मत का कार्य नहीं किया जाता है। जहां पर पाइप क्षतिग्रस्त होती है, वहीं इसे सुधारने का अस्थाई कार्य किया जाता है। लोगों ने वैकल्पिक माध्यम से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

महिला सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम के अवसर पर गांव शाहदरा में यातायात नियमों के बारे में बताते नोएडा डीसीपी ट्रैफिक

मोटो जीपी बाइक रेस के विरोध में किसान

● 21 सितंबर को ट्रैक्टरों पर सवार होकर निकालेंगे तिरंगा यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर क्षेत्र में स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के ट्रैक पर 22 से 24 सितंबर तक होने वाली मोटो जीपी बाइक रेस के विरोध में बीकेयू टिकैत के नेतृत्व में किसानों ने तिरंगा यात्रा निकालने को कहा है। जिसकी तैयारी में भी किसान जुटे हुए हैं। किसानों को कहना है कि उनकी विभिन्न समस्याओं का अभी तक समाधान नहीं हुआ है।

जेवर निवासी और बीकेयू टिकैत के पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी पवन खटाना ने बताया कि उनके संगठन के नेतृत्व में सैकड़ों किसान 22 से 24 सितंबर तक बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में होने वाली मोटो जीपी बाइक रेस के विरोध में 21 सितंबर को ट्रैक्टरों पर सवार होकर तिरंगा यात्रा निकालेंगे। उनका कहना है कि अभी तक किसानों को प्राधिकरण ने 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त और बाढ़ से हुई क्षतिपूर्ति का मुआवजा भी नहीं दिया है। उसके बावजूद भी किसानों की जमीन पर मोटो जीपी बाइक रेस हो रही है। जिसको लेकर किसानों में रोष है। उन्होंने बताया कि यह तिरंगा यात्रा ट्रैक पर निकाली जाएगी। जिसको लेकर गांवों में जाकर किसानों में जागरूकता अभियान भी संगठन चला रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 10 वर्षों से किसान मुआवजे की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन करते आ रहे हैं। लेकिन उनकी समस्याओं का आज तक समाधान नहीं हुआ है। इसको लेकर किसानों में काफी नाराजगी भी देखी जा रही है।

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में होने वाली मोटो जीपी बाइक रेस में लाखों की संख्या में विभिन्न देशों के दर्शक पहुंचेंगे। किसान इसके विरोध में उतर आए हैं। उनका कहना है कि अपनी बेशकीमती जमीन को प्राधिकरण को दिया था। लेकिन प्राधिकरण द्वारा सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी किसानों को अतिरिक्त मुआवजा अभी तक नहीं दिया गया है। इसको लेकर किसान पिछले कई महीनों से धरना प्रदर्शन भी करते आ रहे हैं। लेकिन अभी तक उनकी समस्याओं को समाधान नहीं हुआ है।

ट्रक ने बाइक सवार दो छात्रों को मारी टक्कर, एक की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में रात दर्दनाक सड़क हादसा देखने को मिला। जहां पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो छात्रों को टक्कर मार दी। यह हादसा इतना जबरदस्त था कि एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है। रात करीब 2.30 बजे बीटा 2 थाना क्षेत्र के.3 गोल चक्कर पर बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार दो छात्रों को कासना की तरफसे आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी जबरदस्ती की एक छात्र ट्रक के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान ट्रक चालक ट्रक को छोड़कर मौके से फरार हो गया।

मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। तत्काल प्रभाव से पुलिस मौके पर पहुंची और घटना में घायल हुई युवक को अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी करने पर पता चला कि मृतक युवक का नाम रोहित 20 था एजोकि मणिपुर के रहने वाला था। मृतक छात्र शारदा यूनिवर्सिटी में बीए का छात्र था। घायल युवक का नाम अवितनाशल है वह भी मणिपुर के रहने वाला है। घायल युवक शारदा यूनिवर्सिटी में बीटेक का छात्र है।

ट्रेन रोकने जा रहे किसानों को पुलिस ने रोका

● बैरिकेडिंग तोड़ने पर आंदोलनकारियों को पुलिस ने जमीन पर लाठी पटककर खदेड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में किसानों और पुलिस के बीच बड़ी झड़प होने की सूचना है। किसान कोयला लदी मालगाड़ी को रोकने जा रहे थे।

किसानों ने पुलिस द्वारा लगाई गई बैरिकेटिंग को तोड़कर आगे जाने की कोशिश भी की थी, लेकिन पुलिस ने लाठी पटककर किसानों को खदेड़ दिया है। हालांकि इस झड़प में फि लहाल किसी के घायल होने की खबर नहीं मिली है। एनटीपीसी दादरी से प्रभावित किसान अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इसी क्रम में वे कोयले से लदी मालगाड़ी को रोकने जा रहे थे।

लेकिन पुलिस ने बिसाहड़ा गेट और फ ाटक को बैरिकेटिंग लगाकर सील कर दिया था, जिससे किसान भड़क गए। बैरिकेटिंग लगाए जाने से भड़के किसान और पुलिस आमने.सामने आ गए। किसानों ने पुलिस की बैरिकेटिंग तोड़ने और उसपर से कूदकर निकालने की भी कोशिश की, लेकिन पुलिस ने लाठियां भांजकर किसानों को खदेड़ दिया। पुलिस की सख्ती के आगे किसानों की एक नहीं चली। बताया जा रहा है कि किसानों ने पिछले एक सप्ताह से ट्रेन रोकने की योजना तैयार कर रखी थी। लेकिन योजना का पूरा खुलासा आज ही हुआ, जब किसानों ने ट्रेन रोकने के लिए बिसाहड़ा गेट की ओर कूच करना शुरू किया। बता दें कि एनटीपीसी दादरी से प्रभावित किसान प्लांट के गेट पर लगातार धरना दे रहे हैं। धरना भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफ ा के नेतृत्व में पिछले एक साल से लगातार चल रहा है।

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पहुंची बीएमडब्ल्यू की सेफ्टी कार

● 41 टीमें और 82 राइडर्स मोटो जीपी, मोटो 2 और मोटो 3 श्रेणियों में भाग लेंगे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में 22 से 24 सितंबर तक मोटो जीपी का आयोजन होने जा रहा है। जिसको लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

राइडर्स की सुरक्षा को लेकर बीएमडब्ल्यू कंपनी की एक सेफ्टी कार और 1000 सीसी की बीएमडब्ल्यू की बाइक शनिवार को बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पहुंच चुकी है। रेस के दौरान राइडर्स की सुरक्षा के लिए ट्रैक के बराबर वाली लेन पर तीन कार और एक बाइक उतनी ही स्पीड से दौड़ेगी। सेफ्टी कार और बाइक की जोड़ी 22.24 सितंबर तक आयोजित होने वाले इंडियन ऑयल ग्रैंड प्रिक्स ऑफ इंडिया से पहले शनिवार को बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पहुंची। दौड़ के दौरान बीएमडब्ल्यू एमसीएस सहित कुल तीन सुरक्षा कारें कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहेंगी। ओपनिंग लैप पर किसी घटना की स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए इसकी उपस्थिति आवश्यक है।

सेफ्टी बाइक. बीएमडब्ल्यू एम 1000 आरआर का उपयोग रेस सप्ताहांत के दौरान बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में भी किया जाएगा। रेस की शुरुआत में सेफ्टी कार को ग्रिड के पीछे रखा जाता है। डोर्ना स्पोर्ट्स के सहयोग से फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित इंडियन ऑयल ग्रैंड प्रिक्स ऑफइंडिया एक रोमांचक इवेंट होने का वादा करता है। जिसमें 41 टीमें और 82 राइडर्स मोटोजीपी, मोटो 2 और मोटो 3 श्रेणियों में भाग लेंगे।

पासपोर्ट वेरिफिकेशन के नाम पर रिश्वत लेने वाला सिपाही निलंबित

गाजियाबाद। पासपोर्ट वेरिफि केशन की रिपोर्ट ठीक लगाने के नाम पर हेड कांस्टेबल ने 500 रुपए की रिश्वत वसूली। ये घूसकांड मोबाइल कैमरे में कैद हो गया। वायरल होते ही पुलिस अफ सर हरकत में आ गए। हेड कांस्टेबल को सस्पेंड करते हुए उसके खिलाफ थाना इंदिरापुरम में केस दर्ज किया गया है। हेड कांस्टेबल का नाम सचिन राघव बताया गया है, जो इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित शिप्रा मॉल पुलिस चौकी पर तैनात है।

वीडियो में सिपाही कुर्सी पर बैठकर टैबलेट पर कुछ देख रहा था। उसके सामने बैठे शख्स ने 500 रुपए पकड़ाए। 45 सेकेंड का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। शुभम पटेल ने बताया कि इस वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिसकर्मी के विरुद्ध थाना इंदिरापुरम में भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही उसे सस्पेंड करते हुए विभागीय जांच आरंभ कर दी गई है।

यीडा प्राधिकरण 20 सितंबर को देगा फ्लैट का आवंटन पत्र, आशियाने का पूरा होगा सपना

● प्राधिकरण ने पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर योजना लॉन्च की थी

पायनियर समाचर सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण बहुमंजिला भवनों में फ्लैट पाने का सपना देखने वालों को खुश करने वाला है। आगामी 20 सितंबर बुधवार को यीडा प्राधिकरण की ओर से 287 सफ ल आवेदकों को फ्लैट का आवंटन पत्र सौंपा जाएगा।

यीडा प्राधिकरण ने पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर यह योजना लॉन्च की थी। बता दें कि यीडा ने अपने शहर को देश के सबसे आधुनिक और खूबसूरत शहर के रूप में बसाने के लिए पूरी कमर कस ली है। इसके लिए यहां बसावट होना भी एक प्रमुख आवश्यकता है। इसे देखते हुए यीडा प्राधिकरण ने सेक्टर.22 डी में 99.86 वर्ग मीटर के बहुमंजिला भवनों पर फ्लैट के आवंटन के लिए आवेदन मांगे थे। इस योजना को पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर लॉन्च किया गया था। इसके तहत 308 लोगों ने रुचि दिखाते हुए आवेदन किया था। हालांकि बाद में 21 आवेदकों ने पंजीयन राशि वापस लेने के लिए भी आवेदन किया है। इसके बाद इस योजना के तहत 287 लोगों को फ्लैट आवंटित करने का फैसला किया गया। यीडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि इन 287 आवेदकों के लिए फ्लैट का ड्रॉ शुक्रवार को निकाला गया था। अब इन्हें 20 सितंबर बुधवार को फ्लैट का आवंटन पत्र सौंपा जाएगा।

उम्मीद है कि इस प्रकार की आगामी योजनाओं में भी लोग पूरे उत्साह से हिस्सा लेंगे। यीडा प्राधिकरण द्वारा विकसित किए जा रहे शहर के लिए फि लहाल कोई आधिकारिक नाम तय नहीं हुआ है। लेकिन प्राधिकरण के नाम में यमुना शब्द होने के कारण अक्सर लोग इसे यमुना शहर के नाम से भी पुकार रहे हैं। यीडा प्राधिकरण ने इसे देश के ऐसे अत्याधुनिक और खूबसूरत शहर के रूप में विकसित करने का बीड़ा उठाया है कि लोग यहां आकर बसने के सपने देखने लगें।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर हवन पूजन करते सांसद महेश शर्मा।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर हवन पूजन

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर नोएडा गौतमबुद्धनगर के सांसद तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा, नोएडा के विधायक पंकज सिंह तथा नोएडा भाजपा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता और पार्टी के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने नोएडा के सेक्टर.19 से सनातन धर्म मंदिर पर विशाल हवन यज्ञ किया। इस मौके पर सभी ने भगवान प्रधानमंत्री के दीर्घायु की कामना की। इस मौके पर भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, महामंत्री उमेश त्यागी, महामंत्री गणेश जाटव, भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव, महामंत्री डिंपल आनंद, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, लोकेश कश्यप, महेंद्र कटारिया, अनिल पेशावरिया, शशिधर उपाध्याय, महेंद्र सिंह, वीरेंद्र तोमर, विनय गुप्ता, एसएन गुप्ता, पीसी पंचोली, कन्हैया गुप्ता, सुनील कुमार, तुषार गोयल, रवि यादव, मनोज चौहान, संजय भारद्वाज आदि कई लोग मौजूद थे।

गत्ता फैक्ट्री में लगी भीषण आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद में रविवार सुबह गत्ता फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इससे लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। पांच दमकल गाड़ियों ने बामुश्किल आग पर काबू पाया। आग बार-बार सुलग रही है। इसलिए गत्ते के बंडलों पर लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया रविवार सुबह 8.37 बजे फायर स्टेशन कोतवाली को सूचना मिली कि मेरठ रोड इंडस्ट्रियल एरिया साइट.3 स्थित जीबी एसोसिएट्स फैक्ट्री में आग लग गई है। ये गत्ते की फैक्ट्री है। इस सूचना पर वैशाली से सीएफओ, कोतवाली से एफएसओ सहित चार फायर टेंडर मौके पर पहुंचे और बचाव-राहत कार्य शुरू किया। फैक्ट्री से आग की लपटें और काला धुआं बहुत तेजी से बाहर आ रहा था। फायर यूनिट ने शीघ्रता से होज लाइन फैलाकर फायर फाइटिंग करके आग पर काबू किया। जेसीबी की सहायता से गत्ते के बड़े-बड़े बंडलों को हटाकर उन पर पानी मारकर फैक्ट्री में पड़े गत्ते को ठंडा किया जा रहा है।

शत्रु संपत्ति के मामले से छुटकारा दिलाने की मांग

गाजियाबाद। मोदीनगर के शत्रु संपत्ति के मामले को लेकर मोदीनगर तहसील में ग्रामीणों का धरना रविवार को भी जारी रहा। एक अधिवक्ता ने खून से गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर शत्रु संपत्ति से छूटकारा दिलाने की गुहार लगाई। सोमवार को धरनास्थल पर लोगों को समर्थन देने के लिए आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर उर्फ रावण पहुंचेंगे। धरने की अध्यक्षता चंद्रकली व संचालन राहुल गुर्जर ने किया। क्रमिक अनशन पर माया देवी, राजबाला, शशि, प्रभा, सीमा गोयल व योगिता भारद्वाज रही। लोगों को समर्थन देने के लिए भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी धरनास्थल पर पहुंचे।

PUBLIC NOTICE

Whereas M/s Vatika Limited is in the process of setting up of Residential Plotted Colony over an additional area measuring 10.04375 acres and 18.80 acres (after migration of entire area from License no. 66 of 2013 dated 20.07.2013 and License no. 91 of 2013 dated 26.10.2013 respectively granted for the setting up of Group Housing Colony, in addition to License no. 94 of 2013 dated 31.10.2013 and License no.11 of 2015 dated 01.10.2015) in the revenue estate of Village Harsaru, Sector-88B, Gurugram, Haryana.

And whereas several individuals have made bookings/entered into purchase agreements for allotment of plots/property in the said colony (hereinafter referred to as allottees).

And whereas the o/o Director General, Town & Country Planning, Haryana, Chandigarh, while granting the LOI vide Memo no. LC-4824/JE(SB)-2023/24788 dated 26.07.2023 and LC-2781-D/JE(SK)-2023/30293 dated 12.09.2023 for setting up the residential plotted colony, has required seeking of any objections from the allottees/General Public.

Accordingly, vide this public notice, objections are hereby invited from any of the allottees/General Public in the said residential plotted colony. The in-principle approved revised layout plan is available for perusal on our website www.vatikacollections.com and at our site office and in the office of Senior Town Planner, Sector-14, Gurugram, Haryana.

Objections, if any, may be filed in the o/o Senior Town Planner, Sector 14, Gurugram, Haryana, or at our Corporate Office: Vatika Limited, Unit No.A-002, Ground Floor, Block A, INXT City Centre, Sector-83, Gurugram 122012, Haryana, within 30 days of this notice, failing which it shall be assumed that there are no objections to the proposed revision of the layout plan.

Place: Gurugram M/s Vatika Limited

आईपीएल की तर्ज पर उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग

● पहले सीजन में हिस्सा लेंगी यूपी की 8 टीमें, होंगे 60 मैच

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

आईपीएल की तर्ज पर यूपी के युवा खिलाड़ियों को प्रत्साहित करने के लिए उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग की शुरुआत की गई है। रविवार को नोएडा मीडिया क्लब में पत्रकारों को संबोधित करते हुए यूपीकेएल के पदाधिकारियों ने इसकी घोषणा की।

यूपीकेएल के रूप में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए एक नया स्पोर्ट्स प्लेटफार्म खड़ा करने का लक्ष्य रखा है। इसी के तहत 1-एक्स स्पोर्ट्ज और यूपी कबड्डी एसोसिएशन के साझा आयोजन उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग की घोषणा की गई है। 1-एक्स स्पोर्ट्ज के फाउंडर संभव जैन ने बताया कि यूपीकेएल में यूपी के स्थापित खिलाड़ियों के साथ-साथ नए और प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों को भी मौका दिया जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 60 मैच होंगे, जिनमें नोएडा निंजा, गंगा वारियर्स और बुंदेलखंड रॉयल्स समेत यूपी के आठ अलग-अलग क्षेत्रों की टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों का गठन आईपीएल की तर्ज पर ही किया गया है और इनमें खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया भी तकरीबन वैसी ही होगी।

नोएडा मीडिया क्लब में पत्रकारों को संबोधित करते यूपीकेएल के पदाधिकारी।

कई टीमों में प्रो कबड्डी के खिलाड़ी भी ताल ठोकते नजर आएंगे। उत्तर प्रदेश कबड्डी एसोसिएशन के महा सचिव राजेश कुमार सिंह का कहना है कि दूर दराज के गांवों और कस्बों में रहने वाले युवाओं को अवसर न मिल पाना एक बड़ी समस्या है। हमारी कोशिश होगी कि इस कमी को दूर किया जाए क्योंकि हमारा मकसद ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रमोट करना और उन्हें आगे बढ़ाना है। एमेच्योर कबड्डी फेडरैशन ऑफ इंडिया के जॉइन्ट सेक्रेटरी कुमार विजय सिंह, यूपीकेएल के ब्रांड अम्बेसडर और इंटरनेशनल कबड्डी एंड प्रो कबड्डी प्लेयर राहुल चौधरी ने कबड्डी प्रतियोगिता को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। 1 एक्स स्पोर्ट्ज के मार्केटिंग डायरेक्टर अमन सक्सेना ने कहा कि खिलाड़ियों के चयन का काम जोरों पर है, ब्रॉडकास्ट के लिए भी बात चल रही है साथ ही कब से इस कबड्डी प्रतियोगिता की शुरुआत होगी तारीख की घोषणा भी जल्द करेंगे।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 18 सितंबर, 2023

तोहफा : नई दिल्ली से यशोभूमि का सफर 21 मिनट में

एयरपोर्ट मेट्रो के विस्तार के साथ ही यात्रियों के लिए खोला गया नया रूट, हर 10 मिनट में मिलेगी सेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के विस्तार के साथ ही नई दिल्ली से द्वारका के सेक्टर 25 स्थित भारत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्र (आईआईसीसी) यशोभूमि तक पहुंचने के लिए मात्र 21 मिनट लगेंगे। एयरपोर्ट मेट्रो के विस्तार के साथ ही इसकी स्पीड बढ़ाकर 120 किमी प्रति घंटा कर दिया गया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रविवार को एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर मेट्रो ट्रेन की गति को बढ़ाकर 120 किमी प्रति घंटा कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन से नवनिर्मित यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 स्टेशन तक की यात्रा में लगभग 21 मिनट लगेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार सुबह एयरपोर्ट लाइन के इस विस्तार और भारत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्र (आईआईसीसी) के पहले चरण का उद्घाटन किया जिसे यशोभूमि नाम दिया गया है।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के एक अधिकारी ने कहा, नए विस्तारित हिस्से में यात्रियों के लिए मेट्रो ट्रेन की सेवा आज दोपहर तीन बजे से शुरू कर दी गई है। नया खंड जुड़ने से नई दिल्ली से यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 तक एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की कुल लंबाई 24.9 किमी हो गई है।

सम्मेलन केंद्र के अलावा यह नया स्टेशन द्वारका सेक्टर-25 के आसपास के लोगों और गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास बसे नए सेक्टर के लोगों के लिए भी मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

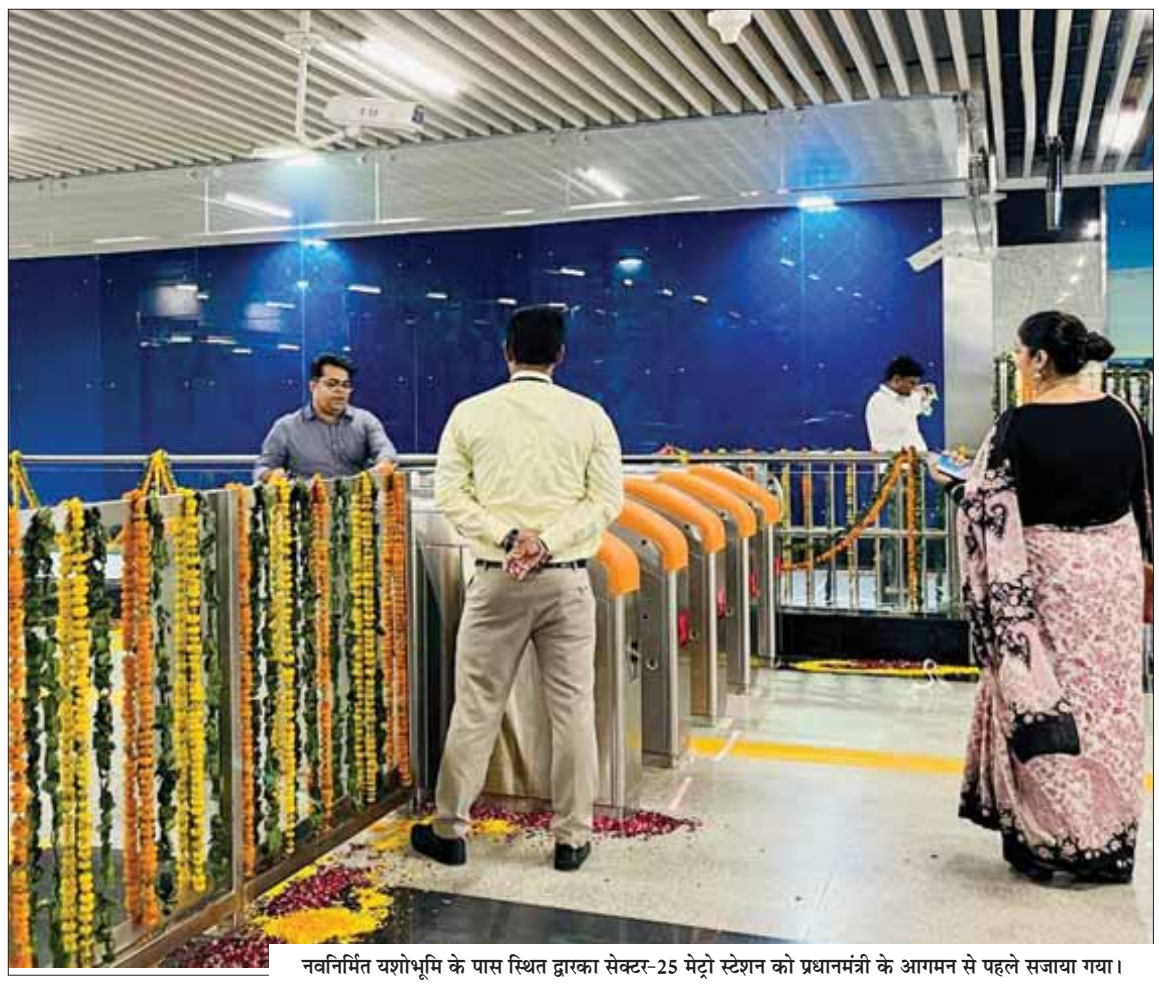

नवनिर्मित यशोभूमि के पास स्थित द्वारका सेक्टर-25 मेट्रो स्टेशन को प्रधानमंत्री के आगमन से पहले सजाया गया।

एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 अब कम समय में पहुंचेंगे

डीएमआरसी ने कहा था कि इस लाइन पर 10 मिनट के अंतराल पर मेट्रो ट्रेन चलेंगी। अधिकारियों ने बताया कि इस लाइन पर मेट्रो ट्रेन की गति 120 किलोमीटर प्रति घंटा कर दिए जाने से नई दिल्ली और द्वारका सेक्टर 21 तक की यात्रा में 19 मिनट का समय लगेगा, जबकि पहले 22 मिनट लगते थे। डीएमआरसी ने कहा कि नई दिल्ली और दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-तीन तक की यात्रा लगभग 15 मिनट 30 सेकंड में पूरी हो जाएगी, जबकि पहले 18 मिनट से थोड़ा अधिक समय लगता था। अधिकारियों बताया कि दिल्ली मेट्रो ने इस साल 22 मार्च को एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर सबसे पहले ट्रेनों की गति 90 से बढ़ाकर 100 किमी प्रति घंटा की थी। इसके बाद 22 जून को इसे और बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा कर दिया गया। अब रविवार से रफ्तार 120 किमी प्रति घंटा कर दी गई है।

सब-वे स्टेशन को प्रदर्शनी स्थल से जोड़ेगा

नया मेट्रो स्टेशन यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 के उद्घाटन के साथ यशोभूमि दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन से भी जुड़ गया। नए मेट्रो स्टेशन में तीन सब-वे होंगे। स्टेशन को प्रदर्शनी हॉल, कन्वेंशन सेंटर और सेंट्रल एरिना से जोड़ने वाला 735 मीटर लंबा सब-वे और द्वारका एक्सप्रेसवे में प्रवेश व निकास को जोड़ने वाला दूसरा सब-वे होगा, जबकि तीसरा सब-वे मेट्रो स्टेशन को यशोभूमि के भविष्य के प्रदर्शनी हॉल के फ्लोर से जोड़ता है।

सीएम को डीएमआरसी कार्यक्रम में नहीं बुलाने पर भड़की आतिशी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को रविवार को मेट्रो लाइन के उद्घाटन कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किए जाने को लेकर नाराजगी जताई है।

आतिशी ने कहा कि दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के एक कार्यक्रम में दिल्ली के मुख्यमंत्री को आमंत्रित नहीं करना ओछी मानसिकता को दर्शाता है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को दिल्ली मेट्रो में सफर किया और दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन पर द्वारका सेक्टर-21 से सेक्टर-25 स्थित नए मेट्रो स्टेशन यशोभूमि तक के दो किलोमीटर लंबे विस्तार का उद्घाटन किया। आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) केंद्र और दिल्ली सरकार का आधी-आधी साझीदारी वाला उपक्रम है।

आतिशी ने कहा, इसका मतलब है कि आधी धनराशि दिल्ली सरकार द्वारा और आधा हिस्सा केंद्र द्वारा खर्च किया जाता है। लेकिन इस कार्यक्रम में दिल्ली के मुख्यमंत्री को बुलाना महत्वपूर्ण नहीं समझा गया। मैं प्रधानमंत्री को बताना चाहती हूं कि वह सभी राज्य सरकारों के संरक्षक हैं। उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए।

दुनिया के सबसे बड़े सम्मेलन प्रदर्शनी-केंद्रों में एक है आईआईसीसी

इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी) के उद्घाटन के दौरान कलाकार प्रस्तुति देते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को करीब 5,400 करोड़ रुपये की लागत से बने विश्व के सबसे बड़े सम्मेलन व प्रदर्शनी स्थलों में से एक यशोभूमि का लोकार्पण किया। इसमें विश्वस्तरीय बैठक, सम्मेलन और प्रदर्शनियों की मेजबानी की जा सकेगी। यशोभूमि का कुल निर्मित क्षेत्र 1.8 लाख वर्ग मीटर से अधिक है और यह दुनिया के सबसे बड़े एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी) सुविधाओं से लैस है। यहां करीब 73,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में बने कन्वेंशन सेंटर में 15 कन्वेंशन रूम हैं।

इनमें मुख्य सभागार, भव्य बॉलरूम और 11,000 प्रतिनिधियों के बैठने की कुल क्षमता वाले 13 बैठक कक्ष शामिल हैं। कन्वेंशन सेंटर में देश का सबसे बड़ा एलईडी मीडिया स्क्रीन है। इसके मुख्य सभागार में करीब छह हजार लोगों के बैठने की क्षमता है।

कन्वेंशन सेंटर का पूर्ण हॉल लगभग 6,000 मेहमानों की बैठने की क्षमता से सुसज्जित है, जिसमें सर्वाधिक नई स्वचालित प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया है। सभागार में उपयोग किए गए लकड़ी के फर्श और ध्वनिक दीवार (एकुस्टिक वॉल) पैनल आगंतुक को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करेंगे।

अद्वितीय पंखुड़ी की छत वाला ग्रैंड बॉलरूम लगभग 2,500 मेहमानों की मेजबानी कर सकता है। इसमें एक विस्तारित खुला क्षेत्र भी है, जिसमें 500 लोग बैठ सकते हैं। आठ मंजिलों में फैले 13 बैठक कक्षों में विभिन्न स्तरों की विभिन्न बैठकें आयोजित करने की परिकल्पना की गई है।

यशोभूमि दुनिया के सबसे बड़े प्रदर्शनी सभागारों में से एक है। एक लाख सात हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में बने इन प्रदर्शनी सभागारों का उपयोग प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों और व्यावसायिक कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए किया जाएगा, और यह एक भव्य अग्रदीर्घा (फ़ोयर) स्थान से जुड़े हुए हैं, जिसे तांबे की छत के साथ विशिष्ट रूप से डिज़ाइन किया गया है, जो विभिन्न स्काईलाइट के माध्यम से अंतरिक्ष में प्रकाश को फिल्टर करता है।

● 73,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में बने सेंटर में है 15 कनवेंशन रूम

फ़ोयर में मीडिया रूम, वीवीआईपी लाउंज, क्लॉक सुविधाएं, आगंतुक सूचना केंद्र, टिकटिंग जैसे विभिन्न सहायता क्षेत्र होंगे। यशोभूमि में सभी सार्वजनिक परिसंचरण क्षेत्रों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह सम्मेलन केंद्रों के बाहरी स्थान के साथ निरंतरता का बोध कराता है। यह टेराज़ो फर्श के रूप में भारतीय संस्कृति से प्रेरित सामग्रियों और वस्तुओं से बना है, जिसमें पीतल की जड़ाई रंगोली पैटर्न, सस्पेंडेड साउंड एब्जोरबेंट मेंटल सिलेंडर और रोशनी की पैटर्न वाली दीवारें हैं।

द्वारका में सौंदर्यीकरण बढ़ाने के लिए मूर्तियां-फव्वारे लगाएं : उपराज्यपाल

● एलजी ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को जारी किए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अधिकारियों को दिल्ली के उन क्षेत्रों को संवारने के प्रयासों के तहत द्वारका उप-नगर में मूर्तियां और फव्वारे स्थापित करने का निर्देश दिया है, जिनका जी 20 शिखर सम्मेलन से पहले सौंदर्यीकरण नहीं हो सका था। राजनिवास के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि सक्सेना ने शनिवार को द्वारका के दौरे के दौरान यह निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी यात्रा पालम फ्लाईओवर के निकट अंडरपास से शुरू की और द्वारका के विभिन्न सेक्टर से होते हुए डाबरी नाला रोड तक गए। उन्होंने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान, उपराज्यपाल ने सभी संबंधित नगर निकायों के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त हो और फुटपाथ पैदल चलने वालों के अनुकूल हों।

एक अधिकारी ने कहा, यात्रा के दौरान भारी बारिश से उपराज्यपाल और उनके साथ मौजूद अधिकारियों को क्षेत्र में जलभराव के महत्वपूर्ण बिंदुओं का प्रत्यक्ष अनुभव मिला और लंबित मुद्दों के समाधान के लिए मौके पर ही निर्देश जारी किए गए।

उन्होंने बताया कि सक्सेना ने इस तथ्य पर कड़ी आपत्ति जताई कि मुख्य नालों की ओर जाने वाली पुलिया या तो खुली हैं या बंद हैं और निर्देश दिया कि पुलिया पर ग्रिल लगाने और रुकावटों को दूर करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।

उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल ने अधिकारियों को द्वारका की ओर जाने वाले अंडरपास की दीवारों के सौंदर्यीकरण और फुटपाथ पर पौधों वाले गमले रखने का भी निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि सेक्टर 7, 8 और 9 में सड़कों, फुटपाथों और रास्तों का सूक्ष्मता से निरीक्षण करने के बाद, उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक मरम्मत कार्य करने और डिजाइन में समरूपता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सक्सेना ने अधिकारियों से पेड़ों की छंटाई करने और दीवारों और रास्तों पर उगे पौधों को हटाने को कहा।

संक्षिप्त समाचार

नृत्यांगना रितु गुप्ता की प्रस्तुति पर झूमे प्रशंसक

नई दिल्ली। राजधानी के त्रिवेणी कला संगम में नृत्यांगना रितु गुप्ता के कत्थक नृत्य से प्रशंसक झूम उठे। नृतय प्रदर्शन का निर्देशन कत्थक गुरु प्रदीप्तो चक्रवर्ती ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विष्णु वंदना से हुई और इसके बाद दर्शकों को सरगम, ताल धममार और कृष्णा राधा ठुमरी प्रस्तुति देखने को मिली। नृत्य में मुख्य कत्थक कलाकार रितु गुप्ता और उनके साथी कलाकारों - ज़ोहैब हसन (गायन और हारमोनियम), शाहबाज़ खान और नावेद (तबला) और आमिर खान (सारंगी) ने सुर्खियां बटोरीं। प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना रितु गुप्ता ने अपने मनमोहक प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह शानदार कत्थक प्रदर्शन सुरुचिपूर्ण और लखनऊ घराने की शैली का उत्सव था, जो कलात्मकता, लय और सांस्कृतिक विसर्जन से भरी शाम का वादा करता था।

पीएम को रोजगार की चिंता नहीं : युवा कांग्रेस

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि देश आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री को युवाओं के रोजगार की चिंता नहीं है। संगठन के सदस्यों ने मध्य दिल्ली में युवा कांग्रेस के कार्यालय पर विरोध-प्रदर्शन किया। इसका नेतृत्व करने वाले संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी.वी. ने कहा कि हम इस दिन (17 सितंबर) को राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रूप में मनाते हैं। देशभर में करोड़ों युवा बेरोजगार हैं, लेकिन केंद्र और प्रधानमंत्री इसे समस्या को मनाने से इनकार कर रहे हैं। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन होता है। इस साल वह 73 वर्ष के हो गए हैं। श्रीनिवास ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले नौ वर्ष में करोड़ों लोगों ने केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए आवेदन किया और अब भी बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा, देश का हर छठा स्नातक बेरोजगार है, नौ साल में 22 करोड़ लोगों ने केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए आवेदन किया। हम प्रधानमंत्री मोदी से अपील करते हैं कि वे देश के बेरोजगार युवाओं की तरफ भी ध्यान दें और उनके रोजगार के लिए जल्द से जल्द कोई ठोस कदम उठाएं।

स्वच्छता को लेकर एनडीएमसी इलाकों में नुक्कड़ नाटक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने रविवार को स्वच्छता पर जोर देने, एकल-उपयोग प्लास्टिक की हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करने और स्वच्छता ही सेवा पर ध्यान देने के लिए भारतीय स्वच्छता लीग में भाग लिया है।

इसमें एनडीएमसी ने रविवार को नेहरू पार्क में स्रोत पर कचरे को अलग करने और एकल उपयोग प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। इस अवसर पर, एनडीएमसी के एमओएच आर पी सती ने उपस्थित लोगों को प्रेरित किया और उन्हें हमारे जीवन में एकल उपयोग प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के डिब्बों या बर्तनों में खाना खाने से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां हो रही है।

एनडीएमसी के वरिष्ठ अधिकारी ने वहां उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य, नागरिक और बागवानी विभाग के सभी स्वच्छता योद्धाओं को स्वच्छता शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में लगभग 350 लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों, स्वच्छता योद्धाओं, सुबह की सैर करने वाले लोगों ने भी भाग लिया।

गणेश चतुर्थी महोत्सव को लेकर राजधानी में तैयारियां जोरों पर चल रही है। इसी कड़ी में भगवान गणेश की प्रतिमा को अंतिम रूप देती मूर्तिकार। फोटो: रंजन डिमरी

किरारी में कूड़ाघर हटाकर बना दिया शिक्षा का मंदिर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के किरारी में कूड़ाघर को हटाकर शिक्षा का मंदिर स्थापित कर दिया गया। कल तक जहां डंप यार्ड आज वहां बच्चों को पढ़ने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने लाइब्रेरी बना दी है।

महापौर शैली ओबरॉय ने रविवार को इस लाइब्रेरी का उद्घाटन कर स्थानीय बच्चों को शिक्षा का अमूल्य उपहार दिया है। महापौर शैली ओबरॉय ने लाइब्रेरी के उद्घाटन की जानकारी एक्स पर शेयर करते हुए इसकी तस्वीर साझा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आप सरकार कूड़े के अवैध प्वाइंट्स को हटाकर लाइब्रेरी बना रही है।

किराड़ी विधानसभा के वार्ड 41 स्थित अमन विहार मेंअवैध कूड़ा प्वाइंट्स को साफ कर बच्चों के लिए लाइब्रेरी बनायी गई है। इस अवसर पर विधायक रितुराज और पार्षद रविंद्र भारद्वाज भी मौजूद थे। वार्ड की पहली लाइब्रेरी के लिए सभी को बधाई, अब बच्चे एकांत में बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे। महापौर ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली को साफ बनाएंगे और बच्चों को विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराएंगे। इस एमसीडी द्वारा निर्मित इस एयर कंडिशन लाइब्रेरी में वाईफाई की भी सुविधा मौजूद है। यह डंपिंग यार्ड किराड़ी के वार्ड संख्या 41 में मौजूद था।

दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने नगर निगम चुनाव से पहले कूड़े के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। आप ने आरोप लगाया था कि एमसीडी में भाजपा ने 15 साल तक शासन किया और दिल्ली कूड़े की राजधानी में तब्दील हो गई थी। पार्टी ने चुनाव से पहले कूड़े पर जनसंवाद अभियान भी शुरू किया था।

● दिल्ली नगर निगम ने डंप यार्ड की जगह बच्चों को पढ़ने के लिए बनाई लाइब्रेरी

● महापौर शैली ओबराय ने रविवार को किया उद्घाटन

बाद में निगम के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने भाजपा को हराकर जीत हासिल की थी। आप ने जनता से वादा किया था कि दिल्ली में जहां-तहां अवैध तरीके से बन गए ना सिर्फ डंपिंग यार्ड को हटाया जाएगा बल्कि पार्टी आने वाले समय में तीन कूड़े के तीन पहाड़ों को भी खत्म करनेको लेकर ठोस रणनीति बनाएगी।

ग्लोबल समिट में केजरीवाल मॉडल रखेंगे दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक दुर्गेश पाठक अमेरिका में एक वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान शासन का केजरीवाल मॉडल के बारे में बताएंगे। पार्टी ने रविवार को यह जानकारी दी। पार्टी ने कहा कि वैश्विक शिखर सम्मेलन में 85 देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

आप ने एक्स पर कहा, केजरीवाल मॉडल एक बार फिर वैश्विक मंच पर प्रसिद्ध होगा। आप विधायक दुर्गेश पाठक अमेरिका में वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान शासन का केजरीवाल मॉडल के बारे में बताएंगे। इस सम्मेलन में 85 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मॉडल देश को गौरवान्वित कर रहा है। आप सूत्रों ने कहा कि यह सम्मेलन 19 से 21 सितंबर तक न्यूयॉर्क में होगा।

भाजपा के बूथ विस्तारकों की मेहनत लाएगी रंग: सरपंच सुंदर लाल यादव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

धारूहेड़ा मंडल के बूथ नंबर-81 से 98 तक कार्यकर्ताओं से की बैठक

धारूहेड़ा मंडल के बूथ नंबर-81 से 98 तक विस्तारकों ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की, जिसमें सभी पालक, बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहे। इस दौरान मनोज सैनी मंडल अध्यक्ष, रामपाल, अत्तर सिंह पांचाल, अशोक कोशिल्या, रामनिवास, नरेश वशिष्ठ, दयाराम चेयरमैन, लक्ष्मण सरपंच नखड़ैला आदि की मौजूदगी रही।

इस दौरान विस्तारक सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करने के लिए केंद्रीय नेतृत्व, राज्य के नेतृत्व ने जो योजना बनाकर कार्यकर्ताओं को फील्ड में उतारा है, वह योजना भविष्य में पार्टी को और अधिक मजबूती देगी। उन्होंने कहा कि विस्तारकों की तैनाती पार्टी को और अधिक मजबूती देगी। सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि पार्टी का आने वाले 2024 के चुनावों पर फोकस है। उसी के चलते योजनाबद्ध तरीके से पार्टी के कार्यकर्ता काम कर रहे हैं। जो भी जिम्मेदारी दी जा रही है, उसका पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन किया जा रहा है। जो भी कार्यकर्ता फील्ड में काम कर रहे हैं, उन सबकी बकायदा रिपोर्ट तैयार होती है। संगठन में हर कार्यकर्ता को मान-सम्मान दिया जाता है।

धारूहेड़ा में कार्यकर्ताओं से रूबरू होते विस्तारक।

विस्तारक के रूप में कार्यकर्ता सिर्फ आम मतदाताओं से ही नहीं मिलते, बल्कि क्षेत्र के मौजिज लोगों से भी मिलकर उन्हें पार्टी की नीति-रीति के बारे में जानकारी देते हैं। सरपंच सुंदर लाल ने कहा कि दूसरे दलों के कार्यकर्ता भी संपर्क में हैं। उन्हें भी भारतीय जनता पार्टी से जोड़ने के लिए पार्टी की नीतियों से अवगत कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने विकास के नए आयाम देश में स्थापित किए हैं। उससे साफ है कि आने वाले समय में भाजपा ना केवल और मजबूत होगी, बल्कि राजस्थान में सरकार बनाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि हम सब उनकी दीर्घायु की कामना करते हैं। दुनिया में देश का नाम रोशन और मजबूत करके प्रधानमंत्री ने देश का मस्तक ऊंचा किया है। हर पल देश के लिए जीने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 सम्मेलन दिल्ली में करके दुनिया को दिखा दिया है कि हम किसी से पीछे नहीं हैं।

आज यह बात कहने में गुरेज नहीं है कि-अपना भारत वो भारत है जिसके पीछे संसार चला। ऐसा सबने देखा है जब प्रधानमंत्री जी-20 में सबसे आगे थे और दुनिया के शक्तिशाली देश कहलाने वाला अमेरिका व अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष उनके पीछे चल रहे थे। यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मजबूत नेतृत्व है।

साध-संगत ने धूमधाम से मनाया महा परोपकार माह का भंडारा

संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां के पावन गुरुगद्दीनशीनी दिवस पर भंडारे में पहुंची साध-संगत।

पायनियर समाचार सेवा। जयपुर

स्थानीय मानसरोवर में रविवार को संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां का पावन गुरुगद्दीनशीनी दिवस का शुभ भंडारा राजस्थान की साध-संगत द्वारा महा परोपकार माह के रूप में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। महा परोपकार माह की खुशी में स्पीकर्स वेली, कल्याणपुरा न्यू सांगानेर रोड मानसरोवर जयपुर में आयोजित स्पेशल नामचर्चा सत्संग कार्यक्रम में खराब मौसम के बावजूद राजस्थान प्रदेश से भारी तादाद में साध-संगत ने भाग लिया, जिनमें पूज्य गुरु जी के प्रति अटूट विश्वास, असीम आस्था व श्रद्धा भावना की झलक देखने को मिली। इस अवसर पर स्थानीय साध-संगत की ओर से फूड बैंक मुहिम के तहत जरूरतमंद परिवारों को राशन बांटा गया।

बता दें कि डेरा सच्चा सौदा की दूसरी पातशाही परम पिता शाह सतनाम जी महाराज ने 23 सितंबर 1990 को पूज्य गुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां को पावन गुरुगद्दी की बख्शीश की थी। इसलिए सितंबर महीने को डेरा सच्चा सौदा की साध-संगत पावन महा परोपकार माह के रूप में मनाती है और आज रविवार को जयपुर में राजस्थान प्रदेश की साध-संगत ने पावन महा परोपकार माह का शुभ भंडारा नामचर्चा सत्संग कर मनाया है। रविवार को 11 बजे धन-धन सतगुरु तेरा ही आसरा का इलाही नारा बोलकर नामचर्चा सत्संग कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इसके पश्चात कविराजों की ओर से सुंदर भजन वाणी के माध्यम से राम-नाम का जाप करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान

नाचती-गाती नामचर्चा सत्संग में पहुंची साध-संगत

जरूरतमंद परिवारों को बांटा राशन

नामचर्चा सत्संग पंडाल में बड़ी एलईडी स्क्रीनों के माध्यम से पूज्य गुरु जी के अनमोल वचनों को साध संगत ने एकाग्रचित होकर श्रवण किया। इससे पूर्व उपस्थित साध-संगत ने पूज्य गुरु जी को धन-धन सतगुरु तेरा ही आसरा का इलाही नारा लगाकर पावन महा परोपकार माह की बधाई दी।

नामचर्चा सत्संग कार्यक्रम में गुरु का महत्व विषय पर एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। जिसमें दिखाया गया कि इंसान के जीवन में गुरु का कितना महत्व है। डॉक्यूमेंट्री में दिखाया गया कि जब से सृष्टि की उत्पत्ति हुई है तब से गुरु की जरूरत थी और गुरु की हमेशा जरूरत रहेगी। गुरु ही है जो अपने दिव्य ज्ञान के माध्यम से समाज से बुराइयों का खात्मा करते है।

गुरु से हर समस्या का हल किया जा सकता है। पावन भंडारे पर उपस्थित साध-संगत को पावन माह की बधाई देते हुए 85 मैंबर एडवोकेट संपूर्ण सिंह इन्सां ने साध-संगत को सतगुरु पर दृढ विश्वास रखते हुए 159 मानवता भलाई कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान साध-संगत ने भी अपने दोनों हाथ खड़े कर मानवता भलाई कार्यों में दोगुणे जोश के साथ जुटने का संकल्प लिया।

प्रधान सेवक मोदी ने सिखाया व्यक्तिगत अवसरों को भी जनसेवा के अवसर में बदलना

गुरुग्राम के न्यू कालोनी में पीएम मोदी के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ व रक्तदान करतीं सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल।

प्रदेश में सेवा पखवाड़े की शुरुआत प्रदेश अध्यक्ष ने गुरुग्राम से की

सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल ने भी रक्तदान किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर हरियाणा में सेवा पखवाड़े की शुरुआत करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा है कि देश के प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी ने व्यक्तिगत अवसरों को भी जनसेवा के अवसरों में बदलना सिखा दिया है।

यह बात उन्होंने पीएम मोदी के जन्मदिन पर न्यू कालोनी में रक्त दान शिविर में कही। सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल ने भी वहां रक्तदान किया। प्रदेश अध्यक्ष ने सांसद को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

सेवा पखवाड़े की शुरुआत करते ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि मोदी जी का जन्मदिन भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए केवल उत्सव का ही अवसर नहीं है, बल्कि यह भाजपा के हरेक कार्यकर्ता के लिए विशेष सेवा कार्यों का अवसर है। जिसके तहत सेवा भाव से भरे भाजपाई 15 दिन तक मोदी जी की लंबे और स्वस्थ जीवन कामना करते हुए जनसेवा करते हैं। उन्होंने बताया कि भाजयुमो और अनेक सामाजिक संस्थाओं द्वारा रक्तदान शिविर और हेल्थ चेकअप का कार्यक्रम तीन दिन तक चलेगा, जिसमें 18000 यूनिट ब्लड डोनेट कराने का लक्ष्य लिया गया है। हर विधानसभा में 24 हेल्थ कैंप लगेंगे। धनखड़ ने बताया कि पहले दिन हजारों चश्मों का वितरण किया गया है और सेवा पखवाड़े के दौरान 2 लाख जरुरतमंदों को चश्में दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि गांधी जयंती पर स्वच्छता अभियान चलेगा। हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पिछड़ा वर्ग के दस्तकारों के लिए विश्वकर्मा योजना शुरू करने और इसके तहत 13 हजार करोड़ का बजट जारी करने पर भी प्रधानमंत्री का आभार जताया। इस अवसर पर सांसद सुनीता दुग्गल, जिलाध्यक्ष गार्गी कक्कड़, प्रदेश सह-मीडिया प्रमुख अरविंद सैनी, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष संघू, देवेंद्र नूहानी, राजीव चावला, सतीश खटाना, सीएमओ विरेंद्र यादव, अनुराग बख्शी आदि उपस्थित रहे।

मामन खान की गतिविधियां संदिग्ध : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जिस प्रकार से पुलिस को अपनी जांच में मामन खान की संदिग्ध गतिविधियां मिली है, पुलिस उस पर अपना काम कर रही है। धनखड़ ने कहा कि सबको मालूम है कि मामन खान ने क्या बोला था और किस प्रकार उनकी गतिविधियां संदिग्ध रही थी। मामन खान के बयानों और संदिग्ध गतिविधियों पर अब पुलिस अपना काम कर रही है और आगे भी कानून अपना काम करेगा।

सीकरी के आह्वान पर पीएम मोदी के 73वें जन्मदिन 73 जगह हुए हवन-यज्ञ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर हवन-यज्ञ में भाग लेते बोधराज सीकरी, गीता भवन में रक्तदाओं को सम्मानित करते डा. परमेश्वर अरोड़ा व सीएमओ डा. विरेंद्र यादव।

प्रवीन शर्मा। गुरुग्राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन समाजसेवी बोधराज सीकरी और उनके साथी धर्मेंद्र बजाज ने विलक्षण तरीके से मनाया। प्रधानमंत्री के 73वें जन्मदिन पर उनकी दीर्घायु के लिए बोधराज सीकरी ने 73 अलग-अलग स्थानों पर यज्ञ/हवन का आयोजन किया। उनके जीवन के कल्याण और राष्ट्र के कल्याण के लिए मंदिरों में, आर्य समाजों में, अलग-अलग सगे-संबंधी, शुभचिंतकों और मित्रों के घरों में हवन करवाया।

बोधराज सीकरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि आज के युवाओं के अंदर यज्ञ-हवन के प्रति जागृति हो। वो संस्कारवान बने। बोधराज सीकरी ने सुबह के समय स्वयं आर्य समाज मंदिर भीम नगर में जाकर हवन यज्ञ किया। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर न्यू कॉलोनी, गीता भवन न्यू कॉलोनी, गणेश मंदिर न्यू कॉलोनी, शिव मंदिर सुभाष नगर, पंचमुखी हनुमान मंदिर सेक्टर 7 एक्सटेंशन, बाबा बर्फानी मंदिर मदन पुरी, हनुमान मंदिर गली नंबर-3 मदन पुरी, परशुराम वाटिका शक्ति नगर, कृष्ण मंदिर 4/8 मरला, राम मंदिर अशोक विहार फेस-2, दुर्गा मंदिर प्रताप नगर, राम मंदिर प्रताप नगर, डेरावाल भवन प्रताप नगर, पंडित उदयभान देवी मंदिर भीम नगर, गीता सार मंदिर भीम नगर समेत अनेक मंदिरों में हवन किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जितेंद्र बहल पार्क की सनातन योगस्थली के योगाचार्य व आयुर्वेदाचार्य डॉ. परमेश्वर अरोड़ा द्वारा रोटरी ब्लड बैंक गुरुग्राम व दिल्ली, नल्हड मेडिकल कॉलेज नूंह के सहयोग से न्यू कालोनी स्थित गीता भवन में रक्तदान शिविर लगाया गया।

पीएम मोदी के प्रयासों से जी-20 हुआ जी-21

पीएम के जन्मदिन पर सेवा कार्यों में जुटे रहे विधायक सुधीर सिंगला

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन शहर में अलग-अलग स्थानों पर सेवा दिवस के रूप में मनाया। जिला कार्यालय पर युवा मोर्चा की ओर से रक्तदान शिविर से इसकी शुरुआत की गई। विधायक सुधीर सिंगला ने सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

विधायक सुधीर सिंगला द्वारा पीएम मोदी के जन्मदिन की सेवा कार्यों के तहत रक्तदान शिविर से शुरुआत करते हुए चक्करपुर, कन्हैयी गांव, वजीराबाद, सुशांत लोक, सिलोखरा गांव में पौधारोपण व भोजन वितरण किया गया। विधायक ने पूर्वांचल मोर्चा द्वारा आयोजित हवन पूजन समारोह में पहुंचे। सभी को इस मंगल अवसर के बधाई प्रेषित की। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को दुनिया के सामने मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा किया है। इसकी बानगी जी-20 सम्मेलन में दिल्ली में दुनिया ने देखी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पीछे पूरी दुनिया के कद्दावर नेता चल रहे थे। दुनिया को दिखा दिया कि भारत ना केवल किसी भी तरह के सफलतम आयोजन करने में सक्षम है, बल्कि भारत की धरती से किसी भी कार्य का शंखनाद होता है तो वह पूर्ण होता है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर बच्चों को खाने का सामान वितरित करते विधायक सुधीर सिंगला।

जी-20 देशों में एक और देश को जोड़कर जी-21 भारत की धरती से ही हुआ। यह अपने आप में एक नया इतिहास है। बिना किसी विवाद के बाकी सभी 19 देशों ने नए देश को शामिल करके जी-20 का आंकड़ा बढ़ाकर जी-21 किया। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसी हस्तियां सदियों में एक बार आती हैं। उनके नेतृत्व को मजबूती देना हम सबकी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री मोदी पूरे देश को अपना परिवार मानते हैं। सफल कार्यक्रम के लिए विधायक सुधीर सिंगला ने सर्वप्रिय त्यागी व समस्त टीम महेश सरपंच, कृष्ण नंबरदार, करमवीर यादव, अंकुर गुलाटी, दीपक शर्मा, विपिन जायसवाल व टीम, सरस्वती मण्डल टीम अशोक डबास, पार्षद मनीष वजीराबाद, सुनील नंबरदार, धर्मवीर बागोरिया समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लायंस क्लब ने मनाया 31वां स्थापना दिवस विजय अरोड़ा ने ली टीम के साथ शपथ

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

लायंस क्लब सोहना टाउन ने अपना 31वीं शपथग्रहण समारोह मनाते हुए नवनियुक्त विजय अरोड़ा को पद व गोपनियता की शपथ दिलवाई। नवनियुक्त क्लब के प्रधान विजय आरोड़ा ने अपनी कार्यकारिणी सदस्यों के साथ पद व गोपनियता की शपथ लेते हुए समाजिक क्षेत्र में मानव सेवा का प्रण लिया।

पिछले करीब 43 वर्षो से सामाजिक कार्यों में अपना साल दर साल बढ़कर मानव सेवा करने वाला सामाजिक संगठन लायंस क्लब सोहना टाउन ने अपना 31वां शपथ ग्रहण समारोह मनाया। इ स अवसर

शनिवार को सोहना लायंस क्लब द्वारा मनाया गया 31वां शपथ ग्रहण समारोह।

पर गणमान्य नागरिकों से लेकर क्षेत्र के नेतागण, शहर के गणमान्य नागरिक और क्लब सदस्य मौजूद थे। क्लब की तरफ से पहली बार निस्वार्थ भाव और गुप्त रुप से जनसेवा करने वाले तीन नागरिकों को शाल व प्रसंशा पत्र देकर सम्मानित किया। नवनियुक्त प्रधान विजय अरोड़ा ने उपप्रधान, कोषाध्यक्ष, सचिव व महासचिव व अन्य पदाधिकारियों के साथ शपथ ली। मुख्य अतिथियों भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं करनी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरपाल अम्मू, आप पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र खटाना, कांग्रेस नेता प्रदीप खटाना, जिला गर्वनर प्रदीप सिंघल, अनिल अरोड़ा, टीपीएस खिल्लन आदि मौजूद थे। सूरजपाल अम्मू व धर्मेन्द्र खटाना ने क्लब द्वारा सामाजिक कार्यों में साल दर साल की जा रही वृद्वि की प्रसंशा की। अन्य सामाजिक संगठनों को भी लायंस क्लब के कार्यों से प्रेरणा लेकर चलने को कहा गया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन बनाना आसान है। लेकिन उसे चलाएं रखना बहुत मुश्किल है। किसी भी संस्था को सामाजिक कार्यों में लगातार बनाकर चलने के लिए आर्थिक के अलावा समय देना बहुत मुश्किल होता है। क्लब के नवनियुक्त प्रधान लायन विजय आरोड़ा ने टीम के साथ मिलकर सामाजिक कार्यों में किसी प्रकार से गिरावट न आने देने का आश्वासन दिया।

गुंडवास में भूमाफियाओं पर लगा रहे है ग्रामीण अवैध निर्माण का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद के वार्ड-एक के गांव गुंडवास में गैरमुमकिन जमीन पर बना जोहड़ की जमीन पर अवैध निर्माण किए जाने से पहले ग्रामीण विरोध करने के लिए सड़कों पर आ गए है। ग्रामीणों गैरमुमकिन जमीन पर अवैध निर्माण से पहले काटे गए हरेभरे पेड़ों समेत ग्रामीणों का रास्ता बंद करने का आरोप लगाया है। जिसको लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने एकजुट होकर उक्त आरोपियों के खिलाफ एक लिखित में शहर थाना पुलिस को शिकायत दी है।

नगर परिषद वार्ड-एक में स्थित जोहड़ के अंदर हरे भरे पेड़ों की कटाई करके अवैध निर्माण करने की तैयार कर रहे भूमाफियों के खिलाफ ग्रामीण सड़क पर उतर आए है। गांव गुंडवास के ग्रामीणों ने सामुहिक रुप से एकजुट होकर अपने गांव से शहर थाना सोहना में पहुंच गए। जहा पर ग्रामीणों ने जोहड़ की जमीन पर पेड़ों की कटाई करने वाले प्रॉपर्टी डिलर गुरुग्राम निवासी तरुण मंगला, विपिन मंगला समेत अन्य परिजनों के खिलाफ लिखित मं शिकायत की है।

1-सोहना नरगपरिषद के गांव गुंडवास के जोहड़ परिसर में काटें गए पेड़।

ग्रामीण हिरा सिह का कहना है कि जिस स्थान पर जोहड़ स्थापित है। वह गैरमुमकिन जमीन है। गैरमुमकिन जमीन का मालिक तो हो सकता है। लेकिन मालिक गैरमुमकिन जमीन पर निर्माण कार्य नहीं कर सकता। जबकि तरुण मंगला व उसके परिजनों ने मिलकर जोहड़ के अंदर खड़े हरेभरे पेड़ों की कटाई करानी शुरु कर दी है। पंचायत काल में गुंडवास के सरपंच रहे धरमपाल का कहना है कि जोहड़ में से ही गांव से बाहर जाने का मुख्य रास्ता है। जिस पर अवैध निर्माण होने से ग्रामीणों को गांव से बाहर जाना व आना बंद हो जाएगा। पहले भी भूमाफिया द्वारा ग्रामीणों का रास्ता बंद करने का प्रयास किया था।

वन विभाग देगा नोटिस : जोहड़ सीमा क्षेत्र के अंदर हरेभरे पेड़ों की अवैध कटाई करने वालों की तलाश करके नोटिस दिए जाएंगे। वन विभाग अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर काटे गए पेड़ों की फोटो ग्राफी कर ली गई है। जरुरत पड़ने पर विभाग की तरफ से पेड़ों की अवैध कटाई करने वालों के खिलाफ अदालत में याचिका भी दायर कराई जाएगी।

(संजय यादव-रेंज अधिकारी वन विभाग)

पुलिस को दी लिखित में शिकायत : शहर थाना पुलिस को ग्रामीणों ने एकजुट होकर जोहड़ की जमीन पर अवैध निर्माण करने वाले गुरुगाम निवासी के खिलाफ लिखित में शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत लेने के बाद ग्रामीणों द्वारा लगाएं गए आरोपों के तहत जांच शुरु कर दी है।

लोक कलाकार युनिट व कलाकारों के लिए सूचीबद्ध आधार पर आवेदन आमंत्रित-डीआईपीआरओ

पायनियर समाचार सेवा। यमुनानगर

सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा द्वारा जिला यमुनानगर सहित अंबाला, भिवानी, चरखी दादरी, फतेहाबाद, झज्जर, जींद, कैथल, कुरूक्षेत्र, नारनौल, नूहं, पलवल, पानीपत, पंचकूला, रिवाड़ी, सिरसा, सोनीपत जिलो में लोक कलाकार यूनिट तथा लोक कलाकारों को सूचीबद्ध आधार पर रखने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सूचीबद्धता तीन वर्ष के लिए होगी।

डीआईपीआरओ डॉ. सुनील बसताड़ा ने इस संदर्भ में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अमित कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पार्टी व कलाकारों को सूचीबद्ध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से पार्टी व कलाकारों को निर्धारित दर से मानदेय का भुगतान भी किया जाएगा।

पार्टी व कलाकारों को इस प्रकार दिया जाएगा मानदेय : डीआईपीआरओ डॉ. सुनील बसताड़ा ने बताया कि पहली श्रेणी में ड्रामा यूनिट जिसमें लोक नाटक पार्टियों व नाटक संगीत इत्यादि शामिल हैं। इस श्रेणी की पार्टी में 10 से 15 कलाकार होंगे जिनको 5510 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। दूसरी श्रेणी में सांस्कृतिक मंडलियां जिसमें सामूहिक कार्यक्रम जिसमें संगीत, लोक नृत्य तथा अन्य विविध कार्यक्रम इत्यादि शामिल हैं। इस श्रेणी की पार्टी में 10 से 15 कलाकार होंगे जिनको 5510 रूपये प्रतिदिन के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। तीसरी श्रेणी में लोक कलाकार मण्डली/पार्टी जिसमें भजन पार्टी, परम्परागत लोक गायन पार्टी/आलहा/जंगम और कठपुतली पार्टी इत्यादि शामिल हैं। इस श्रेणी की पार्टी में 3 से 5 कलाकार होंगे जिनको 1378 रूपये प्रतिदिन के हिसाब से भुगतान किया जाएगा।

मोरारी बापू ने दिल्ली में राम कथा का नामकरण किया मानस भारत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मोरारी बापू ने आज़ादी का अमृत महोत्सव के भव्य उत्सव के दौरान भारत के प्रमुख ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, इंडिया गेट, नई दिल्ली में मानस भारत राम कथा का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में भाजपा दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष श्री विजय गोयल, गुरु शरणानंद जी, आचार्य लोकेश मुनि और योग गुरु स्वामी राम देव जी भी उपस्थित थे। राम कथा, मानस भारत एक गहरा संदेश देती है जो सनातन धर्म के महत्व को समझने में मदद करती है। मोरारी बापू ने स्पष्ट रूप से बताया कि श्री कृष्ण ने दिखाया कि धर्म अमृत के समान है, और सनातन धर्म इस दिव्य सार का अभिन्न अंग है। उनका मानना ??है कि हर धर्म से पहले शुद्ध शब्द पर जोर देना अनावश्यक है, क्योंकि सनातन धर्म आध्यात्मिकता की शुद्धतम अभिव्यक्ति का प्रतीक है।

कथा के दौरान, मोरारी बापू ने जी20 शिखर सम्मेलन में प्रधान मंत्री जी की उपलब्धियों के लिए अपनी सराहना व्यक्त की और माननीय प्रधान मंत्री जी के जन्मदिन पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा और प्रचार-प्रसार के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने संतान धर्म के बारे में जो लोग उट पटांग बातें आज कल कर रहे हैं, उसका बड़ा कड़ा निवेदन दिया है, मैं साधुवाद देता हूँ उनको। राम कथा आध्यात्मिकता और गहन दर्शन का एक समृद्ध अनुभव प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रतिभागियों को रामायण

से कालातीत ज्ञान और सनातन धर्म के शाश्वत सिद्धांतों की गहरी समझ प्राप्त होती है। मोरारी बापू, जो रामायण की व्यापक समझ और कालातीत ज्ञान साझा करने के अपने कौशल के लिए जाने जाते हैं, वर्तमान में नई दिल्ली में इंडिया गेट पर स्थित भारत के प्रमुख ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एक बड़े दर्शक वर्ग को आकर्षित कर रहे हैं। यह महत्वपूर्ण आयोजन न केवल भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाता है, बल्कि देश की प्रचुर सांस्कृतिक विरासत का सम्मान भी करता है, जिसका उद्देश्य सभी पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को संतान धर्म की आध्यात्मिक शिक्षाओं और मूल्यों को अपनाने के लिए एकजुट करना है। प्रसिद्ध आध्यात्मिक नेता और वक्ता मोरारी बापू इस विशेष चर्चा में रामायण की विशिष्ट कथा के माध्यम से उपस्थित लोगों का नेतृत्व करेंगे। कार्यक्रम का प्रारंभिक दिन 16 सितंबर को हुआ, और उसके बाद के दैनिक सत्र 17 सितंबर से आयोजित किए गए हैं, जो सुबह 10:00 बजे से शुरू होंगे।

सीवर ओवरफ्लो की समस्या से मिलेगी राहत, एफएमडीए कराएगा सफाई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) ने सीवर ओवरफ्लो की समस्या से निजात दिलाने की तैयारी कर ली है। पहले चरण में बादशापुर सीवर शोधन संयंत्र की मेन लाइन की सफाई होगी। इसकी जिम्मेदारी निजी कंपनी को सौंपने का निर्णय लिया गया है। अभी तक शहर के सीवर लाइन नगर निगम के अधीन है। एफएमडीए के अधिकारी का दावा है कि सबकुछ ठीक रहा तो 15 दिनों में अपने अधीन ले लिया जाएगा। सीवेज ओवरफ्लो की समस्या से निजात पाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। एफएमडी की ओर से स्मार्ट सिटी के विभिन्न इलाकों में बंद पड़े सीवर लाइन की पहचान कर उसे बादशापुर ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ने का निर्णय लिया गया है।

एफएमडीए के एसडीओ के अनुसार प्रथम चरण में सैनिक कॉलोनी सहित करीब 32 किलोमीटर तक विभिन्न सेक्टरों की सीवर लाइन की सफाई की जाएगी। इसके बाद उसे बादशाहपुर सीवेज

पपिंग स्टेशन (एसपीएस) से जोड़ा जाएगा। इसे आधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। जिसे विभाग के वरिष्ठ अधिकारी अपने मोबाइल पर भी देख सकेंगे। एसपीएस नहीं चलने और सीवर लाइन जाम होने की वजह से पहले सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी रहती थी। जिसके

> **सीवर** सफाई का काम जल्द शुरू करने का निर्णय लिया गया है। अभी तक शहर की अधिकतर सीवर लाइन नगर निगम के पास है।
> **-विशाल बंसल, वरिष्ठ अभियंता एफएमडीए**

कारण सीवर का पानी सड़कों, कॉलोनियों और आसपास के इलाकों में बहना शुरू हो जाता था। अभी तक सीवर लाइनों की देखरेख की जिम्मेदारी नगर निगम के पास है। एफएमडीए ने नगर निगम से टेकओवर करने के लिए तैयारी शुरु कर दिया है। वहीं, निगम के अधिकारी सीवर लाइन के संबंध में नक्शा भी मांगा है। बादशापुर सीवर ट्रीटमेंट प्लांट में सीवर के गंदे पानी को ट्रीट करने के बाद यमुना में छोड़ा जाएगा। ताकि यमुना को दूषित होने से बचाया जा सके। यहां तीन प्लांट लगाने हैं, पहला प्लांट 45 एमएलडी का होगा। दूसरा 30 एमएलडी और तीसरा 7.5 एमएलडी का होगा। इसके बाद प्रतापगढ़ और मिर्जापुर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाएगा।

कांग्रेस सरकार बनने पर तिगांव क्षेत्र का करवाया जाएगा चहुंमुखी विकास

पूर्व विधायक ने पदयात्रा में सुनीं लोगों की जनसमस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ललित नागर ने क्षेत्र में व्याप्त जनसमस्याओं को जानने के लिए पदयात्राएं शुरू कर दी हैं। इन पदयात्राओं के माध्यम से वह गांवों व कॉलोनियों में गली-गली जाकर लोगों से रूबरू होकर वहां व्याप्त समस्याओं का अध्ययन कर रहे हैं। इसी कड़ी में ललित नागर ने रविवार को तिलपत गांव की हरकेश नगर नहर पुल से पदयात्रा शुरू की, जोकि आश्रम वाली मेन मार्केट, हरिकेश कॉलोनी, हनुमंत कॉलोनी, खड्डा कॉलोनी, होराम कॉलोनी तिलपत पर संपन्न हुई। पदयात्रा के समापन पर एक सभा का आयोजन किया गया।

सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक ललित नागर ने कहा कि भाजपा की गूंगी-बहरी सरकार ने नौ सालों में न केवल इस देश बल्कि प्रदेश का पूरी तरह से बेडागर्क कर दिया है, पूंजीपतियों के हाथ की कठपुतली

बनकर यह सरकार अमीरों को और अमीर और गरीबों को मिटाने पर तुली है। बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है, इसके बावजूद भाजपाई विकास के झूठे राग अलापकर खुद ही महिमा मंडित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि तिगांव क्षेत्र में पदयात्राओं के माध्यम से वह लोगों की समस्याओं को बारीकि से जान रहे हैं और अब तक वह जहां-जहां गए हैं, वहां लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित ही दिखे हैं, चाहे सड़कों की बात हो, पीने के पानी की, सीवरेज या फिर बिजली या बेरोजगारी की, इस सरकार ने नौ सालों में इस क्षेत्र में कुछ नहीं किया। श्री नागर ने कहा कि कांग्रेस सरकार में जो काम तिगांव क्षेत्र में करवाए गए थे, भाजपा सरकार में उन विकास कार्यों की मरम्मत तक नहीं हुई, इससे साबित होता है कि यह सरकार जुमलों की सरकार है और इन्हें लोगों की समस्याओं से कोई लेना देना नहीं है। जनसभा के दौरान लोगों ने उन्हें बताया कि उनके यहां अधिकतर बिजली घंटों गुल रहती है और विभाग द्वारा उन्हें अनाप-शनाप बिल भेजे जा रहे है। जिसकी वजह से उन्हें इस गर्मी के मौसम में परेशानी होती है। वहीं अब बिजली विभाग ने तुगलकी फरमान जारी कर दिया है कि जिस व्यक्ति के पास रजिस्ट्री नहीं होगी, उसे बिजली कनेक्शन नहीं दिया जाएगा, जिससे लोग परेशान हैं। वहीं क्षेत्र की सड़कों की हालत भी किसी से छुपी नहीं है। यहां गड्ढों में सड़कें हैं, जिसमें पानी भरा रहता है। जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है और कई बार तो बुजुर्ग व स्कूली बच्चे इन सड़कों के गड्ढों में गिरकर जख्मी भी हो जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी कोई सुनवाई नहीं होती। लोगों की बातें सुनने के बाद श्री नागर ने कहा कि उनकी समस्याओं को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारी से मुलाकात करेंगे और उन्हें दूर करवाने का भरसक प्रयास करेंगे।

श्री नागर ने लोगों को आश्वस्त किया कि अब भाजपाइयों के जुमलों को जनता भली भांति पहचान चुकी है, इसलिए अब उनके बहकावे में कतई आने वाली नहीं है और आने वाले चुनावों में इस सरकार को देश-प्रदेश से चलता कर फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर तिगांव क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करवाया जाएगा और लोगों को तमाम मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इस अवसर पर चरण सिंह भाटी, रंजीत भाटी, साहिल पंडित, माधव पंडित, अरविंद, डॉक्टर उदय, उपेंद्र सिंह, मनोज भाटी, किशन दत्त शर्मा, कमल नंबरदार, सफीक खान, कल्लू पंडित, मनोज भाटी, सोनू भाटी, सुंदर नेताजी, अशोक रावल, बाबूलाल, रवि, सूरजपाल, श्याम सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर समिति ने लगाया कैंप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर मानव सेवा समिति ने जिला प्रशासन के सहयोग से अपने कार्यालय मानव भवन पर जन सेवा कैंप आयोजित किया। जिसके माध्यम से 50 से ज्यादा लोगों के आधार कार्ड का नवीनीकरण व अन्य सभी समस्याओं का समाधान किया गया।

इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित हुए अजय गौड़ पूर्व राजनीतिक सलाहकार मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत वासियों के लिए यह बड़े गर्व की बात है कि उनको नरेंद्र मोदी जैसा महान जन नेता व जन सेवक मिला है। जिनके नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने जा रहा है। हम उनके जन्मदिन को जनता के हित में सेवा कैंप लगा कर मना रहे हैं। इस अवसर पर मानव सेवा समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, चेयरमैन अरुण बजाज कोषाध्यक्ष राजेंद्र गोयनका, मुख्य प्रबंधक संजीव शर्मा, सलाहकार राजेंद्र बंसल, डॉ. बनवारी लाल गुप्ता, राज राठी, कमला वर्मा, परमेश्वरी, कुसुम बंसल, रमा सरना, एमएल मोदी, गोविंद वर्मा, ज्ञानदेव वत्स, युवा मंडल संयोजक संदीप राठी सहित मानव परिवार के सदस्यों ने मोदी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की। कैलाश शर्मा ने कहा है कि मानव भवन पर प्रत्येक शनिवार और रविवार को आधार कार्ड के नवीनीकरण व अन्य सुधारीकरण का कार्य व प्रत्येक मंगलवार को परिवार पहचान पत्र बनाने का कार्य सुबह 10 बजे से दो बजे तक पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। इस अवसर पर मानव परिवार की ओर से अजय गौड़ को शॉल, सम्मान पट्टिका पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन किया गया।

सड़क किनारे खड़े व्यक्ति को कार ने कुचला

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

चेहरा क्षत-विक्षत होने से नहीं हुई पहचान

नेशनल हाइवे पर किठवाड़ी चौक के निकट कार चालक ने एक व्यक्ति को कुचल दिया। जिसके बाद मौके से गाड़ी को लेकर फरार हो गया। दुर्घटना में व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर शव को पहचान व पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है।

कैंप थाना प्रभारी सत्यनारायण के अनुसार, सल्लागढ़ निवासी कर्मवीर ने दी शिकायत में कहा है कि वह सुबह ताऊ देवीलाल पार्क से घूमने के बाद वापस घर लौटकर आ रहा था। उसी समय नेशनल हाईवे-19 पर किठवाड़ी चौक के निकट शराब ठेके के पास एक अनजान व्यक्ति खड़ा हुआ था। इसी दौरान एक गाड़ी तेज गति से आई और उस व्यक्ति को टक्कर मार दी।टक्कर लगने के बाद व्यक्ति का सिर टायर के नीचे आकर बुरी तरह से कुचल गया। चालक गाड़ी को लेकर मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने नजदीक जाकर देखा तो वह व्यक्ति पहचान में नहीं आ सका, क्योंकि उसका चेहरा बुरी तरह से कुचला हुआ था। इसकी सूचना उसने तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पहचान व पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन की तलाश व मृतक की पहचान कराने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

फाइनेंस कंपनी से 15 सोने के पैकेट गायब, केस दर्ज

फरीदाबाद। सेक्टर-15 स्थित एक फाइनेंस कंपनी से सोने के 15 पैकेट गायब होने का मामला सामने आया है। इस पर करीब 30 लाख का लोन है। कंपनी के चार कर्मचारियों पर चोरी का आरोप लगा है। ऑडिट में हुआ खुलासा। थाना सेंट्रल पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल सभी आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। सुमित रोहिल्ला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह इंडिया इंफो लाइन फाइनेंस में अधिकारी है। सेक्टर-15 में कंपनी की एक ब्रांच है, इसका प्रबंधक राजू तिवारी है और बलजीत सिंह, कुलदीप, दीपक कर्मचारी हैं। सभी अलग-अलग इलाकों में रहते हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी की ऑडिट टीम द्वारा 20 जून को ऑडिट किया गया।

स्थापना दिवस पर छात्रों ने प्रस्तुत किया रंगारंग कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का शनिवार को 55वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न छात्र क्लबों की ओर से नृत्य, अभिनय और योग प्रस्तुतियां दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्य उच्च शिक्षा परिषद (एचएसएचईसी) के उपाध्यक्ष डॉ. केसी शर्मा और गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि रहे। इस मौके पर उत्कृष्ट वैज्ञानिक कार्यों के लिए स्थापित जेसी बोस युवा वैज्ञानिक पुरस्कार गणित विभाग के शोधार्थी दीपक को दिया गया। एमएससी की छात्रा कोमल को पर्यावरण विज्ञान, एमएससी गणित की अंकिता व पाक्षी को दिया गया। पीएचडी के छात्र पीयूष गुप्ता को यूजीसी-सीएसआईआर की ओर से आयोजित जेआरएफ परीक्षा बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इनके अलावा डॉ. रवि कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. सूरज गोयल, डॉ. सोमवीर, डॉ. दीपांश शर्मा, डॉ. श्रुति मित्तल और डॉ. पारुल गुप्ता को सम्मानित किया गया। वहीं, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा पूर्व छात्रों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। वहीं, विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. सोनिया, डॉ. अमन जोशी, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. ओमपाल सिंह, डॉ. योगिता, डॉ. अनुराग प्रकाश, डॉ. बिंदु मंगला, डॉ. अमित राजपूत, डॉ. भावना उत्तम, डॉ. अर्पिता चटर्जी, डॉ. संजीव गोयल, डॉ. सपना तनेजा, डॉ. रजनी सग्गू, डॉ. भावना उत्तम, डॉ. तिलक राज, डॉ. भास्कर नागर और डॉ. पीएन बाजपेयी को अनुसंधान और विकास गतिविधियों के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों के योगदान को मान्यता देते हुए पुरस्कार दिए गए। सहायक राजबीर पिछले 25 वर्षों विश्वविद्यालय में सेवाएं दे रहे हैं। इस मौके पर स्टार एल्युमिनाई के रूप में पूर्व छात्र में राशिद अली शेख, अरविंदर सिंह नारंग और अनिल कुमार भारद्वाज भी शामिल रहे। विद्यार्थियों की ओर से बनाए गए प्रदर्शित प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। जेसी बोस विश्वविद्यालय की शुरूआत वर्ष 1969 में एक इंडो-जर्मन डिप्लोमा संस्थान के रूप में की गई थी।

एकॉर्ड अस्पताल ने निभाई लद्दाख की मैराथन में हेल्थ पार्टनर की भूमिका

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल को हाल ही में संपन्न लद्दाख मैराथन-2023 में हेल्थ पार्टनर के लिए आमंत्रित किया गया था। जिसके तहत एकॉर्ड अस्पताल के ओर्थोपेडिक विभाग के अध्यक्ष डॉ. युवराज कुमार ने इस आमंत्रण को स्वीकार करते हुए डॉक्टर एवं पैरामेडिकल स्टाफ की 24 लोगों की टीम के साथ इस मैराथन में हेल्थ पार्टनर के तौर में विषेप भूमिका निभाई। जिसमें डॉ. अरूनेष कुमार एवं डॉ. कृष्णा कुमार का खास योगदान रहा।

डॉ. युवराज कुमार ने बताया कि चार दिवसीय लद्दाख मैराथन में 5/10/21/42/75 व 122 किलोमीटर की अलग-अलग मैराथन का आयोजन किया गया था। जिसमें ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम एएं कनाडा समेत 27 देशों से आए लगभग छह हजार लोगों ने इस मैराथन में हिस्सा लिया। यह हमारे लिए बहुत बड़ी चुनौती थी कि पांच किलोमीटर से 122 किलोमीटर में भाग ले रहे सभी लोगों को चिकित्सा संबंधी सुविधा

प्रदान की जाए, परंतु हमारी टीम में कड़ी मेहनत से इस मैराथन के अंतिम दिन तक अपनी सेवाएं जारी रखी। लद्दाख में इस मैराथन के लिए एक त्योहार की तरह तैयारी की जाती है, जिसमें सेना के जवान लद्दाख पुलिस प्रशासन के साथ सभी लद्दाख निवासी मैराथन में भाग लेने वाले सभी लोगों का पारंपारिक तरीके से स्वागत करते हैं। डॉ. युवराज कुमार ने बताया कि 17618 फीट की ऊंचाई पर 50 प्रतिशत कम ऑक्सीजन में 122 किलोमीटर की मैराथन लद्दाख के सुमोर एरिया से शुरू होती है, जिसको कि लद्दाख तक 22 घंटों में पूरा करना होता है और इस मैराथन को अल्टा मैराथन कहा जाता है। जिसके लिए सिल्क रूट तैयार किया जाता है और पूरे रास्ते को खाली रखा जाता है। हमने अपनी टीम को अलग-अलग जगह पर पोस्ट किया हुआ था और मैराथन के दौरान टीम के साथ-साथ एक एंबुलेंस भी चल रही थी, जिसमें प्राथमिक चिकित्सा संबंधित सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध थीं। खारदुंग्ला जोकि दुनिया का सबसे ऊंचा मोटरेबल रोड है, जैसी जगह पर दस मिनट रुकने पर ही सांस फूलना शुरू हो जाता है।

आयोजकों द्वारा एक चिकित्सा जांच कैंप खारदुग्ला में भी लगाया गया था। इस मैराथन में 261 धावकों ने भाग किया व प्रत्येक धावक की जांच के बाद ही उसे मैराथन में भाग लेने की अनुमति दी गई। रात में दो डिग्री तापमान के बाद भी एकॉर्ड अस्तपाल की टीम ने 24 घंटे लगातार खारदुंग्ला रूककर सभी लोगों की जांच के बाद मैराथन को संपन्न करवाया और इस प्रकार सभी स्पॉट पर एकॉर्ड की टीम ने अपनी अहम भूमिका निभाई। 11 किलोमीटर मैराथन यह मैराथन उन धावकों के लिए है, जिन्होंने हाल ही में दौड़ना शुरू किया है और वो अपने आप को लद्दाख मैराथन की अगले पड़ाव के लिए तैयार करना चाहते हैं। पांच किलोमीटर मैराथन का रूट छोटा जरूर होता है, परंतु 11500 फीट पर दौड़ने से शरीर की फिटनेस की जानकारी जरूर हो जाती है।

एकॉर्ड अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. प्रबल राय ने कहा कि एकॉर्ड अस्पताल के लिए बहुत ही गर्व की बात है कि दुनिया की सबसे मुश्किल माने जाने वाली मैराथन में हमें हेल्थ पार्टनर की भूमिका निभाने का मौका मिला और आने वाले समय में भी एकॉर्ड अस्पताल इस प्रकार की भूमिका निभाता रहेगा। लद्दाख मैराथन-2023 के अध्यक्ष छिवांग मोटुप ने एकॉर्ड अस्पताल प्रबंधन का इस सराहनीय कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

पढ़ने के लिए घर से फरीदाबाद गई छात्रा का अपहरण

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

घर से पढ़ने के लिए फरीदाबाद स्थित यूनिवर्सिटी गई छात्रा वापस नहीं लौटी। पता चला है कि एक युवक ने माता-पिता व साथियों के सहयोग से उसका अपहरण कर लिया है। छात्रा की मां ने पुलिस को दी शिकायत में उसकी बेटी को बरामद कर आरोपियों को सजा देने की मांग की है। मुंडकटी थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

मुंडकटी थाना प्रभारी सचिन के अनुसार, थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने दी शिकायत में कहा कि उसकी 22 वर्षीय बेटी फरीदाबाद की एक यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर रही है। उसकी बेटी घर से पढ़ने के लिए सुबह करीब सात बजे निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस घर नहीं लौटी। जिसको परिजनों ने काफी तलाश किया, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा।

पीड़िता ने शिकायत में हसनपुर निवासी खेमचंद नामक युवक पर उसकी बेटी को बहला-फुसला कर भगाकर ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने शिकायत में कहा है कि उनकी बेटी व आरोपी युवक दोनों के मोबाइल बंद आ रहे हैं। इस कार्य में खेमचंद के साथियों जो दिल्ली के रहने वाले हैं, उनके नाम नवीन, रानी व दीपक हैं। उन्होंने इनसे संपर्क किया, लेकिन उनके भी फोन नहीं लग रहे हैं।

पीड़िता का कहना है कि उसकी बेटी को इन सभी ने मिलीभगत कर छिपाकर रखा हुआ है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि आरोपियों को गिरफ्तार कर उसकी बेटी को खोजा जाए। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर खेमचंद, उसके माता-पिता व साथियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों का सुराग लगा लिया जाएगा। पुलिस द्वारा टीम गठित कर दी गई है और आरोपियों की खोजबीन शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

समिति ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया

पलवल। हमारा हरियाणा प्रदेश प्रकृति संरक्षण संदेश द्वितीय चरण हरित यात्रा द्वारा सोनीपत, पानीपत तथा सफीदों, जींद में विद्यार्थियों व स्थानीय लोगों को स्वच्छ तथा स्वस्थ पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। विश्व ओजोन संरक्षण दिवस तथा विश्व व राष्ट्रीय सफाई दिवस पर मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति द्वारा पौधारोपण कर स्थानीय लोगों को जल बचाने, पेड़ों तथा अपने आस-पास सफाई रखने के महत्व को बताया। संस्था संयोजक पर्यावरणविद आचार्य राम कुमार बघेल ने बताया कि ओजोन परत सूर्य की हानिकारक पैराबैंगनी किरणों से धरती पर हम सबकी रक्षा करती है। इसके बिना किसी के भी जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। मानव द्वारा निरंतर विभिन्न प्रकार की गंदगी से बढ़ते प्रदूषण तथा प्राकृतिक संसाधनों के अत्याधिक दोहन से प्रकृति पर्यावरण का असंतुलन बढ़ रहा है। बढ़ती मानव जनसंख्या द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के अत्याधिक दोहन के रूप में सबको दुष्परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। यह वातावरण को पूरी तरह प्रभावित करता है। प्रकृति संतुलन के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ाने पर जोर, जल, जंगल और जमीन की रक्षा, सफाई आदि का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संस्था पदाधिकारी अमरपाल, देव, ईश्वरराज तथा विद्यार्थी आंचल, अंकिता, मुस्कान, बहादुर सिंह आदि सहित स्थानीय लोग व स्टेशनों पर उपस्थित सैंकड़ों रेलयात्रियों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

शराब न देने पर ठेके पर की फायरिंग

पलवल। शराब के ठेके पर सेल्समैन ने रात में शराब देने से इंकार किया तो बाइक सवार व्यक्ति ने दो फायर कर दिए। गोलियां ठेके की चादर में लगी। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गया। पुलिस ने सेल्समैन की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। सदर थाना प्रभारी विश्व गौरव के अनुसार, जिला अलीगढ़ के फिरोजपुर गांव निवासी शैलेंद्र कुमार ने दी शिकायत में कहा है कि वह अहरवां गांव में खुले शराब के ठेके पर बतौर सेल्समैन नौकरी करता है। वह रात के समय ठेके पर ही सोता है। सुबह करीब साढ़े तीन बजे जब नींद से जगा और शौच आदि करके वापस ठेके के अंदर जाने लगा, तभी एक बाइक सवार ठेके पर आकर रुका। उसने उससे शराब की मांग की तो उसने कहा कि मालिक ने गैर समय शराब बेचने से इंकार किया हुआ है और इस समय ठेका बंद है, शराब नहीं मिलेगी। इतना सुनते ही बाइक सवार ने अपनी जेब से एक हथियार निकाला और ठेके की तरफ दो गोलियां चला दीं। दोनों गोली ठेके की चद्दर में आकर लगीं। इसकी सूचना उसने तुरंत ठेके के पार्टनर धर्मेंद्र को दी। इसके बाद वह शिकायत लेकर थाने पहुंचा। पुलिस ने शैलेंद्र कुमार की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

नूंह के लिए बस सेवा दोबारा शुरू

फरीदाबाद। रोडवेज ने नूंह में रात्रि बस ठहराव नहीं करने के अपने आदेश को वापस ले लिया। लोगों की मांग पर बस सेवा को दोबारा से शुरू कर दिया गया। डिपो से नूंह हिंसा से पहले एक बस रात्रि ठहराव पर नूंह के लिए चलाई जाती थी, जोकि बंद कर दी गई। उसकी जगह पर डिपो से सोहना रूट पर जाने वाली बस नूंह तक चलाया जा रहा था। जिससे सुबह के समय नूंह से बल्लभगढ़ नौकरी व अन्य कार्य के चलते आने वाले यात्रियों को परेशानी होने लगी। महाप्रबंधक लेखराज के आदेश पर शाम को साढ़े चार बजे नूंह के लिए रात्रि ठहराव वाली बस को शुरू कर दिया गया। यह बस सुबह छह बजे नूंह से रवाना होती है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर लगाया योग शिविर

पलवल। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में गांव धतीर की व्यायामशाला पर एक दिवसीय ध्यान योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के स्थानीय कार्यकर्ता, शिक्षक, चिकित्सक, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिभागियों तथा ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। योग सहायक आचार्य कृष्ण भारद्वाज आर्य, मास्टर अजीत आर्य, मंजीत आर्य, आचार्य विजय आर्य आदि गणमान्य लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

राज्यस्तरीय ताइक्वांडो में जिले के खिलाड़ियों ने जीते छह पदक

फरीदाबाद। शिक्षा विभाग की ओर से सोनीपत में आयोजित 56वें राज्य स्तरीय स्कूल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। प्रतियोगिता के पहले दिन एक स्वर्ण सहित कुल छह पदक झटके। प्रतियोगिता 17 सितंबर तक आयोजित होगी। इसमें जिले से विभिन्न आयु वर्ग के 29 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। टीम के साथ टीम इंचार्ज रामधन बघेल, कोच रजनी भारद्वाज, रिचा शर्मा, धर्मेंद्र कुमार और हंसराज गए हैं। प्रतियोगिता में अंडर-14 वर्ग के 29 किलो भारवर्ग में डीएवी एनटीपीसी की वैदेही गुप्ता ने कांस्य पदक प्राप्त किया। जबकि, अंडर-17 आयुवर्ग के 68 किलोग्राम भार में एपीजे स्कूल की अक्षिता खुराना ने स्वर्ण, 42 किलोग्राम भार में डीएवी बल्लभगढ़ की दर्शिका सिंघल ने और 59 किलो में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीही की चंचल ने कांस्य पदक जीते। अंडर-19 आयुवर्ग के 68 किलोग्राम भार में माडर्न दिल्ली इंटरनेशनल स्कूल की आद्या शर्मा ने रजत तथा 46 किलोग्राम भार में पलक जैन ने कांस्य पदक जीता। शिक्षा खेल अधिकारी हरबीर अधाना और सहायक मौलिक शिक्षा अधिकारी प्रेम शर्मा ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

डेंगू के मरीजों के घर नहीं हो रही फॉगिंग

फरीदाबाद। जिले में डेंगू से ग्रस्त मरीजों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से तीन नए मामलों की पुष्टि की गई। अब आंकड़ें 79 हो गई है। दूसरी ओर मरीजों के घर पर फॉगिंग नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। उप चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम भगत ने बताया कि शनिवार को तीन नए मामलों की पुष्टि की है। डेंगू पीड़ितों की संख्या 79 हो गई है। शनिवार को जो मामले सामने आए है तिगांव, बाबा नगर और सेक्टर 85 है। इन मामलों में एक युवक भी शामिल है। सभी का उपचार घर पर चल रहा है। वहीं, मरीजों के परिजनों का कहना हैं कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से दवा का छिड़काव नहीं किया गया है। सेक्टर-23 निवासी अंकुश राणा ने बताया कि एक साल का बेटा डेंगू की चपेट में आ गया था। डेंगू की पुष्टि होने के बाद उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उन्होंने बताया कि 10 दिन बीत जाने के बावजूद भी अभी तक स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई छिड़काव नहीं किया गया। इसके अलावा एंटी लार्वा एक्टिविटी भी नहीं हुई। वहीं, गांव मच्छगर निवासी संजय ने बताया कि उनकी पत्नी डेंगू की चपेट में आ गई। पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की ओर से कोई भी दवाई का छिड़काव नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि उनके घर के साथ साथ पड़ोस में भी कोई नहीं आया। जिसके चलते उन्होंने खुद ही घर पर दवाई का छिड़काव करवा लिया। स्वास्थ्य विभाग का कहना हैं कि मरीज की पुष्टि होने पर संबंधित टीम लार्वा जांच करती है।

निपाह वायरस
संकट का कारण

निपाह वायरस गंभीर संकट का कारण बन सकता है, इसलिए उससे निपटने की फौरन कार्रवाई होनी चाहिए। मानव जीवन पर न केवल निकट भविष्य में अनुमान योग्य बड़े खतरे, जैसे धरती की छुद्र ग्रह से टक्कर या नाभिकीय युद्ध सामने आ सकते हैं, बल्कि अदृश्य रोगकारकों में भी मानव जाति को समाप्त करने की क्षमता है। तीन साल पहले कोरोनावायरस-19 ने जिस भयानक विभीषिका को जन्म दिया था, उसे देखते हुए ऐसे खतरों के लिए किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं है। उसने सारी दुनिया को घुटने टेकने पर मजबूर किया था तथा आवश्यक सामग्री की इतनी कमी हो गई थी कि लोगों को सामूहिक अंतिम संस्कार करने पड़े थे। ईश्वर की कृपा से इतनी गंभीर व व्यापक समस्या फिलहाल नहीं है, पर हमें एक और झटका लगा है। एक और घातक वायरस निपाह मानव जीवन को खतरे में डाल रहा है, हालांकि इसकी व्यापकता कम है। निपाह वायरस वर्तमान समय में केरल में बहुत तेजी से फैल रहा है। इसके कारण पांच लोगों की जान जा चुकी है तथा सैकड़ों अन्य में भी लक्षण दिख रहे हैं। निपाह वायरस एक खतरनाक 'जूनोटिक' रोगकारक है और हालिया वर्षों में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए चिन्ता का कारण बन गया है। अधिकारियों को केरल में शिक्षा संस्थान बंद करने पड़े हैं और पूरा देश अत्यधिक सतर्क है। वायरस का संक्रमण पहले जानवरों से मनुष्यों में होता है और कभी-कभी यह मनुष्यों से मनुष्यों में फैलता है। निपाह वायरस प्राकृतिक रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों में पाए जाते हैं। ये चमगादड़ अपनी लार, मूत्र व मल के संपर्क में आने वाले फलों तथा अन्य सतहों को प्रदूषित कर देते हैं।

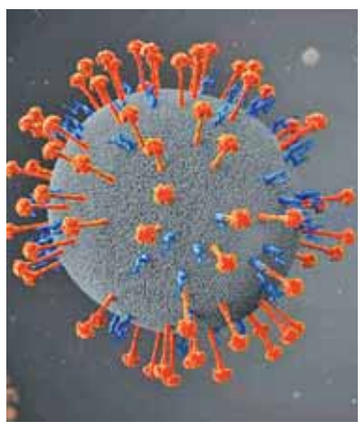

प्रदूषित फल खाने या संक्रमित जानवरों के निकट संपर्क में आने से वे वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। मानव से मानव में संक्रमण, संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक द्रवों के सीधे संपर्क में आने से होता है और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। जलवायु परिवर्तन तथा शहरीकरण से निपाह वायरस के भौगोलिक विस्तार में सहायता मिलनी संभव है क्योंकि इससे फल खाने वाले चमगादड़ों का भी विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार होता है। 2018 में भारत में इसके संक्रमण के समय 21 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। निपाह वायरस की पहचान सबसे पहले 1999 में मलेशिया में हुई थी और वहां से यह भारत, फिलीपीन्स व बांग्लादेश समेत कई देशों में फैला। कोविड-19 और निपाह वायरसों में काफी समानतायें हैं। निपाह अत्यधिक घातक है, इसकी मृत्यु दर 40-70 प्रतिशत हो सकती है, इसका कोई इलाज नहीं है तथा यह तेजी से फैलता है। अच्छी खबर यह है कि कोझीकोड में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद-आईसीएमआर को इसकी 'मोनोक्लोनल एंटीबाडी' मिल गई है जिससे संक्रमित लोगों का इलाज किया जा सकता है। सरकार के पास फिलहाल इससे निपटने के लिए एंटीवायरल इलाज एकमात्र विकल्प है, लेकिन इसकी प्रभावशीलता चिकित्सकीय रूप से पुष्ट नहीं है। इस परिदृश्य में एकमात्र समझदारी वाला व्यावहारिक दृष्टिकोण वायरस को सीमित रखना तथा इसके प्रसार पर निगरानी है। इसके लिए बिना घबराहट पैदा किए जन-जागरूकता की जरूरत है। वैक्सीन की खोज जारी है। प्रभावी वैक्सीन से ज्यादा संकट वाले लोगों, जैसे स्वास्थ्यरक्षा कर्मियों व अधिक संक्रमण वाले क्षेत्रों में रहने वालों को सुरक्षा दी जा सकती है। हमें निपाह वायरस से उसी प्रकार संघर्ष कर उसे पराजित करना है जिस प्रकार हमने कोरोनावायरस के मामले में किया है।

छात्रों की आत्महत्या पर लगाम जरूरी

कॅरियर तलाशने वालों की समुचित काउंसेलिंग जरूरी है ताकि उनको परीक्षा संबंधी तनाव से बचा कर अवसाद व निराशा से बचाने का प्रशिक्षण दिया जा सके।

देवेश विजय
(लेखक, सेवानिवृत्त असोसिएट प्रोफेसर हैं)

हाल ही में प्रमुख स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अनेक छात्रों की आत्महत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। अनेक टिप्पणीकारों ने स्वाभाविक रूप से अपने जीवन के चरम समय पर आत्महत्या की प्रवृत्ति रोकने पर चिन्ता प्रकट की है। अनेक लोगों द्वारा इस विभीषिका से निपटने के लिए परीक्षाओं का दबाव रोकने के उपायों का सुझाव दिया गया है। इसके साथ ही विविध क्षेत्रों में कॅरियर विकल्पों के विस्तार की बात भी कही गई है क्योंकि वर्तमान समय में उनके लिए विकल्प बहुत सीमित हैं। इसके साथ ही उन कोचिंग संस्थानों पर नियंत्रण के सुझाव भी दिए गए हैं जो छात्रों के दृष्टिकोण व प्रतिभा पर गौर किए बिना अधिकाधिक प्रवेश लेने का प्रयास करते हैं। इसके लिए माता-पिता व छात्रों को सही सूचनायें नहीं दी जाती हैं, जबकि उनको कॅरियर संबंधी सही सलाह मिलना बहुत जरूरी है। वैसे तो ये सुझाव ठीक हैं, पर अवसाद व निराशा की विभीषिका से बचाने के लिए काफी नहीं हैं जो लगातार ज्यादा से ज्यादा किशोरों को अपने दायरे में समेट रहे हैं। वास्तव में छात्रों की आत्महत्याओं के कारण व्यापक रूप से समझने की जरूरत है। इसके साथ ही ऐसे आंशिक उपायों से बचने की भी जरूरत है जो समस्याओं का समाधान निकालने के बजाय वास्तव में अपरिहार्य रूप से समस्याओं को बढ़ा देते हैं। समस्या के संपूर्ण समाधान के लिए हमें छात्रों की मानसिक स्थिति समझने की जरूरत है।

हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि आत्महत्या की समस्या केवल छात्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह 15-29 आयुवर्ग के युवाओं में भी व्यापक रूप से पाई जाती है। इसके साथ ही पूरी जनसंख्या में भी आत्महत्या की प्रवृत्ति देखी जाती है, हालांकि इसकी दर यहां थोड़ी कम है। दूसरा, यह परिघटना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ज्यादा खतरनाक रूप से अमेरिका, रूस, ब्रिटेन आदि देशों में भी पाई जाती है। यह समस्या लड़कियों व युवा महिलाओं में भी है। भारत में छात्र आत्महत्यायें 2017 से 2021 के बीच 9905 से बढ़ कर 13089 हो गई हैं। हालांकि, इसी कालखंड में हमारी पूरी जनसंख्या में आत्महत्या की दर 10.5 प्रति लाख से बढ़ कर 12 प्रति लाख हो गई है। इसके साथ ही यह तथ्य ज्यादा चिन्ताजनक है कि युवाओं की आत्महत्या की दर सभी आत्महत्याओं की तुलना में खतरनाक ढंग से बढ़ी है और वर्तमान समय में यह कुल आत्महत्याओं में एक तिहाई हो गई है। लेकिन ये आंकड़े राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के अनुसार केवल पंजीकृत आत्महत्याओं के हैं।

आशंका है कि कुल वास्तविक आत्महत्याओं में से केवल पांचवां या दसवां हिस्सा ही पंजीकृत मामलों के रूप में सामने आता है। इसका कारण आत्महत्या से जुड़ी भावनाओं, पूर्वाग्रहों तथा इस कृत्य से जुड़ी आपराधिक परिणामों से है। यह बात 'इंडियन जर्नल आफ साइकोलोजी' में प्रकाशित कई अध्ययनों से स्पष्ट होती है। जैसा कि पहले संकेत किया जा चुका है, 2000 के दशकांत में दुनिया के अधिकांश देशों में आत्महत्या की दरों में वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका में 15-19 साल के किशोरों में 2012 में आत्महत्या के मामले प्रति लाख 8 थे जो 2021 में बढ़ कर प्रति लाख 12 हो गए।

इस प्रकार नौजवानों में आत्महत्या के पीछे परीक्षाओं के कारण पैदा होने वाला तनाव केवल आंशिक कारण है। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि 1995 से 2020 के बीच पैदा 'जेनरेशन जेड' और पिछले दशक में पैदा होने वाली 'जेनरेशन अल्फा' में आत्महत्याओं की स्थिति और खराब है। यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों की तुलना में पश्चिमी देशों में समस्या अधिक गंभीर है। पिछले वर्षों में नौजवानों की संस्कृति में ऐसी अनेक चीजें घट रही हैं जो चिन्ता का कारण हैं। नौजवानों में परेशानी के कारणों को व्यापक रूप से समझने के लिए सरकारों तथा सिविल सोसाइटी की सहभागिता जरूरी है।

इसके साथ ही सरकार व सिविल सोसाइटी को आत्महत्याओं की बढ़ती प्रवृत्ति रोकने के लिए समुचित कार्रवाई भी करनी चाहिए। युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं का कारण उनके जीवन के भीतर तथा उसके बाहर मौजूद है। बाहरी कारकों को देखें तो आज दुनिया के सभी देशों में नौजवानों की दुनिया में बहुत कुछ ऐसा घट रहा है जिससे पहले की तुलना में उनका जीवन ज्यादा आरामदेह हुआ है। आज अनेक मामलों में प्रगति से नौजवानों का आगे बढ़ना आसान हो गया है। इसमें राज्य द्वारा कल्याणकारी गतिविधियों में वृद्धि, अनेक गैजेटों व सुविधाओं की वृद्धि तथा सभी संस्कृतियों में युवाओं को मिलने वाला ज्यादा सम्मान व स्वतंत्रता शामिल हैं। इसके साथ ही जीवन मानकों में सामान्य सुधार, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि, साक्षरता व जागरूकता, आदि के कारण पोस्ट-मार्डन दुनिया में 'स्वतंत्रताओं' का विस्तार हुआ है। इसके साथ ही पिछली दो पीढ़ियों में शिक्षाशास्त्र, तथा छात्रों के प्रति शिक्षकों व माता-पिता के दृष्टिकोण में भी सुधार हुआ है। इससे छात्रों तथा नौजवानों पर दबाव कम होने की उम्मीद की जाती है। लेकिन उम्मीदों के विपरीत नौजवानों में बीमारियों, मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों तथा आत्महत्याओं में वृद्धि दिखाई पड़ रही है। इस विरोधाभासी प्रवृत्ति को अक्सर उम्मीदों के 'विस्फोट' और उसके कारण पैदा समस्याओं के रूप में देखा जाता है।

इसमें सोशल मीडिया की भी भूमिका है जिसने नौजवानों को प्रभावित किया है। 2000 के दशकांत में इसका प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों तक फैल गया है। इसके साथ ही भारत में कोचिंगों का आक्रामक विस्तार भी कारण है जो छोटे कस्बों व शहरों तक फैल गई हैं। शिक्षित नौजवानों के लिए रोजगारों की कमी के कारण हमारे संघर्षशील नौजवानों में चौतरफा निराशा का माहौल व्याप्त हो गया है।

लेकिन सोशल मीडिया से संपर्क तथा रोजगार का निराशाजनक परिदृश्य ही हमारे नौजवानों को वर्तमान समय में ग्रस्त करने वाली एकमात्र समस्या नहीं है। नशीली दवाओं की संख्या में वृद्धि, पारिवारिक व अन्य संबंधों में विघटन, बढ़ते तलाक व बिना बच्चों वाले युगलों की बढ़ती संख्या, जंक फूड व आरामतलब जीवनशैली के कारण पैदा समस्यायें, एयरकंडीशन जीवनशैली तथा खासकर नौजवानों में घटता 'विश्वास' लगातार संवेदनशील किशोर सोच पर भयावह प्रभाव डाल रहे हैं।

परोक्ष रूप से वर्तमान पोस्ट-मार्डन दुनिया में फर्जी विचारधाराओं की वृद्धि ने भी युवा मस्तिष्कों को 'पंगु' बना दिया है। इसके चलते हर संभव प्रकार के अल्पसंख्यकों को बढ़ावा मिल रहा है जो स्वयं को पीड़ित की तरह पेश करते हैं। हमें यह सोचने व इस पर शोध करने की आवश्यकता है कि 'साफ्ट पैरेंटिंग' तथा छात्रों में तनाव घटाने के लिए 'स्व-शिक्षण' जैसी गतिविधियां मानसिक परेशानी बढ़ा कर आत्महत्या के ऐसे कारण पैदा कर सकती हैं जो हमारे पूर्वजों में कभी नहीं पाए जाते थे। ऐसे में सवाल उठता है कि इस विरोधाभासी परिदृश्य में समस्याओं का समाधान कैसे किया जाए?

एक प्रमुख रणनीति शिक्षाशास्त्र या शिक्षा में सुधार करना है जिसमें औपचारिक शिक्षा के साथ ही दबाव कम करने व चरित्र निर्माण पर ध्यान दिया जाए। इसके लिए ध्यान व फिटनेस प्रशिक्षण तथा जीवनियों व बायोपिक्स का चयन किया जा सकता है। छात्र स्वयं इनका चयन पुस्तकालयों से या आनलाइन कर सकते हैं। छात्रों का हर स्तर पर मूल्यांकन करने के लिए इनका महत्व रेखांकित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही कॅरियर गाइडेंस व कौंसिलिंग को सभी सीनियर स्कूलों में उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि छात्रों को कॅरियर के बारे में सही जानकारी मिल सके। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर ऐसे अनजाने ट्रोल पर लगाम लगाने के लिए उपयुक्त कानून बनने चाहिए जो परिवार मूल्यों को नष्ट करते हैं।

हमारी आदिमकालीन पुलिस व्यवस्था, अधीनस्थ न्यायपालिका तथा कल्याणकारी उपायों की डिलीवरी में लंबित सुधार फौरन किए जाने चाहिए। इससे जेनरेशन अल्फा का मनोबल बढ़ेगा तथा रोजगार व सामाजिक जीवन में आई गंभीर तकनीकी बाधाओं के प्रभाव से मुक्ति मिलेगी।

खेलों से वंचित पहाड़ी क्षेत्रों की लड़कियां

उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में युवा महिलाओं को खेल की सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए ताकि वे पसंद के खेलों में उत्कृष्टता हासिल कर सकें।

मीना लिंग्दिया
(लेखिका, बागेश्वर के एक विद्यालय की छात्रा हैं)

हाल ही में वायरल सनसनी में, फ्रांसीसी पुरुष फुटबॉल टीम के दो मिनट के एक मनमोहक वीडियो ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। क्लिप में खिलाड़ियों को मैदान पर बेजोड़ जुनून और असीम ऊर्जा दिखाते हुए दिखाया गया। लेकिन यहां एक ऐसा मोड़ आया जिसने दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया- आधे रास्ते में, यह खुलासा हुआ कि प्रदर्शन पर उत्साही एथलीट पुरुषों की टीम नहीं थे, बल्कि बेहद प्रतिभाशाली महिला फुटबॉल टीम थी। इस रहस्योद्घाटन को और अधिक दिलचस्प बनाने वाली बात यह थी कि पूरा असेंबल, वास्तव में, एक सावधानीपूर्वक तैयार किया गया डीपफेक था। इस रचनात्मक विज्ञापन ने एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य किया कि खेल की दुनिया में, लिंग कभी भी एक सीमित कारक नहीं होना चाहिए।

हालांकि, भारत में खेल काफी हद तक पुरुषों और पुरुषत्व से जुड़ा हुआ है क्योंकि महिलाएं इस क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं। 2020 में बीबीसी द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट से पता चला कि 30 प्रतिशत से कम भारतीय महिलाएं कोई खेल खेलती हैं। इससे यह भी पता चला कि 37 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि महिला एथलीटों में पर्याप्त स्त्रैणता नहीं है, और 38 प्रतिशत ने कहा कि महिलाओं की विशेषता वाले खेल पुरुषों की विशेषता वाले खेलों की तरह मनोरंजक नहीं हैं। खेल के क्षेत्र में ये लैंगिक पूर्वाग्रह विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट हो जाते हैं, जहां महिलाओं को अपने घरों से बाहर निकलने की बुनियादी स्वतंत्रता को सुरक्षित करने के लिए गहरे पैठ वाले पितृसत्तात्मक मानदंडों और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, खेल को तो छोड़ ही दें।

उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के गरूर ब्लॉक के सुदूर गांवों में आज भी लड़कियों को खेलने के अवसर से वंचित रखा जाता है। यहां तक कि स्कूलों में भी उन्हें खेलों में भाग लेने से हतोत्साहित किया जाता है। खेलों में रुचि के बावजूद, गनीगांव गांव की 12वीं कक्षा की छात्रा कविता जैसी लड़कियां प्रतिबंधित महसूस करती हैं। कविता कहती हैं, लड़कियों के लिए खेलना ज़रूरी है। जब मैं 10वीं

कक्षा में थी, तो मुझे खेलने की बहुत इच्छा थी, लेकिन मेरे परिवार ने मुझे बाहर जाने की इजाज़त नहीं दी। उन्होंने कहा, खेलने से क्या फायदा? फोकस तुम्हारी पढ़ाई पर, लेकिन मेरा मानना है कि खेल को अब शिक्षा के अंतर्गत एक विषय माना जाना चाहिए। स्कूल और कॉलेज खेल को एक विषय के रूप में पढ़ाना शुरू कर रहे हैं, जहां लड़कियां अपना भविष्य बना सकती हैं। हालांकि, हमारे गांव में, लड़कियों को अभी भी खेलने से हतोत्साहित किया जाता है। उसी गांव की एक और 18 वर्षीय लड़की हेमा रावल का कहना है कि उनके गांव में लड़कियों को खेलने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता है। अगर कोई लड़की खेलों में आगे बढ़ना चाहती है और उसमें अच्छी है तो भी उसे खेलने नहीं दिया जाता। ऐसे मामलों में, परिवार के सदस्यों का तर्क है कि शादी के बाद खेल के लिए समय नहीं मिलेगा और घर के काम प्राथमिकता पर रहेंगे। यही कारण है कि हमारी प्रतिभा, पहचान और आकांक्षाएं दब जाती हैं क्योंकि हमें अवसर नहीं मिलते। लमचुला की 25 वर्षीय लड़की गीता देवी कहती हैं, यह सच है कि जिस तरह लड़कों के लिए खेलना जरूरी है, लड़कियों के लिए भी उतना ही जरूरी है। जो आजादी लड़कों को है वह लड़कियों को भी मिलनी चाहिए। अपनी शर्तों पर जीवन जीने का अधिकार। अगर कोई लड़की खेल में अपना भविष्य बनाना चाहती है, तो उसे यह अधिकार मिलना चाहिए। हमारे गांव में, हमें लड़कियों के खेलने के लिए आवाज उठानी होगी क्योंकि लोग सोचते हैं, लड़कियां इससे क्या हासिल करेंगी खेल रहे हैं? आखिरकार, उन्हें शादी और घर के कामों को प्राथमिकता देनी होगी।

45 साल की उम्र में रजनी देवी अपने बचपन को याद करती हैं जब वह और उनकी सहेलियां जोशीले खेल में व्यस्त रहती थीं। जब भी वे गुल्ली-डंडा जैसे खेल खेलते तो दर्शक उनका मज़ाक उड़ाते। यह तो लड़कों का खेल है, ताने मारेंगे। इससे रजनी ने सवाल उठाया कि ऐसी सीमाएँ क्यों मौजूद हैं। वे हमारे पसंदीदा खिलौनों से भी नहीं खेल सकते थे। उन्हें यह उन जैसी लड़कियों के लिए एक अनावश्यक प्रतिबंध जैसा लगा, जो एक साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से थीं। उस समय, उन्हें खेल की व्यापक दुनिया से बहुत कम संपर्क था, जहां लड़कियां लड़कों की तरह ही अपनी किस्मत बना सकती थीं। आज, जैसे-जैसे लड़कियां विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रही हैं, खेल के क्षेत्र में लैंगिक भेदभाव लगातार बना हुआ है।

कभी-कभी, यह हैरान करने वाली बात होती है कि समाज यह समझने में कैसे विफल रहता है कि खेल खेलना लड़कियों के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्हें भी, अपने जुनून के अनुसार अपने जीवन को आकार देने का अधिकार है।

पास के चारसन गांव की सामाजिक कार्यकर्ता नीलम ग्रैंडी इस बात पर जोर देती हैं कि स्वस्थ रहने के लिए खेलना उतना ही जरूरी है जितना कि खाना और शिक्षा। लड़कियों के लिए खेल उतने ही आवश्यक हैं जितने लड़कों के लिए। यह प्रचलित लैंगिक पूर्वाग्रह है जो लड़कियों की खेल तक पहुंच को जटिल बनाता है। इस मुद्दे को हल करने के लिए, हमें मानसिकता बदलने का प्रयास करना चाहिए और साथ ही एक ऐसा वातावरण स्थापित करना चाहिए जो लड़कियों को खेलने की सुविधाएं प्रदान करे।

आप की बात

अमेरिका में हड़ताल

15 सितम्बर से अमेरिका में शुरू तीन ऑटोमोबाइल कार कंपनियों के 13 हज़ार कर्मचारियों की हड़ताल अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक है। इससे पहले इतने बड़े पैमाने में ऑटो सेक्टर में हड़ताल कभी नहीं हुई थी। दूसरे विश्व युद्ध के पहले 1936 में जनरल मोटर्स के कामगरों ने हड़ताल पर जाने का फैसला लिया था। हालांकि, फिलहाल जनरल मोटर्स, फोर्ड और क्रिसलर के सिर्फ असेंबली संयत्र के कर्मचारियों तक ये हड़ताल सीमित है। लेकिन अगर बात बिगड़ी तो शायद अन्य विभागों के कामगार भी हड़ताल करने को बाध्य हो जायेंगे। मजेदार बात है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन भी हड़ताल में शामिल यूनियन के साथ खड़े हो गए। उन्होंने मालिकों से अपील की जल्द से जल्द वार्ता करके हड़ताल को समाप्त किया जाय। मजदूरों ने 40 फीसदी वेतन वृद्धि की मांग की है, जबकि प्रबंधन 20 फीसदी तक देने को राजी हुए हैं। अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी इस मामले में चुप है क्योंकि वे उद्योगपतियों का साथ देते आ रहे हैं। इस हड़ताल में मजदूरों के साथ खड़े होकर डेमोक्रेटिक पार्टी ने सम्पूर्ण अमेरिकी श्रमिक वर्ग का दिल जीतने का प्रयास किया है। यदि जो बाइडेन श्रमिकों को ज्यादा लाभ दिला पाते हैं तो इसका लाभ निश्चित रूप से उनको चुनाव में मिलेगा।

- **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

पाकिस्तान से खतरा

अमेरिकी परमाणु वैज्ञानिकों के अनुसार पाकिस्तान के पास परमाणु बम की संख्या बढ़कर 170 हो गई है और 2025 तक यह 200 के लगभग हो जाएगी। पाकिस्तानी आतंकवादी पूरे विश्व के लिए परेशानी का सबक बन रहा है। अफ़ग़ानिस्तान की तरह यदि आतंकवादियों ने पाकिस्तान सत्ता पर भी कब्जा कर कर लिया तो आणविक आयुधों के कब्जे में आने के बाद पूरा विश्व विध्वंस की जद में आ जाएगा। एक और तो पाकिस्तानी जनता आटे के लिए तरस रही है तथा बिजली बिल व पेट्रोल के दामों को लेकर सड़क पर उतरी हुई है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान सेना के आदेश पर सरकार लगातार परमाणु बम बनाए जा रही है। पाकिस्तान से बढ़ते खतरे को देखते हुए उसे सैन्य सहायता देने में आगे रहे चीन व अतीत में सहायक रहे अमेरिका को भी पाकिस्तानी परमाणु बमों पर अपना नियंत्रण रखना चाहिए। भारत को भी पड़ोसी देश की आंतरिक गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए पूरी सावधानी बरतनी होगी। पाकिस्तान के हाथ में इतने बम होना किसी बंदर के हाथ में उस्तरा होने के समान है। सारी दुनिया को समय रहते पाकिस्तानी से खतरे के प्रति सतर्क हो जाना चाहिए।

- **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

परेशान विपक्ष

विपक्षी गठबंधन ने घोषणा की है कि वह विभिन्न टीवी चैनलों के 14 एंकरों के कार्यक्रमों का बहिष्कार करेगा। टीवी एंकरों के बहिष्कार के निर्णय से यह साफ हो गया है कि अनेक विपक्षी नेता न सच्चाई सुनना चाहती है और न जानना चाहती हैं। तमाम वीडियो-ऑडियो के बावजूद विपक्षी सच को झूठ और झूठ को सच ठहराने में अपना पूरा जोर लगा देते हैं। जब एंकर उनके झूठ की पोल खोलता है और तथ्य बताता है तो वह उस पर तुरंत बीजेपी का आदमी होने का आरोप लगा देते हैं और एक ही झूठ बार-बार बोलते रहते हैं। टीवी चैनलों का काम सच पर आधारित तथ्य दिखाना है, पर कुछ चैनल अनेक कारणों से ऐसा नहीं करते हैं। एंकरों के बहिष्कार से विपक्ष की तानाशाही प्रवृत्ति सामने आती है जिसके बीज आज भी कांग्रेस व उसके सहयोगी विपक्षी दलों में छुपे हुए हैं। इस निर्णय से लगता है कि विपक्ष बहुत परेशान है, लेकिन अपनी परेशानी में वह अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहा है। यदि विपक्ष की जीत पूर्णत: सुनिश्चित न हो तो भला कौन टीवी चैनल या एंकर विपक्ष की आवाज बनना पसंद करेगा। यह स्थिति चिन्ताजनक है।

- **अतिवीर जैन,** मेरठ

अनर्गल प्रलाप

धर्म और धर्मग्रन्थ सर्वोपरि हैं और राजनीति गौण। किन्तु पिछले कुछ समय से कतिपय स्वार्थी राजनीतिज्ञ अपनी ओछी मानसिकता के चलते ऊलजुलूल बयानबाजी कर रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नसीहत के बावजूद वहां के शिक्षामंत्री चंद्र शेखर सिंह भी बरम्बार धार्मिक ग्रन्थ रामचरित मानस की चौपाइयों व गोस्वामी तुलसीदास की सोच पर अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। वे रामायण को जाति-विरोधी व पोटेशियम साइनाइड बता चुके हैं। हमारा देश लोकतांत्रिक है तथा हर नागरिक को बोलने की संवैधानिक आजादी है, लेकिन इस आजादी के नाम पर प्राचीन ग्रंथों के अपमान का अधिकार किसी को नहीं मिल जाता है। चंद्रशेखर सिंह या अन्य लोगों की ऐसी टिप्पणियों से रामचरितमानस की लोकप्रियता व विश्वसनीयता तो प्रभावित नहीं होगी, उल्टे वे ही जनता की नजरों में और गिर जाएंगे। समय आ गया है कि राजनीतिक दलों के सर्वोच्च नेता या तो ऐसे बड़बोले नेताओं पर लगाम लगाएं अथवा बेलगाम होने पर उनको पार्टी से निकाल बाहर करें।

-**शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 18 सितम्बर 2023

विकास में बैरियर बनने वालों को बेनकाब कर रही सरकारः योगी

● मुख्यमंत्री ने दी 343 करोड़ रुपये की 76 विकास परियोजनाओं की सौगात

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार विकासए लोक कल्याण व बिना भेदभाव सभी लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पित और समर्पित है। सरकार के साथ यदि नागरिक भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे तो विकास कार्यों में बैरियर बनने वाले स्वतः बेनकाब होते दिखेंगे। विकास की परियोजनाओं में बैरियर बनने वालों को बेनकाब करने का काम सरकार भी तेजी से कर रही है।

सीएम योगी रविवार को मानसरोवर रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में 343 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विकास व जनकल्याण के लिए सुदृढ़ कानून व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि कानून संरक्षण के लिए है लेकिन कानून को बंधक बनाकर व्यवस्था में सेंध लगाने का प्रयास करने की इजाजत किसी को नहीं है। कानून सुरक्षा के लिए है लेकिन यदि किसी ने बहन.बेटी के साथ छेड़खानी की अगले चौराहे पर उस शोहदे का इंतजार यमराज कर रहे होंगे। विकास कार्यों को सरकार की शीर्ष प्राथमिकता को दृष्टिकोण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोई भी कार्यदायी संस्था हो, उसे मानक व गुणवत्ता के साथ विकास कार्य करने को प्रतिबद्ध होना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि आज विकास ही गोरखपुर और उत्तर प्रदेश की पहचान है। छह वर्ष पूर्व प्रदेश में गोरखपुर की और देश मे उत्तर प्रदेश के प्रति लोगों की धारणा क्या थीए पहचान क्या थीए विकास की क्या स्थिति थीए यह सबको पता है। पीएम मोदी के मगर्दर्शन में विगत छह वर्षों में उत्तर प्रदेश और गोरखपुर ने विकास से अपनी नई पहचान बनाई है। आज उत्तर प्रदेश की पहचान देश में विकासए सुशासन और बेहतरीन कानून व्यवस्था की है। यहां दशकों से लंबित परियोजनाएं पूरी हो रही हैं।

सीएम योगी ने गोरखपुर के विकास कार्यों की चर्चा करते हुए बंद पड़े खाद कारखाना के स्थान पर नए कारखाना की स्थापनाए एम्स आदि के साथ रामगढ़ताल के कायाकल्प का भी उल्लेख किया। कहा कि जम्मू कश्मीर से बेहतरीन झील गोरखपुर में हैए रामगढ़ताल के रूप में। यह नई पहचान बनकर देश.दुनिया को आकर्षित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर विकास की एक नई सोच दे रहा है। आज जिस रामलीला मैदान में यह कार्यक्रम हो रहा है उस पर छह साल पहले कब्जा हो रहा था। आज इसका भव्य मंच अनेक कार्यक्रम का साक्षी बनता है। उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर से 14 फ्लाइट की सुविधा है। ऐसा नहीं होता तो आज बारिश के चलते लखनऊ से यहां आना संभव नहीं हो पाता और कार्यक्रम कैंसिल करना पड़ता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में बेसिक शिक्षा परिषद के सभी स्कूलों का जीडीए व नगर निगम के सहयोग से कायाकल्प कराया जा रहा है। उन्हें हाई क्लास पब्लिक स्कूल जैसा बनाने का कार्य हो रहा है। इसी तरह इंटर कॉलेजों में स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी बनाने का कार्य युद्ध स्तर पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में स्पोर्ट्स कॉलेज है तो साथ ही स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी बन रहा है। सहजनवा में अटल आवासीय विद्यालय बन गया है। फर्टिलाइजर कैम्पस में सैनिक स्कूल बन रहा है। यही नहींए यह चार विश्वविद्यालय वाला शहर भी है।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में हो रहे औद्योगिक विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि गोरखपुर नए निवेश व नए उद्योग के केंद्र के रूप में भी आगे बढ़ा है। श्हर बार गीडा में एक नई फैक्ट्री का उद्घाटन करके जाता हूं। हर फैक्ट्री दो से ढाई हजार लोगों के रोजगार का माध्यम बनती है। उद्योगों की चर्चा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि पिपराइच में दोबारा चीनी मिल लग चुकी हैए बंद पड़ा खाद कारखाना का फिर से चलने लगा है।

सीएम योगी ने सभी लोगों से अपील की अपने नागरिक दायित्व को समझते हुए स्वच्छ व सुंदर गोरखपुर बनाने का संकल्प लें। मोहल्ले में सड़क या नाली में कूड़ा न डालें। किसी भी सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान न पहुंचने देंए उसका संरक्षण करें। इस मौके पर सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी जैसे लोग सदियों में अवतरित होते हैं। दोनों नेतृत्वकर्ता निस्वार्थ त्यागी हैं जो सिर्फ जनता के बारे में सोचते हैं। मुख्यमंत्री ने 35 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और 41 परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

कृषि उत्पादन आयुक्त करेंगे 'स्वच्छता ही सेवा 2023' का शुभारंभ

लखनऊ। कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव पंचायती राजए मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में 18 सितम्बर 2023 सोमवार को पंचायती राज निदेशालय अलीगंज लखनऊ में प्रातः 10 बजे स्वच्छता ही सेवा 2023 का शुभारंभ किया जायेगा। यह जानकारी मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राज कुमार ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम में प्रदेश के समस्त मंडलीय उपनिदेशक पंचायती, समस्त जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त मंडलीय कंसलटेंट, प्रत्येक जनपद से जिला कंसलटेंटए आईईसी, एस एल डब्ल्यू एमए स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 में राज्य स्तर से चयनित 60 मॉडल ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानए सचिव ग्राम पंचायत, पंचायत सहायकए सफाई कर्मी एवं स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले जनपद स्तर से चयनित एक सफाई कर्मी द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा।

मिशन निदेशक ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 02 अक्टूबर 2023 महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर ष्स्वच्छता के लिए जन आंदोलन के उत्सवष् के दृष्टिगत स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाया जायेगा। एसबीडी 2023 की प्रस्तावना के रूप में वार्षिक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण और शहरी द्वारा संयुक्त रूप से 15 सितंबर से 02 अक्टूबर 2023 में आयोजित जायेगा। भारत सरकार द्वारा अपेक्षा की गई है कि स्वच्छता ही सेवा.2023 ष्कचरा मुक्त भारतष् की थीम पर पखवाड़ा के रूप में मनाया जाए।

हस्तशिल्पियों व कारीगरों के बल पर भारत बड़ी ताकत के रूप में उभरेगाः मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाने का कार्य करेगी। इससे भारत की छिपी हुई कारीगरी और हुनर को नया मंच मिलेगा। आने वाले समय में अपने हस्तशिल्पियों और कारीगरों के बल पर भारत एक बड़ी ताकत के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि यह योजना ष्वोकल फार लोकलष् को प्रोत्साहित करने का कार्यक्रम है। सीएम योगी ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में श्पीएम विश्वकर्माश् योजना का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सृष्टि के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा जयंती और नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस एक ही दिन पड़ना कोई संयोग नहीं बल्कि देवयोग है। इसके लिए उन्होंने प्रदेशवासियों को बधाई दी।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत 140 करोड़ लोगों की आशा और आकांक्षाओं का प्रतीक बनकर दुनिया की एक महाशक्ति के रूप में उभरा है। आज नया भारत संपूर्ण मानवता के लिए आशा की एक नई किरण है। उन्होंने कहा कि जी.20 समिट सफल आयोजन के के माध्यम से भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का एहसास पूरी दुनिया को कराया है। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। सीएम योगी ने पीएम विश्वकर्मा योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस स्कीम का लाभ परंपरागत रूप से जुड़े 18 वर्ष की आयु से ऊपर के हस्तशिल्पियों को मिलेगा। उसे पांच प्रतिशत से कम की दर पर पहले चरण में एक लाख और दूसरे चरण में दो लाख रुपये का लोन प्राप्त होगा। बशर्ते उसके परिवार का कोई सदस्य सरकारी सेवा में न हो। स्कीम के तहत ट्रेनिंग के दौरान पांच सौ रुपये प्रतिदिन का मानदेय और ट्रेनिंग के बाद 15000 रुपये और टूलकिट उपलब्ध करवाने का कार्य सरकार करेगी। कार्यक्रम में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना, महापौर सुषमा खरकवाल और पूर्व मंत्री और विधान परिषद सदस्य डॉ. महेन्द्र सिंह और पूर्व मंत्री मोहिसीन रजा समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रदेश में 30 हजार सोलर पंपों की स्थापना करेगी योगी सरकार

● इस मद में 217.84 करोड़ रुपए बतौर राज्यांश जबकि 217.09 करोड़ रुपए की धनराशि केंद्रांश के तौर पर मिलेगी

●यूपीनेडा को दी गई है जिम्मेदारी

लखनऊ। प्रदेश के समेकित विकास के लिए प्रसायरत योगी सरकार न केवल प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति दे रही है बल्कि प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों पर भी विशेष फोकस कर रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम योजना) को उत्तर प्रदेश में लागू कराने के लिए सीएम योगी की मंशा के अनुरूप संशोधित कार्ययोजना को अनुमति दी गई है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत 434 करोड़ रुपए खर्च कर 30 हजार सोलर फोटो वोल्टिक इरीगेशन पंप को इंस्टॉल किए जाने का का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योगी सरकार द्वारा इस मद में 217.84 करोड़ रुपए बतौर राज्यांश आवंटित किए जाएगा जबकि 217.09 करोड़ रुपए की धनराशि केंद्रांश के तौर पर केंद्र सरकार की ओर से प्राप्त होगा। इस कार्य योजना को राज्य में क्रियान्वित करने की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) को दी गई है जिसके जरिए सर्फेस व सबमर्सिबल पंप इंस्टॉलेशन के जरिए 75 जिलों के किसानों को स्वच्छ ऊर्जा आधारित सिंचाई व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना के तहत 30 हजार सोलर फोटो वोल्टिक इरीगेशन पंप को इंस्टॉल किए जाने का लक्ष्य योगी सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है।

भारत सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी की गाइडलाइंस के मुताबिकए विभिन्न क्षमता के 7.5 एचपी तक के स्टैंड अलोन सोलर पंपों की स्थापना पर बेंचमार्क कॉस्ट का 30 प्रतिशत केंद्रांश व 30 प्रतिशत राज्यांश के रूप में कुल 60 प्रतिशत का अनुदान की धनराशि राज्यांश के रूप में उपलब्ध करायी जाएगी। वहींए कृषि अवस्थापना निधि के तगत स्टैंड अलोन सोलर पंपों के इंस्टॉलेशन के लिए इच्छुक किसान आवश्यक कृषक अंश को बैंक से ऋण लेकर जमा कर सकते हैं। इस पर केंद्र सरकार द्वारा 3 प्रतिशत और राज्य सरकार द्वारा 3 प्रतिशत के तौर पर कुल 6 प्रतिशत की छूट ब्याज में प्रदान की जाएगी। इसके इंस्टॉलेशन से किसानों को सौर उर्जा चालित पंपों की स्थापना करने में मदद मिलेगी जिससे न केवल उन्हें कम दाम में स्वच्छ ऊर्जा चालित विकल्प मिलेगा वहीं पर्यावरण की रक्षा में भी यह एक उल्लेखनीय कदम साबित होगा। इससे क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की रफ्तार रोकने और कार्बन एमीशन की तीव्रता को कम करने में मदद मिलेगी। वहींए सिंचाई की लागत भी कम आएगी क्योंकि बिजली और डीजल आपूर्ति पर उनकी निर्भरता में कमी आएगी।

पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा चयन

स्वीकृत की गई संशोधित कार्ययोजना के अनुसार, 1800 वॉट 2 एचपी डीसी व एसी सरफेस तथा सबमर्सिबल पंपए 3000 वॉट 3 एचपी डीसी.एसी सबमर्सिबल पंपए 4800 वॉट 5 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप, 6750 वॉट 7.5 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप, 9000 वॉट 10 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पंपों की स्थापना में यूपीनेडा मदद करेगी। योजना का लाभ लेने के लिए कृषि विभाग की वेबसाइट पर रजिस्टर करना होगा। इसके बाद किसानों को इंस्टॉल्ड कराए गए पंप की डीटेल्स और उनकी केटेगरीज को सिलेक्ट कर पात्रता के लिए आवेदन देना होगा। इसके बाद किसानों के टोकन अलॉटमेंट की प्रक्रिया शुरू होगी जो पहले आओए पहले पाओ पर आधारित होगी। आवेदन के समय 5000 रुपए किसान को टोकन मनी के तौर पर ऑनलाइन जमा करना होगा। सोलर पंपों के इंस्टॉलेशन के लिए सभी जिलों के आवंटित लक्ष्यों के आधार पर सब्सिडी किसानों को दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को दी 4-4 लाख की आर्थिक सहायता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद कुशीनगर में आकाशीय बिजली गिरने से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगतों के परिजनों को 04–04 लाख रुपए की राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस आपदा से घायल हुए लोगों का समुचित उपचार कराने के भी निर्देश दिए हैं।

सहकारिता के क्षेत्र में प्रदेश अगले पाँच सालों में होगा टॉप 5 राज्यों में: राठौर

लखनऊ। सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि योगी सरकार में सहकारिता आंदोलन में आम जन का विश्वास बढ़ रहा हैए जिसके परिणाम स्वरूप बी पैक्स सदस्यता महाभियान 2023 के उत्साही परिणाम आ रहे हैं। बी.पैक्स सदस्यता महाभियान 2023 आरंभ होने के 15 दिन में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, विधायकों एवं सांसदों की अभूतपूर्व भागीदारी से बी.पैक्स में 10 लाख से अधिक सदस्य जुड़े तथा 26.41 करोड़ रुपए अशंधन प्राप्त हुआ। अधिक से अधिक कृषकों, कुशल, अकुशल श्रमिकों, मत्स्य पालकों एवं पशुपालकों को सदस्यता दिलाई जा रही है। सदस्यता महाभियान में युवा भी बढ़ चढ़ कर बी.पैक्स के सदस्य बन रहे हैं। पैक्स में सदस्य बढ़ने से पैक्स मजबूत होगी तथा सहकारी क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा। सहकारिता के क्षेत्र में प्रदेश अगले पाँच सालों में टॉप 5 राज्यों में होगा। मंत्री राठौर द्वारा ने बताया कि बी.पैक्स सदस्यता महाभियान 2023 में मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर चित्रकूट एवं गोरखपुर मंडलों ने प्रति बी.पैक्स में सबसे अधिक नए सदस्य बनाकर शीर्ष पर बने हुए हैं। शाहजहांपुर, पीलीभीत, रामपुर, बिजनौर बुलंदशहर, शामली, बागपत, मेरठ, हापुड़ एवं मुजफ्फरनगर सदस्यता अभियान में क्रमशः शीर्ष के 10 जनपदों पर कायम हैं। बी. पैक्स स्तर पर शाहजहांपुर की बिलनदपुर गद्दीपुर समिति द्वारा 855, जनपद बिजनौर की कासिम गढ़ी समिति द्वारा 730 तथा जनपद पीलीभीत की गजरौला समिति समिति द्वारा 728 नए सदस्य जोड़कर प्रदेश में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर हैं। मंत्री द्वारा उक्त अभियान में अच्छा प्रदर्शन करने वाले मण्डलों एवं जनपदों के अधिकारियों तथा समिति के सचिवों, कर्मचारियों की सराहना की गई, वहीं जिन मण्डलों में अपेक्षानुरूप सदस्य नहीं बनाए जा सके हैं, उन मण्डलों/ जनपदों के सम्बन्धित अधिकारियों को इसे एक मिशन के रूप में लेकर सदस्यता बढ़ाने तथा निर्धारित समयावधि में लक्ष्य की पूर्ति के लिए कड़े निर्देश दिये गये हैं।

देश का लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में: कांग्रेस

● शिक्षक व उद्यमी अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

लखनऊ। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीतियों एवं उसकी समावेशी विचारधारा में आस्था रखते हुए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर डीएवी कॉलेज कानपुर से सेवानिवृत्त ललित कला विभाग की विभागाध्यक्ष, लेखक एवं समाज सेविका पूर्णिमा तिवारी, जनपद लखनऊ से व्यवसायिक महिला रंजना तिवारी एवं मऊ से मो. आदिल उस्मानी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव एवं प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह के समक्ष कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। दिनेश सिंह ने पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों के गले में तिरंगा पट्टिका पहनाकर कांग्रेस का सदस्यता कार्ड देकर विधिवत रूप से पार्टी में शामिल कराया। मीडिया पैनलिस्ट डॉ. सुधा मिश्रा, विजय बहादुर सिंह, रौशन सिंह चन्दन, प्रभाकर मिश्रा, संजय शर्मा, नितान्त सिंह, सहित आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दिनेश सिंह ने कहा कि आप जैसे समाज सेवियों एवं प्रोफेसरों के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने से निश्चित रूप से ही संगठन को मजबूती मिलेगी। वर्तमान समय में देश का लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में है। समाज में नफरत एवं विघटन की राजनीति हो रही है। देश की जनता की गाढ़ी कमाई का धन को लूटकर चंद उद्योगपतियों की जेब में पहुंचाने का कार्य हो रहा है। जनविरोधी मुद्दों और देश में प्रेम और भाईचारे के माहौल को बनाये रखने के लिए ही हमारे नेता आदरणीय राहुल गांधी ने लगभग 4000 किमी पैदल चलकर भारत जोड़ो यात्रा की।

पिछड़ों, वंचितों के खिलाफ है भाजपाः अखिलेश

● सपा ने की विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश की मांग

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर आज समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों के पार्टी कार्यालयों में भगवान विश्वकर्मा की जयंती सादगी से मनाई गई। इस दौरान 17 सितम्बर को विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की गई। समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने पुष्पांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कानपुर में रतनपुर स्थित विश्वकर्मा मंदिर में विश्वकर्मा जी के चित्र पर माल्यार्पण किया।

अखिलेश यादव ने विश्वकर्मा जयंती पर सभी देशवासियों विश्वकर्मा, शर्मा तथा शिल्पकार समाज को बधाई देते हुए कहा कि सृष्टि के शिल्पकार के रूप में विश्वकर्मा प्रसिद्ध हैं। इन्द्र के सबसे शक्तिशाली अस्त्र वज्र का निर्माण भी विश्वकर्मा भगवान ने ही किया था। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पिछड़ों, वंचितों के खिलाफ है। समाजवादी सरकार में विश्वकर्मा समाज के लिए ग्राम सभा की जमीन का पट्टा, विश्वकर्मा, लोहार, बढ़ई समाज के नौजवानों को आईटीआई का प्रमाण पत्र, पुश्तैनी काम करने वालों को रोजगार के साथ विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था। भाजपा सरकार ने पूजा पर्व पर घोषित सार्वजनिक अवकाश निरस्त कर विश्वकर्मा समाज का अपमान किया है।

विश्वकर्मा जयंती आयोजन के मुख्य संयोजक एवं अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा आज कीटगंज, ऋषि श्रृंगवेरपुर भरवारीए कौशाम्बीए मेजा में विश्वकर्मा जयंती समारोहों में मुख्य अतिथि रहे। कई स्थानों पर शोभा यात्राएं भी निकलीं। सपा मुख्यालय लखनऊ में आयोजित भगवान विश्वकर्मा जयंती कार्यक्रम में अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, रामजतन राजभर पूर्व एमएलसी, रामवृक्ष सिंह यादव पूर्व एमएलसीए डॉ. राजपाल कश्यप पूर्व एमएलसी, जितेन्द्र एडवोकेट पूर्व विधायक, कृष्ण कन्हैया पाल राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता सभाए विकास यादव पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा, देवेन्द्र सिंह जीतू उपनेता पार्षद दल लखनऊ, एसके राय प्रदेश कोषाध्यक्ष उत्तराखण्ड, डॉ. लल्लन सिंह, नवीन धवन बंटी, उदय प्रताप यादव, प्रवेश कुमार, उमेश प्रताप यादव, राधेश्याम सिंह, तपेश्वर राजभर, रेखा राव, महेन्द्र चौहान, असगर अली, आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सीएम आज सौंपेंगे भूमि आवंटन पत्र 900 करोड़ के निवेश का मार्ग प्रशस्त

● गीडा में प्लास्टिक पाइप फैक्ट्री का मुख्यमंत्री के हाथों होगा उद्घाटन

●136 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का करेंगे शिलान्यास व लोकार्पण

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) की तस्वीर प्रदेश के औद्योगिक नक्शे पर और चमकने वाली है। 110 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित प्लास्टिक पाइप फैक्ट्री का औपचारिक उद्घाटन करने, 97 निवेशकों को 102 भूखंडों के आवंटन से 900 करोड़ रुपये के निवेश व 4500 लोगों के रोजगार का मार्ग प्रशस्त करने तथा 136 करोड़ रुपये की अवस्थापना सुविधाओं की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री सोमवार को गीडा पहुंचेंगे। सोमवार अपराह्न गीडा सेक्टर 26 में आयोजित समारोह में सीएम योगी की मौजूदगी में 97 निवेशकोंध्उद्यमियों को 102 भूखंडों का आवंटन पत्र वितरित किया जाएगा। 10 निवेशकों को भूखंड आवंटन पत्र मुख्यमंत्री के हाथों से प्राप्त होगा। इन 102 भूखंडों पर अलग अलग यूनिट लगने से करीब 900 करोड़ रुपये का निवेश होगा और निवेश के धरातल पर उतरने से करीब 4500 लोगों को रोजगार मिल सकेगा। समारोह के मंच से मुख्यमंत्री गीडा क्षेत्र को 136 करोड़ रुपये के अवस्थापना विकास कार्यों का उपहार देंगे। वह 117 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 19 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। अवस्थापना कार्यों में गीडा के विभिन्न सेक्टर में सड़क, नालीए पुलियाए स्ट्रीट लाइटए ग्रामीण विकास के कार्य सम्मिलित हैं।

सरकार की प्रत्येक योजना गरीब कल्याण को समर्पितः चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से भारतीय जनता पार्टी ने विभिन्न सेवा कार्यो के माध्यम से पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़े की शुरूआत की। भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि राष्ट्रसेवा और जनहित को जीवन में सर्वोपरि रखने वाले सच्चे कर्मयोगी, निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा में निरन्तर अपना सर्वस्व समर्पित कर रहे आदर्शवादी और विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता करोड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र पुर्ननिर्माण में भागीदार बनना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रारम्भिक जीवन में गरीबी में जीवन बिताया है, इसलिए आज उनके नेतृत्व में सरकार की प्रत्येक योजना गरीब कल्याण को समर्पित है। बचपन से राष्ट्र आराधना में रत मोदी जी ने आर्थिकए सामरिक एवं सांस्कृतिक वैभवशाली राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर काम कर रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व भारत पुनः सोने की चिड़िया भी बनेगा और विश्वगुरू के स्थान पर बिराजित भी होगा।

प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नव भारत के अद्वितीय शिल्पकार भारत की पुरातन विरासत को नया रूप देने वालेए वर्तमान के भारत को आत्मनिर्भर बनाने वालेए दृढ़ व्यक्तित्व के धनीए प्रभावशाली साधक, अमृतकाल में युवाओं के लिए अंत्योदय को विकसित भारत के लिए संकल्प सिद्धि का मंत्र बनाने वाले वैश्विक, वास्तविक नेता यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर आत्मीय बधाई व शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि मेरी परम् पिता परमात्मा से प्रार्थना है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि के साधक देश के सर्वप्रिय व सर्वश्रेष्ठ नरेन्द्र मोदी सदा स्वस्थ एवं सानंद रहे तथा देशवासियों को अपने अप्रतिम नेतृत्व से लाभान्वित करते रहे। पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय राय ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर प्रदेश में शक्तिकेन्द्रो पर मंदिरो में पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा कार्यकर्ताओं ने पूजा अर्चना करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाडे के तहत जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में केन्द्रीय मंत्री, प्रदेश सरकार के मंत्री, प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, विधायक, महापौर सहित सभी जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं ने सम्मिलित होकर माननीय प्रधानमंत्री जी के वर्चुअल संवाद के साथ जुड़े। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ, केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने झांसी, केन्द्रीय मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने वाराणसी तथा केन्द्रीय मंत्री वीके सिंह ने गोरखपुर में सहभागिता की।

जनसुनवाई व आईजीआरएस की टॉप व बॉटम 10 रैंकिंग जारी

● सीएम योगी के सामने पेश हुई यूपी के 10 सबसे अच्छे और सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले डीएम और पुलिस कप्तानों की लिस्ट ●खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने कड़ी हिदायत ●एक माह बाद दोबारा समीक्षा करेंगे मुख्यमंत्री, गिर सकती है कई जिलों के अफसरों पर गाज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जनसुनवाई समाधान प्रणाली, आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन की अगस्त माह की टॉप और बॉटम 10 रैंकिंग मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत की गई है। प्रदेश के सभी जिलों के जिलाधिकारियों, पुलिस कमिश्नर, एसएसपी और एसपी के अलावा तहसीलों के कार्यों के विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर ये लिस्ट तैयार हुई है। लिस्ट में खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने कड़ी हिदायत देते हुए अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि एक माह बाद दोबारा उन सभी के कार्यों की समीक्षा होगी, जिसमें खराब प्रदर्शन करने वाले जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनता के लिए कारगर बनेंगें तो उनका कार्यकाल भी यादगार बनेगा।

टॉप और बॉटम 10 जिलाधिकारी

आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन के कार्यों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले टॉप 10 जिलाधिकारियों में क्रमशः अमेठी, कन्नौज, श्रावस्ती, शाहजहांपुर, सोनभद्र, गाजियाबाद, महोबा, मिर्जापुर, हापुड़ और भदोही हैं। वहीं लिस्ट में बॉटम 10 में बागपत, गोरखपुर, बरेली, वाराणसी, प्रयागराज, आगरा, सिद्धार्थनगर, सहारनपुर, रामपुर और मुरादाबाद के जिलाधिकारियों के प्रदर्शन को सबसे खराब बताया गया है।

टॉप और बॉटम 10 पुलिस आयुक्त, एसएसपी और एसपी

जारी लिस्ट में प्रदेश में सबसे अच्छा कार्य करने वाले पुलिस आयुक्तए एसएसपी और एसपी में क्रमशः अलीगढ़, श्रावस्ती, सोनभद्र, हमीरपुर, कुशीनगर, फर्रूखाबाद, कासगंज, चित्रकूट, भदोही और हाथरस हैं। इसी प्रकार बॉटम 10 में क्रमशः बरेली, लखनऊ, गोरखपुर, फतेहपुर, झांसी, अयोध्या, एटा, हापुड़ए आजमगढ़ और संत कबीर नगर के पुलिस अधिकारी हैं।

टॉप और बॉटम 10 तहसीलें

लिस्ट में सबसे अच्छा और सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली प्रदेश की तहसीलों को भी शामिल किया गया है। इसमें टॉप 10 में अलीगढ़ की कोल, जौनपुर की केराकत और बदलापुर, श्रावस्ती की इकौना, प्रयागराज की सदर, बागपत की बड़ौत, अलीगढ़ की अतरौली, बुलंदशहर की स्याना, जालौन की उरई और अमरोहा की हसनपुर तहसील शामिल हैं। इसी प्रकार खराब प्रदर्शन वाली बॉटम 10 में क्रमशः रामपुर की बिलासपुर, कन्नौज की तिर्वा और छिबरामऊ, रामपुर की मिलक, हापुड़ की धौलाना, हाथरस की हाथरस, संत कबीरनगर की खलीलाबाद, खीरी की धौरहरा, कन्नौज की कन्नौज और रायबरेली की ऊंचाहार तहसील शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने खराब प्रदर्शन वाले सभी जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों को एक माह के अंदर सतत जन सुनवाई करते हुए समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण ढंग से निपटारे के लिए निर्देशित किया है।

बुखार फैलने की खबर पर मैलानी पहुंचे सीएमओ

- एसडीएम गोला और जनप्रतिनिधियों संग किया भ्रमण प्रभावित क्षेत्र में नहीं मिले डेंगू और मलेरिया के मरीज
- भ्रामक खबरों और दुष्प्रचार को लेकर निजी अस्पताल और पैथोलॉजी पर कार्रवाई के दिए निर्देश

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

मैलानी क्षेत्र में बुखार फैलने की खबरों को संज्ञान में लेते हुए डीएम महेंद्र बहादुर सिंह के निर्देश पर सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता व एसडीएम गोला रत्नाकर मिश्र द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों और मीडिया कर्मियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर समीक्षा की गई। उपचार और जांच की व्यवस्था का जायजा लिया। अभी तक की जांचों में डेंगू और मलेरिया की पुष्टि नहीं हुई है।सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि मैलानी क्षेत्र में बुखार फैलने की खबरें लगातार संज्ञान में आ रहीं थीं, इसे लेकर उन्होंने रविवार को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह के निर्देश पर एसडीएम गोला रत्नाकर मिश्रा के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण कर समीक्षा बैठक की गई है। इस दौरान प्रभावित क्षेत्रों में कैंप का आयोजन किया जा रहा है। दवाई वितरित की जा रही है, जांच कराई जा रहे हैं। अभी तक की जांचों में डेंगू और मलेरिया की पुष्टि क्षेत्र में नहीं हुई है, परंतु दो केस लैप्टोस्पाइसेस के मिले हैं जो अब ठीक है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम गोला द्वारा मैलानी नगर पंचायत के ईओ को साफ सफाई व प्रभावित क्षेत्रों में एंटी लारवा के छिड़काव के निर्देश दिए गए हैं।

एसडीएम गोला रत्नाकर मिश्रा द्वारा क्षेत्र में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही इस बात का प्रचार करने के भी निर्देश दिए गए हैं कि जिन लोगों को बुखार है। वह तत्काल प्रशिक्षित चिकित्सक से अपना इलाज करवाएं, घर पर बैठ ना रहे। क्षेत्र में डेंगू और मलेरिया को लेकर फैलाए जा रहे दुष्प्रचार को लेकर उन्होंने बांकेगंज सीएचसी अधीक्षक डॉ सुशील और मैलानी पीएचसी प्रभारी डॉ संजीव को अवैध अस्पताल और पैथोलॉजी पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उनके द्वारा मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का भी जायजा लिया गया। जहां पर व्यापक स्तर पर आम जनमानस मेले का लाभ लेता हुआ मिला। इस दौरान उनके साथ डीपीएम अनिल यादव सहित एसडीएम गोला, मैलानी नगर पंचायत अध्यक्ष व नगर पंचायत मैलानी ईओ सहित मैलानी पीएचसी अधीक्षक डॉ संजीव, और बांकेगंज सीएचसी अधीक्षक डॉ सुशील सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और मीडिया कर्मी मौजूद रहे।

मोदी ने भारत को ऊंचाइयों पर पहुंचाया

'पूजन . अर्चन व फल वितरण व स्वच्छता अभियान के साथ मनाया गया प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन'

वाराणसी। रविवार को काशी के सांसद और देश का संपूर्ण विश्व में डंका बजाने वाले यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 73वें जन्मदिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियानए अस्पतालों में फलों का वितरण तथा शाम को मंदिरों में पूजन .अर्चन कर प्रधानमंत्री मोदी के शतायु होने की कामना की। 'क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल' ने कहा कि पीएम मोदी ने जीवन के हर पल में भारत मां की सेवा की है। उनका हर क्षण राष्ट्र को आगे बढ़ाने में लगा है। नरेंद्र मोदी ने भारत को हर क्षेत्र में नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया है। उनके जीवन से सभी को कुछ ना कुछ सीखने की प्रेरणा मिलती है। 'राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल' ने कहा कि नव भारत के प्रणेता भारत को विश्व गुरु बनाने के मार्ग को प्रशस्त करने वाले प्रधानमंत्री मोदी आज विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं।'राज्यमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु' ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के शिल्पकार देश के प्रधानमंत्री मोदी असंख्य भाजपा कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शक हैं। 'विधायक व पूर्व राज्यमंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी' ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी दुनिया में भारत की ताकत का लोहा मनवाते हुए भारत का गौरव बढ़ाया है जिसका प्रमाण जी . 20 में पूरी दुनिया ने देखा भी है। प्रात:काल नगरीय सीमा के सभी 100 वार्डों तथा ग्रामीण सीमा के गांवों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल तथा विधान परिषद सदस्य अश्वनी त्यागी ने कचहरी चौराहा स्थित अंबेडकर जी की मूर्तिए राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल ने मलदहिया चौराहा स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल जी की मूर्तिए राज्यमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु ने सिगरा स्थित लोकमान्य तिलक की मूर्ति, महापौर अशोक तिवारी ने लंका स्थित महामना मदन मोहन मालवीय जी की प्रतिमाए विधायक व पूर्व राज्यमंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी ने लहुराबीर चौराहा स्थित चंद्रशेखर आजाद जी की मूर्तिए भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने मिंट हाउस स्थित स्वामी विवेकानंद जी की मूर्तिए प्रदेश मंत्री मीना चौबे ने भोजूबीर स्थित राजर्षि जी की मूर्तिए एमएलसी अशोक धवन ने रामनगर स्थित लाल बहादुर शास्त्री जी की मूर्तिए के साथ सारनाथ मंडल में मुंशी प्रेमचंद जी की मूर्ति तथा काशी विश्वनाथ मंडल द्वारा महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के पास स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा मूर्तियों पर माल्यार्पण किया गया। पीएम मोदी के दीर्घायु हेतु मंदिरों में सुंदरकांडए पूजन अर्चन व आरती के कार्यक्रम के क्रम में अनेकों मंदिरों में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

फरार वारंटी गिरफ्तार

सिंगाही खीरी। लंबे समय से फरार चल रहे सात वारंटियों को गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार की रात्रि में उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उनकी तलाश में थी।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में थानाध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह व उनकी टीम के उपनिरीक्षक संजीत तिवारी, हे0का0 कौशल सिंह, राजमंगल सिंह ने रात में वारंटियों के यहां दबिश दी। जिसमें कय्यूम निवासी खरीगढ़, धनीराम निवासी ग्राम रामनगर, सियाराम निवासी ग्राम रामनगर, नरेश निवासी ग्राम रहीमपुरवा, रामलखन निवासी ग्राम रहीमपुरवा, नदालू निवासी ग्राम रहीमपुरवा, वासदेव, निवासी भैरमपुर को गिरफ्तार कर लिया।

नेटवर्किंग कान्क्लेव आयोजित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की औद्योगिक नीति के तहत निवेशकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दयाल गेटवे किसान बाजार गोमती नगर में आयोजित दो दिवसीय बिजनेस नेटवर्किंग इंटरनेशनल कान्क्लेव में लगे स्टालों में कैडिला फार्मास्यूटिकल्स के उत्पादों ने लोगों का ध्यानाकर्षित किया। बिजनेस नेटवर्किंग इंटरनेशनल कान्क्लेव में कैडिला फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के अध्यक्ष बीएस कुशवाहा ने बताया कि कैडिला फार्मास्यूटिकल्स ने कैंसर जैसी बीमारी के लिए हल्दी से बने हुए केक्यूमीनश् कैप्सूल का अविष्कार किया है, जो कैंसर जैसी बीमारी की प्रारंभिक अवस्था में काफी कारगर है।

महापौर व नगर आयुक्त ने स्वच्छता रैली का आयोजन किया

संवाददाता। शाहजहांपुर

नगर निगम शाहजहांपुर के तत्वावधान में महापौर श्रीमती अर्चना वर्मा व नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा के नेतृत्व में स्वच्छता रैली का आयोजन खिरनीबाग स्थित बिस्मिल पार्क से अशफाक उल्ला खां की मजार तक किया गया। यात्रा से पूर्व महापौर श्रीमती अर्चना वर्मा एवं नगर आयुक्त महोदय संतोष कुमार शर्मा ने बिस्मिल पार्क में स्थापित पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया । इसके उपरांत महापौर एवं नगर आयुक्त के नेतृत्व में अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह, सहायक नगर आयुक्त रश्मि भारती, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 मनोज कुमार मिश्रा एवं नगर निगम के अन्य अधिकारी व समस्त कर्मचारीगण, नगर निगम टीम, स्वच्छता प्रभारी अल्पना श्रीवास्तव तथा नगर क्षेत्र में स्थित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों व बच्चों द्वारा बिस्मिल पार्क से इंडियन स्वच्छता रैली के रूप में यात्रा का शुभारंभ करते हुए बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ सदर चौराहा, नगर निगम टाउन हॉल, कवि तिराहा, रोडवेज, महिला थाना होते हुए अमर शहीद अशफाक उल्ला खां जी की मजार तक यात्रा निकाली गई। इंडियन स्वच्छता रैली के माध्यम से नगर आयुक्त ने सभी नगरवासियों से अपने नगर को साफ एवं स्वच्छ रखने, इधर उधर कचरा न फेकने, कचरे को एक उचित स्थान पर डालने, वातावरण को शुद्ध रखने एवं प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करके कपड़े के बने थैले का उपयोग करने का अनुरोध किया गया। इंडियन स्वच्छता रैली में स्वच्छता से सम्बंधित गीतों का गायन किया गया। यात्रा का समापन शहीद अशफाक उल्ला खां की मजार पर श्रीमती अर्चना वर्मा नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा , अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह, सहायक नगर आयुक्त रश्मि भारती, स्वच्छता प्रभारी कवि डॉ0 इंदु अजनवी एवं शहीद अशफाक उल्ला खां के प्रपौत्र द्वारा चादरपोशी कर खिराजे अकीदत पेश किया गया । इसके अतिरिक्त नगर निगम के तत्वावधान में नगर क्षेत्र में स्थित मुमुक्षु आश्रम से गर्रा पुल स्थित गांधी पार्क तक इंडियन स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। स्वच्छता रैली का नेतृत्व नगर आयुक्त सन्तोष कुमार शर्मा द्वारा किया गया । स्वच्छता रैली में अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह, सहायक नगर आयुक्त रश्मि भारती, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 मनोज कुमार मिश्रा, नगर निगम के स्वच्छता कर्मियों व अन्य सम्भ्रांत लोगो द्वारा सक्रिय प्रतिभाग करते हुए रैली के माध्यम से नगर को स्वच्छ रखने की अपील की गई। गांधी पार्क में रैली के समापन के उपरांत नगर आयुक्त व नगर निगम के अन्य अधिकारियों द्वारा पार्क में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया । साथ ही नगर आयुक्त सभी स्वच्छता कर्मियों का स्वच्छता के प्रति बेहतर से बेहतर कार्य करने हेतु कहा गया।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत महापौर श्रीमती अर्चना वर्मा ने नागरिकों का अभिनंदन करने हेतु पक्का तालाब बड़ुजई प्रथम मे आमजन के घरों से मुट्ठी भर मिट्टी व अक्षत संग्रहित किया गया। इस अवसर पर परिवारों का अभिनंदन कर उनका देश के प्रति योगदान का आभार व्यक्त किया।अभियान में नगर आयुक्त महोदय श संतोष कुमार शर्मा, अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह, सहायक नगर आयुक्त श्रीमती रश्मि भारती जी, स्वच्छता प्रभारी अल्पना श्रीवास्तव उपस्थित रही।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 73 बटुकों ने किया दुग्धाभिषेक

गंगा को चढ़ाई चुनरी-विधायक ने किया अभिषेक

वाराणसी। देश ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व के लोकप्रिय नेता एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 73 वें जन्मदिन के अवसर पर जहाँ भारतीय जनता पार्टी द्वारा अनेक कार्यक्रम हो रहे थे वहीं दक्षिणी के विधायक नीलकंठ तिवारी ने काशी के 73 बटुकों के साथ गंगा में दुग्धाभिषेक कर मोदी जी के दीर्घायु होने की कामना की। कार्यक्रम संयोजक महानगर कार्यसमिति सदस्य डॉण्पवन शुक्ला ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार ही भाजपा संगठन व विप्र समाज के संयुक्त तत्वावधान में काशी के बटुक ब्राह्मण अपने सांसद व देश के प्रधानमंत्री के लिए एकत्रित होकर गंगा के सुरम्य तट पर यह विशेष आयोजन कर रहे हैं। रविवार को प्रात: 7 बजे अहिल्याबाई घाट पर काशी के वैदिक ब्राह्मण पंडित उदित नारायण मिश्र के आचार्यत्व में सर्वप्रथम सविधि षोडशोपचार पूजन कराया गया तत्पश्चात वैदिक मंत्रों के बीच केशर जल व दूध से अभिषेक किया गया।

क्षय रोगियों में हुआ पोषण पोटली का वितरण

वाराणसी।। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा रविवार को विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी के नेतृत्व में मंडलीय चिकित्सालय कबीरचौरा में 73 क्षय रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया गया तथा मरीजों में फल का भी वितरण किया गया।

जुआरी ने की लूटपाट, जान से मारने की कोशिश

संवाददाता। बरेली

उधार की रकम न मिलने पर एक युवक ने दबंग की जुआ कराते वीडियो बना लिया डिलीट न करने पर दबंग ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक पर जानलेवा हमला कर घायल कर 25 हजार रुपए लूट लियेऔर घायल के साथी को बंधक बना लिया, चौकी इंचार्ज ने उसे छुड़वाया दबंग उसे खंभे से बांधकर पीट रहे थे पुलिस ने घायल का डॉक्टरी परीक्षण कराया । बारादरी थाना क्षेत्र की आशुतोष सिटी निवासी नितिन गुप्ता ने पुलिस को तहरीर दी जिसमें बताया कि उनके भतीजे सचिन ने एक व्यक्ति को पांच माह पहले 10 हजार रुपये उधार दिए थे वह मंगलवार दोपहर इज्जतनगर के अहलादपुर में रुपये मांगने पहुंचा था उस समय आरोपी जुआ करा रहा था रुपये न मिलने पर नितिन ने जुआ कराते हुए उसकी वीडियो बना ली शाम आठ बजे वह अपनी पत्नी के गहने 25 हजार में गिरवी रखकर संजयनगर निवासी अपने दोस्त के घर होते हुए घर जा रहा था मुखिया जनरल स्टोर के पास आरोपी पहले से अपने साथियों के साथ खड़ा था दबंग ने उसने वीडियो डिलीट करने को कहा और नितिन के मना करने पर दबंगों ने हमला कर दिया और रुपये लूटकर फरार हो गये सूचना पर मौके पर पहुंचे मॉडल टाउन चौकी इंचार्ज को नितिन के घटनास्थल और दबंगों के घर दिखाए पुलिस के जाने के बाद नितिन अपने दोस्त अनिल से बात कर रहा था इसी दौरान दबंग दोबारा आए और लोहे की रॉड से हमला कर नितिन को घायल कर दिया फायरिंग करते हुए अनिल को बंधक बनाकर अपने साथ ले गए जानकारी पर पुलिस ने अनिल को हमलावरों से बचाया उस समय दबंग अनिल को खंभे से बांधकर पीट रहे थे पुलिस ने नितिन को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा पुलिस मामले की जांच में जुट गये ।

घायलों को ले जा रही है एंबुलेंस पलट कर हुई क्षतिग्रस्त

संवाददाता। बरेली

सड़क दुर्घटना में घायल हुए दो युवकों को अस्पताल ले जा रही एक एंबुलेंस अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा कर पलटकर क्षतिग्रस्त हो गई मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों को बाहर निकाल कर दूसरी एंबुलेंस से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा । विशालगंज थाना क्षेत्र में बीती रात रामगंगा पुल के पास तेजी से आ रही मोटरसाइकिल ट्रक में पीछे से टकरा गई जिससे उसे पर सवार दो युवक घायल हो गए दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस में दोनों घायलों को एंबुलेंस से इलाज के लिए सिटी रेलवे स्टेशन के पास विनायक अस्पताल भेज दिया लेकिन रास्ते में जब एंबुलेंस स्वामी अस्पताल के पास पहुंची तभी बेकाबू होकर पलट गई जिससे उसमें रखे उपकरण की क्षतिग्रस्त हो गए एंबुलेंस के चालक जितेंद्र यादव ने बताया कि घायलों में एक युवक नशे की हालत में था वह गालियां दे रहा था उसने उसकी गर्दन को मोड़ दिया जिससे एंबुलेंस बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा कर पलट गई मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों को बाहर निकाला और उन्हें दूसरी एंबुलेंस से अस्पताल भेजा घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस में जाम को खुलवाकर आबागमन शुरू कराया ।

आकाशीय बिजली गिरने से नौ बकरियों की हुई मौत

मोहम्मदी खीरी, पिपरिया। धनी के चौकी रेहरिया क्षेत्र के अंतर्गत ग्रंट साहबगंज के मजरा साहबगंज गांव के निवासी प्रकासी पुत्र सोमवारी की चार बकरियां, शकीला तीन बकरियां, प्रियंका की दो बकरियां की आकाशीय बिजली उनके ऊपर गिरने से मौके पर ही मृत्यु हो गईं,सारी बकरियां घर के बार बधी थी,यह घटना की जानकारी तहसीलदार रामविलास गुप्ता को मिली लेखपाल को भेज कर हुऐ नुकसान की जानकारी की रिपोर्ट मागी ,वही रेहरिया पुलिस चौकी भी मौके पर पहुंची और कहा पीड़ितों से कहा कि हर संभव आपकी मदद की जाएगी वही पशु चिकित्साधिकारी रेहरिया पुष्पेंद्र कुमार को भी इस घटना की जानकारी दी गयी

बीमारी से परेशान अधेड़ ने फांसी लगा कर दी जान

बरेली।बीमारी से परेशान युवक ने घर में ही फांसी लगा ली जिला अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी । कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला बिहारीपुर स्थित डलाव वाली मठिया के पास रहने वाले अरविंद ने बीती रात अपने मकान की ऊपरी मंजिल पर बने कमरे की छत से लगे कुडे से रस्सी बांधकर फांसी लगा ली जिला अस्पताल में मौजूद मृतक की पत्नी शीतल ने बताया कि उसके पति सन 2017 से एनीमिया की बीमारी से पीड़ित है और इलाज में भारी रकम खर्च करने के बावजूद उनका फायदा नहीं हो रहा था जिसके चलते वह मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे और बीती रात बिना बताए गए घर के ऊपरी मंदिर पर बने कमरे में चले गए जहां पर उन्होंने फांसी लगा ली जब वह उसे उन्हें आवाज देते हुए कमरे में पहुंची तो देखा कि वह फांसी पर लटके रहे है उन्होंने तुरंत उन्हें लोगों की मदद से फांसी से उतरा और इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची लेकिन डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

आयुष्मान योजना में आयुर्वेद को शामिल करने के लिए ज्ञापन सौंपा

लखनऊ। आयुरंश की टीम के द्वारा लखनऊ में अटल बिहारी कन्वेंशन सेंटर केजीएमयू कैंपस में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 1500 से अधिक आयुर्वेद चिकित्सकों के लिए 16 सितंबर से दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के आयुष मंत्रालय एवं आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के द्वारा समर्थित है। इस कार्यक्रम में शुद्धि हिम्स एवं एएफआईण् के संस्थापक आचार्य मनीष एवं डा. अभिषेक विशिष्ट अतिथि एवं कार्यक्रम के वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश भाण्जण्पाण् के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी एवं एमएसएमई् मंत्री राकेश सचान ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दोनों ही नेताओं ने आयुर्वेद की उपयोगिता एवं इससे जुड़ी उत्तरप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता एवं योजनाओं के बारे में सभी उपस्थित चिकित्सकों को विस्तार से बताया।

बवाल के तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता। बरेली

धार्मिक स्थल में आरती के दौरान हंगामा और पथराव करने के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा । फरीदपुर थाना क्षेत्र के गांव नौगवा मे गांव के पास स्थित धार्मिक स्थल पर मंगलवार को होने वाली आरती के दौरान गांव के ही दूसरे समुदाय के लोगों ने आरती का विरोध किया जिससे दोनों पक्षों में विवाद खड़ा हो गया इस दौरान विरोध करने वाले पक्ष ने पथराव भी कर दिया जिससे गांव में हंगामा खड़ा हो गया घटना के बाद विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता में थाने पहुंच कर विरोध करते हुए थाने का घेराव किया और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की गांव के रहने वाले कल्लू ने मुबारक, आरिफ नाजिम, इकबाल, अहमद जान सद्दाम फरमान आसिफअली, पप्पू, दिलशाद, छोटे, भूरा के विरुद्ध थाने में रिपोर्ट दर्ज कर दी तब पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की कोशिश शुरू कर दी और तीन आरोपियों को आज गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा

छात्रा को नशा देकर किया विवाह, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता। बरेली

बीकॉम की एक छात्रा को युवक ने नशे में जहरीला पदार्थ देने के बाद विवाह कर लिया छात्र के घर वालों ने चार आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की ।बारादरी थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाली छात्रा के घर वालों ने बिथरी चौनपुर थाना क्षेत्र के गांव के तैयतपुर बालीपुर निवासी प्रदीप पुत्र मदनलाल और उसके साथी रोहित कुमार और अजय गंगवार व सुभाष नगर के दामोदरपुरम स्थित आर्य समाज अनाथालय के प्रबंधक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करते हुए बताया कि छात्र बरेली कॉलेज में बी काम द्वितीय वर्ष की छात्रा है और प्रदीप ने उसे 14 मई को जूस में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया और नशे की हालत में वह उसे दामोदर पुरम गुरुद्वारे ले गया जहां पर उसने नशे की हालत में ही छात्रा से विवाह प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर कर लिए इसके बाद उसने 28 मई को विभाह का रजिस्ट्रेशन सब रजिस्टार प्रथम के कार्यालय में करा लिया और छात्र पर विवाह करने का दबाव डालने लगा इनकार करने पर उसने छात्रा के नशे की हालत में बनाए गए वीडियो वायरल करने की धमकी दी छात्रा के घर वालों ने उसका विवाह करने की कोशिश की तो प्रदीप मोहल्ले में पहुंच गया और उसने छात्रा को अपनी पत्नी बताते हुए बदनाम करने की कोशिश की।

नशे की हालत में ट्रेन से गिरा ग्रामीण, मौत

बरेली। नशे की हालत में ट्रेन में यात्रा कर रहा एक ग्रामीण चलती ट्रेन से नीचे गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई लाश को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा । आंवला थाना क्षेत्र के गांव डलुआपुर निवासी राजपाल पुत्र नत्थू लाल की बीती शाम विशारतगंज रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन से गिरकर मौत हो गई जिला अस्पताल में मौजूद मृतक की पत्नी नीतू ने बताया कि राजपाल मजदूरी करके गुजारा चलता था लेकिन कल दिन में मुकदमे की तारीख पर बरेली कचहरी गया था जहां से शाम को वह ट्रेन पर सवार होकर घर वापस लौट रहा था बताया जाता है कि वह नशे की हालत में था और विशारतगंज रेलवे स्टेशन के पास वह ट्रेन से नीचे गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस में मृतक की जेब से मिले मोबाइल फोन से उसके घर वालों को सूचना दी। घर वालों ने लाश की पहचान कर ली पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी ।

पड़ोसी दुकानदार ने किया चाकू से हमला

बरेली। कपड़े की दुकान चलाने वाले एक कारोबारी पर उसके पड़ोसी दुकानदार ने मामूली विवाद के बाद चाकू से हमला कर दिया घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया ।कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला आजमनगर निवासी मोनू पुत्र इनाम को बीती रात इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसके घर वालों ने बताया कि मोनू कुतुबखाना बाजार में कपड़ों की दुकान चलाता है और मूल रूप से मुजफ्फरनगर का रहने वाला है कल शाम उसका अपने पड़ोसी दुकान दार विक्की से ग्राहकों को लेकर झगड़ा हो गया जिससे नाराज विक्की ने उसे पर चाकू से हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाया और घर वालों को सूचना दी मौके पर पहुंचे घर वालों ने पुलिस से शिकायत करने के बाद घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

गैलरी के लांच की घोषणा

लखनऊ। हिंदवेयर होम इनोवेशन लिमिटेड ने लखनऊ में अपने नए ब्रांड स्टोर हिंदवेयर स्मार्ट एप्लायंस एक्सक्लूसिव गैलरी के लॉन्च की घोषणा की। स्टोर का उद्घाटन हिंदवेयर होम इनोवेशन लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक मिश्रा की उपस्थिति में किया गया। स्टोर का उद्घाटन ग्राहक सेवा उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को कायम रखते हुए ग्राहकों के लिए व्यक्तिगत खरीदारी अनुभव प्रदान करने की कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सीईओए सलिल कपूर ने कहा कि गहन उपभोक्ता अंतर्दृष्टि के आधार पर उत्पादों को डिजाइन करने की हमारी प्रतिबद्धता ने कुछ अग्रणी नवाचारों को जन्म दिया है।

युवती से किया दुष्कर्म, धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव

बरेली। बाकरगंज के आमिर हुसैन ने बारादरी की युवती को अपना हिन्दू नाम अरुण बताकर प्रेम जाल में फंसा लिया शादी का झांसा देकर दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना ली और मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव बनाया विरोध पर उसने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर हजारों रुपये ऐंठ लिए और फिर छोड़ दिया बारादरी पुलिस ने एडीजी के निर्देश पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी ।युवती ने बताया कि चार पहले रांग नंबर से आमिर हुसैन से फोन पर बातचीत हुई थी आमिर हुसैन ने खुद को अरुण बताते हुए उसे प्रेम जाल में फंसा लिया शादी का झांसा देकर चार साल तक दुष्कर्म करता रहा युवती कई बार गर्भवती हुई और हर बार आमिर ने दवा खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया युवती को जब आमिर की सच्चाई पता चली तो वह दंग रह गई क्योंकि उसके घरवाले दूरी बना चुके थे इसलिए अब उसके पास आमिर के पास जाने का कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा था वह आमिर के कहने पर धौरा मोड़ पर बजरंग ढाबे के पास होटल में पहुंची यहां आरोपी ने उससे मुस्लिम धर्म अपनाने के बाद ही शादी करने की बात कही और वह उसकी अशील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर पैसों की मांग करने लगा युवती अपने कुंडल, चेन, अंगूठी बेचकर रुपये देने लगी आखिरी बार 11 जुलाई को आमिर हुसैन ने फोन करके डोहरा मोड़ के पास रेस्टो होटल में युवती को बुलाया यहां उसने आखरी बार धर्म बदलने का दबाव बनाया विरोध पर मारपीट कर चला गया पीछा करने पर आमिर, उसकी बहन सबा, इमरान, पिता अली हुसैन व दोस्त राजा, मुकीम, मतीन अहमद व अन्य लोग जान से मारने की धमकी देने लगे एडीजी के निर्देश पर बारादरी पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी ।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने दो अफीम तस्करों को किया गिरफ्तार

बरेली। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने अफीम की तस्करी करने वाले गैंग का खुलासा करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बाइक, एक किलो 370 ग्राम अफीम और 12597 रुपये बरामद किए बरामद अफीम की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 30 लाख रुपये बताई जाती है ।सिरोली थाने की पुलिस और एएनटीएफकी संयुक्त टीम ने मंगलवार रात लगभग 11 बजे अलीगंज-सिरोली रोड पर पिपरिया तिराहे से दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया पूछताछ में उनके नाम नेम्बर सिंह और शिवकुमार निवासी ग्राम लभारी थाना सिरोली बताया तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से अफीम और कैश बरामद किया पूछताछ में नेम्बर सिंह ने बताया कि झारखंड और अन्य राज्यों से तस्कर फतेहगंज पूर्वी के रेलवे स्टेशन पर अफीम लेकर आते है यहां से वह अफीम खरीद लेते है ।यहां आने जाने ग्राहकों को वह अफीम बेच देते है जो भी मुनाफा होता है दोनों आपस में बांट लेते है नेम्बर सिंह के खिलाफआंवला और सिरोली में मुकदमे दर्ज है गिरफ्तार करने वाली टीम में एएनटीएफटीम में एसआई विकास यादव, सर्विलांस प्रभारी एम राजेश मिश्रा, सिरोली थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार, एसआई विजय पाल सिंह, हेड कांस्टेबल रिंकू यादव, मनीष कुमार, कांस्टेबल सौरभ भाटी, शुभम कुमार, प्रदीप नागर, प्रशांत कुमार और उन्नत पवार शामिल रहे ।

मोबाइल फोन टावर से नीचे गिरकर कर्मचारी की मौत

बरेली। मोबाइल फोन कंपनी के टावर पर चढ़कर काम कर रहे एक युवक की टावर से नीचे गिरकर मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी।भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव कोडपुर निवासी संजीव उर्फविद्याराम पुत्र रोशन लाल को बीती राज जिला अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया अस्पताल में मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि संजीव उर्फविद्या राम मुरादाबाद में एक बड़ी मोबाइल फोन कंपनी के टावर पर ठेकेदार के साथ काम करता था और कल दिन में मोबाइल फोन के टावर पर चढ़कर काम करते समय वह अचानक नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया ठेकेदार ने उसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया पर उसकी रास्ते में ही मौत हो चुकी थी।

भाजपाइयों ने मनाया प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन

124 शक्ति केंद्रों में किया गया पूजन अर्चन, गरीबों को बांटे गए फल, की गई दीर्घायु एवं आरोग्य होने की कामना

- आयोजित हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम
- मंत्री जितिन प्रसाद ने परिक्रमा के दौरान बांटे फल

संवाददाता। चित्रकूट

भगवान राम की तपोभूमि धर्मनगरी चित्रकूट के दौरे पर आए पीडब्लूडी मंत्री जितिन प्रसाद ने दूसरे दिन रविवार को सुबह भगवान कामदनाथ दरबार पहुंचकर माथा टेका। विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर आरती किया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर उनकी लंबी आयु की कामना करते हुए परिक्रमा मार्ग में गरीबों को फल वितरण किया।

पीडब्लूडी मंत्री एक दिन पहले ही जिले को आधा सैकड़ा परियोजनाओं की सौगातें देने के बाद आरोग्यधाम में रात्रि विश्राम किया। रविवार को सुबह वह पार्टी से जुड़े जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ वह कामदनाथ प्राचीन मुखारबिंद पहुंचे। यहां पर उन्होंने कामदनाथ दरबार में माथा टेका और विधि-विधान के साथ पूजन कर आरती की। पीडब्लूडी मंत्री ने धर्मनगरी के दौरा दौरान डीएम अभिषेक आनंद की मौजूदगी में पीडब्लूडी व सेतु निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की। कहा कि जिले में निर्माणाधीन पुल, पुलिया व सड़कों का कार्य तेजी से कराया जाए।

जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी और लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद ने कामतानाथ जी के दर्शन पूजन कर मंगलकामना की। तत्पश्चात, कार्यकर्ताओं के साथ कर्वी तहसील प्रांगण के शिवालय में अभिषेक व हवन करके मोदी जी की दीर्घायु की कामना की।

शक्ति केंद्रों पर पूजन अर्चन के पश्चात कार्यकर्ताओं ने हस्त शिल्प से जुड़े लोगों के साथ हस्तशिल्प के लिए निर्मित यशोभूमि के लोकार्पण एवं हस्तशिल्पियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के शुभारंभ के ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनते हुए जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी के नेतृत्व में समस्त कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी का वर्चुअल सम्बोधन सुना।

प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर भाजपा ने श्रमिकों को किया सम्मानित

उरई, जालौन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पीएम आवास योजना आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत प्रत्येक शक्ति केंद्र पर किसी न किसी मंदिर देवालय में 25 से 40 लोगों की संख्या में लाभार्थियों को एकत्रित कर जनपद के सभी मंडलों में पूजा अर्चना का आयोजन किया गया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर वर्चुअल माध्यम से एलईडी के द्वारा समय 11 बजे संबोधन सिटी सेंटर उरई में किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में लोहार, राजमिस्त्री, नाई, धोबी, मोची जैसे विभिन्न प्रकार के मिस्त्री श्रमिकों को आमंत्रित किया गया वह उन्हें सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शिव महेश द्विवेदी रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता नव मनोनीत जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने की।

गांव-गांव पात्रों के बनेंगे आयुष्मान कार्डः सीडीओ

- कार्ड से पांच लाख तक के इलाज में मिलेगी सुविधा

संवाददाता। चित्रकूट

मुख्य विकास अधिकारी सुश्री अमृतपाल कौर ने कहा कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भवः योजना 17 सितम्बर से दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़े के रूप में मनाई जायेगी। गांव-गांव लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाये जायेंगे। इससे लोगों को इलाज में सुविधा मिलेगी।

रविवार को विकास भवन सभागार में सीडीओ अमृतपाल कौर पत्रकारों से रूबरु हुईं। उन्होंने कहा कि अभियान का शुभारम्भ 13 सितम्बर को राष्ट्रपति कर चुके हैं। इसका सजीव प्रसारण सभी चिकित्सा इकाइयों व गांव स्तर पर हेल्थ एंड वेलनेश सेन्टर पर हुआ है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत कायाकल्प के निर्देशों का मूल्यांकन कर साफ-सफाई, रंगाई-पुताई, दीवार लेखन से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। गांव स्तर पर स्वच्छता एवं पोषण समिति व महिला आरोग्य समिति से गतिविधियों का संचालन कराया जायेगा। सीडीओ ने बताया कि आयुष्मान आपके द्वार थ्री के तहत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना के तहत पूरे पखवाड़े में विशेष अभियान चलाकर पात्रों के आयुष्मान कार्ड बनाये जायेंगे। इससे आम जनता को पांच लाख रुपये तक का चिकित्सकीय लाभ मिलेगा। संचारी एवं गैर संचारी बीमारियों के मद्देनजर सभी मरीजों की पहचान की जायेगी। प्रत्येक हेल्थ एंड वेलनेश सेन्टर पर प्रत्येक शनिवार को आयुष्मान मेला लगेगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रत्येक रविवार को आयुष्मान मेला लगेगा। साप्ताहिक मेले में लोगों की जांच की जायेगी।

स्वास्थ्य मेले का मकसद मरीजों को भटकना न पड़ेः अनुरागी

जालौन, उरई। आयुष्मान भवः योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य मेलों का आयोजन इस उद्देश्य के साथ किया जा रहा है कि लोगों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए इधर उधर भटकना न पड़े। उन्हें एक ही स्थान पर सभी स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। यह बात सीएचसी में आयोजित स्वास्थ्य मेले में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डा. घनश्याम अनुरागी ने कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भवः योजना के अंतर्गत सीएचसी में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष डा. घनश्याम अनुरागी ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन, सीडीओ भीमजी उपाध्याय व सीएमओ एनडी शर्मा द्वारा फीता काटकार किया गया।

भगवान विश्वकर्मा जयंती पर निकली भव्य शोभा यात्रा

- जगह-जगह व्यापारियों ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

संवाददाता। जालौन, उरई

भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर नगर के विभिन्न मार्गों से होकर भव्य शोभा-यात्रा निकाली गई। जिसमें भगवान विश्वकर्मा के साथ कई धार्मिक झांकियां निकाली गई जिसमें नगर व आसपास के लोग सम्मलित हुए।

भगवान विश्वकर्मा जयंती पर भारतीय विश्वकर्मा समाज सेवा समिति के तत्वावधान में बंगरा मार्ग पर कन्हैया सेल्स से शोभायात्रा का शुभारंभ उद्योगपति शिवसेवक विश्वकर्मा चरसौनी एवं मुख्य अतिथि रामराजा निरंजन द्वारा भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा का माल्यर्पण कर किया गया। ट्रैक्टर व रथों पर भगवान विश्वकर्मा, भगवान गणेश आदि की झांकियां सजाईं गई थीं। शोभा-यात्रा में बाइक, टैक्टर व चार पहिया वाहनों के साथ सैंकड़ों की संख्या में पैदल लोग चल रहे थे। डीजे पर बज रही जोरदार धुनों के साथ निकाली गई शोभा-यात्रा का जगह जगह लोगों ने रोककर स्वागत किया। शोभा-यात्रा देवनगर चौराहा, कोतवाली रोड, तहसील रोड, बस स्टैंड से झंडा चौराहा, सब्जीमंडी, छोटी माता मंदिर होते हुए मुहल्ला दबगरान में शिवसेवक विश्वकर्मा की हवेली पर समाप्त हुई।

जिले भर में धूमधाम से मनाई भगवान विश्वकर्मा जयंती

फतेहपुर। श्री विश्वकर्मा सेवा समिति ट्रस्ट की ओर से नगर स्थित श्री विश्वकर्मा मन्दिर में विश्वकर्मा समाज के लोगों ने अध्यक्ष अमित विश्वकर्मा की अध्यक्षता में वैदिक रीति रिवाज के तहत भगवान की पूजा अर्चना की। मंदिर परिसर में समाज के महिला एवं पुरूष बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका चेयरमैन राजकुमार मौर्य ने शिरकत की। सभी लोगों ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात भगवान विश्वकर्मा की झांकी डीजे की धुन के साथ निकाली गई। उधर नहर विभाग के केंद्रीय कार्यशाला नलकूप खंड में भी विश्वकर्मा पूजा आयोजित की गई। इसी तरह लोक निर्माण विभाग, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, लघु सिंचाई विभाग, नगर पालिका परिषद सहित कारखानों व फैक्ट्रियों में भी भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की गई।

विश्वकर्मा जयंती पर आयोजित हुए भंडारे

कानपुर देहात। महान शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर जगह-जगह हवन पूजन हुआ तथा भंडारे का आयोजन किया गया। रविवार को रसूलाबाद में विश्वकर्मा जयंती पर कस्बे में हवन पूजन के बाद प्रसाद वितरित करवाया गया। वहीं अन्य लोगों ने अपने प्रतिष्ठानों पर मशीनो कारखाने में पूजा की। गांव में लोगों ने अपने वाहनों आदि की पूजा अर्चन कर प्रसाद वितरित किया। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण और सृजन का देवता माना जाता है।

भाजपाईयों ने जनसेवा पखवारा के तहत मरीजों को किया फल वितरण

कानपुर देहात। जनसेवा पखवारा के तहत भाजपाईयों ने भाजपा जिलामहामंत्री व रूरा चैयरमैन रामजी गुप्ता के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रूरा में मरीजों को फलों का वितरण किया। इस मौके पर नगर पॅचायत के सभासद व चिकित्साधीक्षक सुनील कुमार सहित सीएचसी का अन्य स्टाफ मौजूद रहा। आयुष्मान योजना के साप्ताहिक स्वास्थ्य मेला के अवसर पर भाजपाईयों ने जनसेवा पखवारा के तहत सीएचसी रूरा में मरीजों को फल वितरित किये। इस मौके पर भाजपा के जिला महामंत्री व रूरा नगर पंचायत अध्यक्ष रामजी गुप्ता ने सभासद सुरेश कुमार व अँशुल बाजपेई के साथ सीएचसी में उपचार करवाने आये मरीजों को फ्लों का वितरण किया। भाजपा जिला महामंत्री रामजी गुप्ता ने मरीजों सहित उपस्थित लोगों को बताया केन्द्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार ने समाज के सभी वर्गो की स्वास्थ्य जरूरतों का देखते हुये आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रूपये तक का इलाज नि:शुल्क मुहैया कराया है। उन्होंने आगे बताया कि पीएम के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत क्षय रोग की जांच व उपचार के लिये टीबी यूनिट/माइक्रोस्कोपी की नि:शुल्क उपलब्धता जिले के क्षय केन्द्रों में की गई है।

क्विक न्यूज

भाजपा महिला मोर्चा ने मनाया प्रधानमंत्री का जन्म दिन

जालौन, उरई। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर भाजपाइयों ने पूजा अर्चना कर उनकी दीर्घायु की कामना की तथा स्वस्थ जीवन की ईश्वर से प्रार्थना की गयी। भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा कि जिला उपाध्यक्ष निशा माहेश्वरी के आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिन मनाया गया। भाजपाइयों ने प्रधानमंत्री का चित्र रखकर पूजा अर्चना की उनकी दीर्घायु की कामना के साथ उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

पीएम मोदी के जन्म दिन पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

कायमगंज, फर्रुखाबाद। विधानसभा क्षेत्र कायमगंज के गांव उलियापुर में भाजपा नेत्री डॉ मिथिलेश अग्रवाल के निर्देशन में ए उन्हीं के स्वामित्व वाले अस्पताल द्वारा निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर मेला का आयोजन किया गया । शिविर में आए 128 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । साथ ही उन्हें दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई । शिविर आयोजन अवसर पर मोदी के जन्मदिन की खुशी में पीएम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए मंदिर में पूजा अर्चना की गई। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद जिन मरीजों को उपचार की अधिक आवश्यकता थी । उन्हें डॉक्टर मंगल पांडे के द्वारा उपचार करने के लिए अस्पताल रेफर कर दिया गया शिविर में आए सभी मरीजों का परीक्षण डॉक्टर शिवम त्रिपाठी ने किया तथा दवाइयां भी बांटीं ।

गौतस्करों से पुलिस की मुठभेड़ में एक घायल

फतेहपुर। उदय शंकर सिंह ने बताया कि रविवार की सुबह थरियांव थाना पुलिस और एसओजी को मुखबिर से सूचना मिली कि गौ तस्कर बांगरमऊ उन्नाव से कानपुर के रास्ते कंटेनर में गोवंश लाद कर बिहार ले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस सूचना पर थरियांव थाना पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम प्रयागराज-कानपुर हाईवे पर वाहन का इंतजार करने लगी। इस बीच कंटेनर जैसे ही एकारी मोड़ के पास पहुंचा तो पहले से मुस्तैद पुलिस ने घेराबंदी करते हुए कंटेनर को रोक लिया। कंटेनर रुकते ही उसमें सवार पांच लोग एकारी गांव के जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग करना शुरू कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी वही मौके से भाग रहे एक बदमाश भी पुलिस के हत्थे चढ़ा है। जबकि इनके तीन अन्य साथी मौके से भाग गए। एसपी ने बताया कि पकड़े गये बदमाशों के ऊपर वाराणसी, फतेहपुर, फिरोजाबाद, मुजफ्फरनगर में आधा दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज हैं।

चोरी की बढ़ती घटनाओं से लोगों में दहशत

कायमगंज, फर्रुखाबाद। मामला कोतवाली कायमगंज क्षेत्र के गांव ढमढेरा का बताया जा रहा है । यहां की निवासिनी रामकुवांरी पत्नी नेकराम ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि रात को वह घर पर अकेली थी। सारा काम निपटाकर छत पर सोने चली गई। रात के लगभग 1 बजे अचानक बत्ती गुल हो गई। उसी समय कोई अज्ञात चोर घर में घुस आए। उन्होंने कमरे का ताला तोड़कर कमरे में रखे संदूक से तकरीबन 15 किलो वजन के पीतल के बर्तन तथा उसके भतीजे प्रमोद के बर्तन कपड़े व अन्य सामग्री चोर चुरा ले गए । पुलिस ने चोरी की घटना की तहरीर के आधार पर आईपीसी की धारा 457 . 380 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया।

मामूली विवाद में दबंगों ने तीन को किया मरणासन्न

फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के देवचली गांव में एक मामूली विवाद में दबंग पिता-पुत्रों ने एक गरीब परिवार पर लाठी-डंडो व धारदार हथियार से ऐसा कहर बरपाया कि जिसने भी इस घटना को देखा उसके रोंगटे खड़े हो गए। दबंग पिता-पुत्रों की मार से घायल पीड़ित नत्थू पुत्र भगत ने बताया कि कि उन लोगों का गुनाह केवल इतना है कि उनकी चरही पर पड़ोस के किशोरी पुत्र घसीटे की भैंस छूटकर आ गई थी और चारा खाने लगी थी जिस पर उसकी पुत्री रेनू किशोरी की भैंस को हॉकने लगी। भैंस को बाँधने के लिए आवाज लगाने लगी।

पेरियार रामास्वामी व ललई की जयंती मना कर मेधाओं को किया सम्मानित

संवाददाता। फतेहपुर

पाल सामुदायिक उत्थान समिति के संयोजन में संयुक्त सामाजिक एकता मंच के बैनर तले पेरियार रामास्वामी नायकर एवं पेरियार ललई सिंह यादव की संयुक्त जयंती के उपलक्ष में मेधा अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन हथगाम नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह यादव ने किया। अध्यक्षता पाल सामुदायिक उत्थान समिति के बिंदकी तहसील आडिटर श्यामलाल पाल ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सदर विधायक चंद्रप्रकाश लोधी, नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार मौर्य, विकल्प मौर्य, बार एसो. के पूर्व अध्यक्ष केपी सिंह एड. ने भी हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि सपा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम लाल पाल ने समाज को एकजुट रहने और शिक्षा तथा व्यापार में तरक्की करने का संदेश दिया। समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजू पासी ने कहा कि समाज में जन्मे सभी महापुरुषों ने जाति धर्म से ऊपर उठकर मानवता के हित के लिए काम किया और समाज को शोषण, अंधश्रद्धा, रूढ़वादी परंपरा से निकालने एवं मानवीय जीवन जीने के लिए आजीवन संघर्ष कर भारतीय संविधान में अधिकार बहाल कराने का काम किया। कार्यक्रम के दौरान दस हाईस्कूल व दस इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अनुज पांडेय डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित

जालौन, उरई। नगर के अनुज पांडेय को नेशनल एंटी करप्शन एंड ह्यूमन राइट कमेटी ऑफ इंडिया, लखनऊ द्वारा संचालित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एंटी करप्शन एंड ह्यूमनिस्टिक स्टडीज द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मनित किया गया। उनके सम्मान पर नगर में खुशी की लहर दौड़ी। नगर के मुहल्ला गोविंदेश्वर निवासी अशोक कुमार पांडेय के पुत्र अनुज पांडेय बीएससी, एमबीए, बीटीसी डिग्री धारक होने के साथ ही लगभग एक दशक से सामाजिक कार्यों में अग्रसर हैं, जिसमें बच्चों को मुफ्त शिक्षा, असहायों की सहायता, वृक्षारोपण, धार्मिक व सामाजिक कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का सीएचसी रसूलाबाद में हुआ आयोजन

कानपुर देहात। मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला का आयोजन महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद में किया गया। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉ पीयूष त्रिपाठी नर कहा कि 6 या 6 से अधिक सदस्यों वाले पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को भी आयुष्मान कार्ड की सुविधा दी गई है। यह आयुष्मान कार्ड आयुष्मान ऐप डाउनलोड कर उसमें आवश्यक प्रपत्र लोड कर बनाया जा सकता है। इस कार्ड पर 5 लाख तक के इलाज की सुविधा नि:शुल्क प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि अब इस प्रकार का मेला हर रविवार को लगेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ आजाद नगर के सभासद मो. मशरूफ नवाज व संजय मिश्रा के द्वारा फीता काटकर किया गया।

पेज एक का शेष

महिला आरक्षण...

शुरुआत करेंगे, वहीं राज्यसभा में सदन के नेता केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल राज्यसभा में सत्र की शुरुआत करेंगे। इस बात पर भी गहन चर्चा है कि क्या सरकार पांच दिवसीय बैठक के दौरान कुछ 'आश्चर्यजनक' आइटम रखेगी, जिसमें संसद की 75 साल की यात्रा पर चर्चा होगी और चार विधेयकों पर विचार किया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित विवादास्पद विधेयक भी शामिल है। सभी प्रमुख दलों के नेताओं ने पुरानी संसद के पुस्तकालय भवन में बैठक में भाग लिया क्योंकि सरकार ने उन्हें पांच दिवसीय सत्र से पहले मुद्दों पर जानकारी दी और विपक्ष के विचारों को सुना। मौजूदा संसद में सत्र शुरू होने से पहले सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा के सदन के नेताओं की एक अलग बैठक बुलाई गई है। सरकार द्वारा पहले जो पांच विधेयक पटल पर रखे गए थे, उनके अलावा कोई नया एजेंडा नहीं था। सर्वदलीय बैठक के बाद लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा थ्क सभी विपक्षी दलों ने इस संसद सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पारित करने की मांग की। ओडिशा की सत्तारूढ़ पार्टी - बीजेडी और तेलंगाना की सत्तारूढ़ पार्टी - बीआरएस सहित कई क्षेत्रीय दलों ने विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पेश करने की मांग की। यही मांग एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने भी दोहराई। पटेल ने बताया कि उन्हें बताया गया कि संसद 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर निकटवर्ती नए भवन में स्थानांतरित हो जाएगी। इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, पीयूष गोयल, अर्जुन राम मेघवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे, हालांकि, कांग्रेस प्रमुख और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी सांसद राहुल गांधी अनुपस्थित थे। खड़गे ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम के लिए देर से निमंत्रण मिला और उनके लिए इसमें शामिल होना मुश्किल था क्योंकि वह अपनी पार्टी की बैठक के लिए हैदराबाद में थे। हालांकि इस कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने हिस्सा लिया। रक्षा मंत्री और लोकसभा के उपनेता राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा के नेता पीयूष गोयल और संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी सर्वदलीय बैठक में मौजूद थे। नवगठित इंडिया गठबंधन की ओर से अधीर के अलावा, तृणमूल कांग्रेस से डेरेक ओ ब्रायन, एनसीपी से वंदना चव्हाण, नेशनल कॉन्फ्रेंस से फारूक अब्दुल्ला, द्रमुक से तिरुचि शिवा और कनिमोझी, एमडीएमके से वाइको भी बैठक में शामिल हुए। अन्य नेताओं में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से बिनॉय विश्वम, वाईएसआरसीपी से विजयसाई रेड्डी, एनसीपी के अजीत पवार गुट से प्रफुल्ल पटेल, समाजवादी पार्टी से एसटी हसन, बीआरएस से के केशव राव और नामा नागेश्वर राव, जनता दल (एस) से एचडी देवेगौड़ा शामिल हैं।)बीजू जनता दल (बीजेडी) से पिनाकी मिश्रा और सस्मित पात्रा भी वहां मौजूद थे। सोमवार से शुरू होने वाले सत्र के असामान्य समय ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है, भले ही सूचीबद्ध एजेंडे में मुख्य विशेषता 'संविधान सभा' (संविधान सभा) से शुरू होने वाली संसद की 75 वर्षों की यात्रा पर एक विशेष चर्चा है। सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर विधेयक को भी सत्र के दौरान विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है। यह बिल पिछले मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में पेश किया गया था। सरकार को संसद में कुछ नए कानून या अन्य आइटम पेश करने का विशेषाधिकार प्राप्त है जो सूचीबद्ध एजेंडे का हिस्सा नहीं हो सकते हैं। सत्र के दौरान जिन पांच विधेयकों पर चर्चा होनी है उनमें ये शामिल हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक, 2023। दूसरे पक्ष के भारी विरोध के बावजूद यह विधेयक संसद के पिछले मानसून सत्र में राज्यसभा में पेश किया गया था।

मतभेदों से...

वोट बैंक रहे हैं। इंडिया गठबंधन के अन्य प्रमुख साझेदार- टीएमसी और आप- ने पहले ही द्रमुक नेताओं की सनातन धर्म संबंधी टिप्पणियों से दूरी बना ली है, लेकिन मीडिया बहिष्कार के फैसले पर यथास्थिति बरकरार रखी है। द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन ने हाल ही में हंगामा खड़ा कर दिया क्योंकि उन्होंने आरोप लगाया कि सनातन धर्म सामाजिक न्याय के खिलाफ है और इसे खत्म किया जाना चाहिए। कुछ दिनों बाद, द्रमुक नेता ए राजा ने कहा कि सनातन धर्म की तुलना एड्स और कुष्ठ रोग जैसी बीमारियों से की जानी चाहिए, जिनके साथ सामाजिक कलंक जुड़ा हुआ है। गठबंधन सहयोगियों के बीच लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सीट बंटवारे के मुद्दे पर, गठबंधन सहयोगियों के बीच बातचीत एक राजनीतिक दल के प्रतिनिधि द्वारा की जा सकती है, जिसकी वर्तमान लोकसभा में कोई उपस्थिति नहीं हो सकती है। अब तक इंडिया ब्लॉक में लगभग 28 साझेदार हैं जिनमें कांग्रेस, टीएमसी, राजद, जदयू, राकांपा, शिव सेना, वामपंथी दल, आप और अन्य जैसे बड़े साझेदार शामिल हैं। एक पार्टी के सूत्रों ने कहा कि अब तक चर्चा किए गए फॉर्मूले में आम सहमति है कि किसी राज्य में सबसे मजबूत पार्टी का फैसला करने के लिए पिछले चुनावों के नतीजों को ध्यान में रखा जाएगा। सूत्रों ने बताया, 'हालांकि पार्टियां अपनी बातचीत में राज्य स्तर पर फॉर्मूले को अंतिम रूप देंगी, लेकिन यह पिछले लोकसभा चुनाव या पिछले विधानसभा चुनाव या दोनों के नतीजों पर आधारित होगा, जो संबंधित पार्टियों के फैसले पर निर्भर करेगा। इसके अलावा, जिन राज्यों में साझेदारों के बीच पहले से कोई गठबंधन नहीं रहा है, या सीट बंटवारे में गतिरोध है, तो तीसरे राज्य के प्रति निष्ठा रखने वाला एक तटस्थ नेता मतभेदों को दूर करने में मदद करेगा। गठबंधन का ध्यान लोकसभा चुनावों पर है, पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं जहां कांग्रेस का बड़ा दांव है, एक राजनीतिक दल ने एक समझ तक पहुंचने का सुझाव दिया है जहां भावी साझेदारों को एकता का उदाहरण स्थापित करने के लिए समायोजित किया जा सकता है। हालाँकि सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस इस 'बेतुके' समीकरण पर कभी सहमत नहीं होगी क्योंकि वह पहले से ही राजस्थान, छत्तीसगढ़ में सत्ता में है, पिछली विधानसभा में मध्य प्रदेश में सत्ता में थी और तेलंगाना में सरकार बनाने के लिए आश्वस्त है। इस सप्ताहांत उसने वहां अपनी कांग्रेस कार्य समिति की बैठक भी की थी।

आतंकियों के...

संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। सैन्य अधिकारियों ने लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को उच्च प्राथमिकता वाले अभियानों के बारे में जानकारी दी, जिसमें बलों द्वारा उच्च प्रौद्योगिकी वाले साजो सामान का उपयोग किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने उस ड्रोन का भी मुआयना किया जिसकी मदद क्षेत्र और आतंकवादियों के संबंध में जानकारी लेने के लिए ली जा रही है। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने पुलिस और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अभियान की समीक्षा की। उन्होंने अभियान में तैनात सैनिकों के साथ भी बातचीत की। पुलिस का मानना है कि दो से तीन आतंकवादी वन क्षेत्र में मौजूद हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कश्मीर) विजय कुमार ने शुक्रवार देर रात बताया था कि यह अभियान विशेष सूचना के बाद चलाया गया और उन्होंने दावा किया, घेरे गए दो से तीन आतंकवादियों पर काबू पा लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी...

अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर यशोभूमि में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आप अपने पुरस्कार समारोह, फिल्म समारोह यहां आयोजित करते हैं। यहां पहला फिल्म शो आयोजित करते हैं। मैं अंतरराष्ट्रीय इवेंट कंपनियों, प्रदर्शनी क्षेत्र से जुड़े लोगों को भारत मंडपम और यशोभूमि में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं। मोदी ने आगे कहा कि 25 लाख करोड़ रुपये का अनुमानित सम्मेलन पर्यटन भारत के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि दुनिया में हर साल 32,000 से अधिक बड़ी प्रदर्शनियां और एक्सपो आयोजित किए जाते हैं, जहाँ सम्मेलन पर्यटन के लिए आने वाले लोग एक सामान्य पर्यटक की तुलना में अधिक पैसा खर्च करते हैं। इतनी बड़ी इंडस्ट्री में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ एक प्रतिशत के आसपास है और भारत की कई बड़ी कंपनियां हर साल अपने कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विदेशों में जाती हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत अब कॉन्फ्रेंस टूरिज्म के लिए भी खुद को तैयार कर रहा है। मोदी ने जोर देकर कहा कि कॉन्फ्रेंस टूरिज्म वहीं आगे बढ़ेगा जहां कार्यक्रमों, बैठकों और प्रदर्शनियों के लिए आवश्यक संसाधन होंगे, इसलिए भारत मंडपम और यशोभूमि केंद्र अब दिल्ली को कॉन्फ्रेंस टूरिज्म का सबसे बड़ा केंद्र बनाने जा रहे हैं। लाखों युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में यशोभूमि एक ऐसी जगह बन जाएगी जहां दुनिया भर के देशों से लोग अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, बैठकों और प्रदर्शनियों के लिए आएंगे। मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि हाल ही में प्रगति मैदान में भारत मंडपम का अनावरण किया गया जहां जी20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था और यशोभूमि भारत के आतिथ्य, श्रेष्ठता और भव्यता का प्रतीक बन जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत मंडपम और यशोभूमि दोनों भारतीय संस्कृति और अत्याधुनिक सुविधाओं का संगम हैं और ये भव्य प्रतिष्ठान दुनिया के सामने भारत की कहानी व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यह नए भारत की आकांक्षाओं को भी दर्शाता है जो अपने लिए सर्वोत्तम सुविधाएं चाहता है। उन्होंने कहा कि मेरे शब्दों को याद रखें...भारत अब रुकने वाला नहीं है,' उन्होंने नागरिकों से आगे बढ़ने, नए लक्ष्य बनाने, उनके लिए प्रयास करने और 2047 तक भारत को एक विकसित देश में बदलने का आग्रह किया। यशोभूमि' में सभी क्षेत्रों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि वे कन्वेंशन सेंटर के बाहरी स्थान के साथ निरंतरता का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह टेराज़ो फर्श के रूप में भारतीय संस्कृति से प्रेरित सामग्रियों और वस्तुओं से बना है, जिसमें पीतल की जड़ाई रंगोली पैटर्न, अवशोषक धातु सिलेंडर और रोशनी वाली पैटर्न वाली दीवारों का प्रतिनिधित्व करती है। आईआईसीसी के उद्घाटन से एक दिन पहले, मोदी ने इस परियोजना को स्थिरता का पर्याय बताया। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, 'इसमें एक आधुनिक अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली है, वर्षा जल संचयन के प्रावधान हैं और कॉम्प्लेक्स को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल से प्लेटिनम प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने रूस-उत्तर कोरिया सैन्य सहयोग के प्रति आगाह किया

एपी। सियोल

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मजबूती से एकजुट होगा, क्योंकि वह इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा में वैश्विक नेताओं के साथ इस मुद्दे को उठाने पर जोर दे रहे हैं।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर सम्मेलन तथा उच्च स्तरीय सैन्य प्रोद्योगिकी स्थलों का दौरा करने के लिए पिछले सप्ताह रूस की यात्रा पर गए थे, जिसके बाद से रूस और उत्तर कोरिया के संबंधों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि किम दक्षिण कोरिया और अमेरिका को निशाना बनाने वाले अपने हथियार प्रणालियों को आधुनिक बनाने के लिए आर्थिक सहायता तथा प्रौद्योगिकियों के बदले रूस के गोला-बारूद के भंडार को फिर से भर सकते हैं, जो यूक्रेन के साथ पिछले 18 महीने से चल रहे युद्ध के दौरान खत्म हो गए हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क रवाना होने से पहले एसोसिएटेड प्रेस के सवालों के लिखित जवाब में कहा, उत्तर कोरिया और रूस के बीच सैन्य सहयोग अवैध और अन्यायपूर्ण है क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और विभिन्न अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा, इस तरह के कदम के जवाब में अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मजबूती से एकजुट होगा। दक्षिण कोरिया में उनके कार्यालय के अनुसार, यून बुधवार को वार्षिक संयुक्त राष्ट्र सभा में अपने संबोधन में रूस-उत्तर कोरियाई कदमों के बारे में अपने आकलन पर बोलेंगे। इसमें कहा गया है कि वह अमेरिका, जापान और अन्य भागीदारों के साथ जवाबी उपायों पर चर्चा करेंगे।

यात्रा पूरी कर किम जोंग उन स्वदेश रवाना

सियोल (दक्षिण कोरिया)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन रूस की छह दिन की यात्रा के बाद रविवार को स्वदेश रवाना हो गए हैं। किम ने रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र का दौरा किया। उनकी इस यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों ने चिंता जाहिर की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमले के बीच मॉस्को को उत्तर कोरिया से हथियार मिल सकते हैं, जिससे युद्ध में तेजी आ सकती है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि किम को आर्त्योम में एक रेलवे स्टेशन पर विदाई दी गई इसके बाद उनकी बख्तरबंद ट्रेन रूसी देशभक्ति गीत फेयरवले ऑफ स्लावियांका की धुन के बीच उत्तर कोरिया के लिए रवाना हो गई।समारोह में रूस के प्राकृतिक संसाधन मंत्री एलेक्जेंडर कोजलोव और प्रिमोर्ये क्षेत्रीय गवर्नर ओलेग कोझेमयाको सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। किम अपनी बख्तरबंद ट्रेन से मंगलवार को रूस पहुंचे थे। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी और हथियारों और प्रौद्योगिकी से जुड़े कई स्थलों का दौरा किया। किम जोंग ने रविवार को एक विश्वविद्यालय का दौरा किया और और एक मछलीघर में शो भी देखा। रूस के सरकारी मीडिया ने एक वीडियो जारी किया जिसमें किम जोंग काला सूट पहने और अपने शीर्ष अधिकारियों के साथ रस्की द्वीप पर फार ईस्टर्न फेडरल यूनिवर्सिटी में रूसी अधिकारियों से बात करते नजर आए।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन का स्वागत करते रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु। किम रूसी सुदूर पूर्व में बंदरगाह शहर व्लादिवोस्तोक के पास सैन्य विमान देखने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंचे।

राष्ट्रपति पद उम्मीदवार के दावेदार रामास्वामी ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम खत्म करने का वादा किया

भाषा। वॉशिंगटन

अमेरिका में भारतीय मूल के रिपब्लिकन से राष्ट्रपति पद उम्मीदवार के दावेदार विवेक रामास्वामी ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम को अनुबंधित दासता की स्थिति बताते हुए 2024 में राष्ट्रपति चुने जाने के बाद लॉटरी-आधारित प्रणाली को खत्म करने और इसके स्थान पर योग्यता आधारित प्रवेश प्रणाली लाने का वादा किया है।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पेशेवरों के बीच काफी लोकप्रिय एच-1बी वीजा एक गैर-आव्रजक वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी पेशेवरों को ऐसे पदों पर नियुक्ति का अधिकार देता है जिनमें तकनीकी विशेषज्ञता की जरूरत होती है।

प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों पेशेवरों की भर्ती करने के लिए इसी वीजा कार्यक्रम पर निर्भर हैं।

रामास्वामी ने खुद एच-1बी वीजा कार्यक्रम का 29 बार प्रयोग किया है। समाचार-पत्र द पोलिटिको की रिपोर्ट के अनुसार, 2018 से 2023 में अबतक अमेरिका नागरिक एवं आव्रजन सेवा ने कर्मियों को एच-1बी वीजा कार्यक्रम के अंतर्गत भर्ती करने के लिए रामास्वामी की पूर्व कंपनी रॉइवेंट साइंस को 29 बार मंजूरी दी है।

फिर भी, समाचार-पत्र ने 38 वर्षीय उद्यमी के हवाले से कहा, एच-1बी प्रणाली इसमें शामिल सभी लोगों के लिए खराब है।

रामास्वामी ने फरवरी, 2021 में रॉइवेंट के मुख्य कार्यकारी के पद से इस्तीफा दे दिया था लेकिन वह इस साल फरवरी तक कंपनी के निदेशक मंडल के चेयरमैन रहे थे।

जाह्नवी कंडुला के लिए न्याय की मांग को लेकर सिएटल में रैली

भाषा। सिएटल (अमेरिका)

भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला के लिए न्याय और दोषी पुलिस अधिकारियों को जेल भेजे जाने की मांग करते हुए दक्षिण एशियाई समुदाय के 100 से अधिक सदस्यों ने एक रैली का आयोजन किया।

इस रैली का आयोजन उसी स्थान पर हुआ जहां पुलिस की तेज रफ्तार एक कार ने कंडुला को टक्कर मार दी थी और उसकी मौत हो गई थी।

कंडुला जब 23 जनवरी 2023 को सड़क पार कर रही थी, तब पुलिस के एक वाहन ने उसे टक्कर मार दी थी। इस वाहन को केविन डेव नाम का अधिकारी चला रहा था। वह मादक पदार्थ की ओवरडोज से जुड़े एक मामले की सूचना पर गति सीमा का उल्लंघन करके 119 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिक रफ्तार से वाहन चला रहा था। सिएटल पुलिस विभाग द्वारा सोमवार को जारी की गई बॉडीकैम फुटेज में अधिकारी डेनियल ऑडर इस घातक दुर्घटना के बारे में हंसकर बात करता सुनाई देता है। इसी के साथ वह डेव की गलती की गुंजाइश को खारिज करते हुए भी नजर आता है। सिएटल क्षेत्र के दक्षिण एशियाई समुदाय के 100 से अधिक सदस्य शनिवार को डेनी पार्क में एकत्र हुए और उन्होंने उस चौराहे तक रैली निकाली जहां कांडुला को टक्कर लगी थी। इस दौरान सदस्यों के हाथों में तख्तियां थीं जिन पर लिखा था, जाह्नवी का मूल्य सिएटल पुलिस विभाग से अधिक है और जाह्ववी को न्याय, हत्यारे पुलिसकर्मी को जेल। इस रैली का आयोजन बोथेल स्थित संगठन उत्सव ने किया जो दक्षिण एशियाई लोगों को उनके समुदायों से जोड़ने में मदद करता है।

डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता वंदना स्लैटर ने कहा, हम एक अखंड भारतीय समुदाय नहीं हैं। समुदाय में प्रवासी लोग भी हैं लेकिन हम सभी आज एकजुट हैं। दुर्घटना को लेकर अधिकारी की टिप्पणियों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आक्रोश है। अपने तीन वर्ष के बेटे को रैली में लेकर आई शैफाली जामवाल ने बताया कि कंडुला स्नातकोत्तर की छात्रा थी और पढ़ाई के लिए अमेरिका आई थी जिस कारण उसके जीवन की अधिक कीमत थी। जामवाल ने कहा, मैं, केवल अंदाजा लगा सकती हूं कि कंडुला की मां पर क्या बीत रही होगी।

सदस्यों ने चौराहे पर जाह्नवी लिखकर मोमबत्तियां जलाईं और गुलदस्ते रखे। कंडुला को नॉर्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी के सिएटल परिसर से सूचना प्रणाली में इस साल दिसंबर में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त होनी थी।

नॉर्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी के चांसलर केनेथ डब्ल्यू हेंडरसन ने कंडुला की मौत की मौत पर दुख जताते हुए यूनिवर्सिटी के आधिकारिक फेसबुक पेज पर जारी एक बयान में शुक्रवार को कहा, उसकी कमी छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों को बहुत खलेगी। विश्वविद्यालय ने जाह्नवी को उसकी डिग्री मरणोपरांत देने की योजना बनाई है। यह डिग्री परिवार को सौंपी जाएगी। समुदाय के लोगों ने इससे पहले शनिवार को फुटेज जारी करने के संबंध में सिएटल के मेयर और पुलिस प्रमुख से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि वे पुलिस के खिलाफ नहीं हैं लेकिन पुलिस को सिएटल में प्रशिक्षण में सुधार करना चाहिए। उत्सव के संस्थापक अरुण शर्मा ने कहा कि अगर पुलिस विभाग ऑडर और डेव के खिलाफ कार्वाई नहीं करता है तो संगठन अपनी कार्वाई को बढ़ाने की योजना बनाएगा। शर्मा ने कहा, अब हमें जागने के लिए इस तरह की किसी और बड़ी घटना का इंतजार नहीं करना चाहिए।

ब्राजील के अमेजन वर्षा वन में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, 14 लोगों की मौत

एपी। रियो डी जिनेरियो

ब्राजील के अमेजन वर्षा वन में शनिवार को एक छोटे यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार सभी 14 लोगों की मौत हो गई। लेकिन भारी बारिश में उतरने का प्रयास करते समय वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मीडिया के मुताबिक, विमान में सवार यात्री ब्राजीलियाई पर्यटक थे। ग्लोबो टेलीविजन नेटवर्क की ओर से साझा किए गए वीडियो फुटेज में

अमेजोनास प्रांत के गवर्नर विल्सन लीमा ने यह जानकारी दी।

लीमा ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, मुझे बार्सिलोस में हुए विमान हादसे में 12 यात्रियों और चालक दल के दो सदस्यों की मौत पर गहरा दुख है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि एम्ब्रेयर पीटी-एसओजी विमान ने अमेजोनास प्रांत की राजधानी मनौस से उड़ान भरी थी, विमान का मलबा कीचड़ में पड़ा दिख रहा है और इसका अगला हिस्सा हरे पत्तों से ढका हुआ है, जिसके पास 20-25 लोग छाते लिए खड़े नजर आ रहे हैं। ब्राजीलियाई वायु सेना ने एक बयान में बताया कि उसने मनौस से एक दल भेजा है, ताकि दुर्घटना के संबंध में ऐसी जानकारी एवं साक्ष्य एकत्र किए जा सकें, जो जांच में मददगार हो सकते हैं।

फ्रेडेरिक्टन के एन.बी. में शनिवार को आए तूफान आने से रास्ते में एक गिरा हुआ पेड़।

कनाडा में ली तूफान का कहर

एपी। बार हार्बर (अमेरिका)

कनाडा के नोवा स्कॉटिया में शनिवार दोपहर ली तूफान की दस्तक के बाद मैरिटाइम कनाडा और अमेरिका के न्यू इंग्लैंड में तेज हवाएं चलीं तथा भारी बारिश हुई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई।

यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार, उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात 110 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाओं के साथ नोवा स्कोटिया की राजधानी हैलिफैक्स से लगभग 215 किलोमीटर पश्चिम में समुद्री तट पर पहुंचा। अमेरिका के मौसम अधिकारियों ने बताया कि यह क्षेत्र मेन के ईस्टपोर्ट शहर से लगभग 80 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। प्राधिकारियों के मुताबिक, मेन विभाग और पर्यावरण संरक्षण एवं तटरक्षक कर्मी ।,800 गैलन डीजल ईंधन को उतारने की दिशा में काम कर रहे हैं, ताकि इसे समुद्र में फैलने से रोका जा सके।

ली के कारण नोवा स्कॉटिया में तटीय सड़कों और नौकाओं में पानी भर गया है, बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है, कई पेड़ टूट गए हैं और नौका सेवाएं बंद कर दी गई हैं। तूफान के कारण इन गर्मियों में आई बाढ़ और जंगलों में आग लगने की घटनाओं से अभी भी उबर रहे क्षेत्र में घबराहट फैल गई। नोवा स्कोटिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे हैलिफैक्स स्टैनफील्ड इंटरनेशनल से शनिवार को कोई उड़ान निर्धारित नहीं है। पुलिस प्रमुख ब्रायन लंट ने बताया कि मेन के सियर्सपोर्ट में शनिवार को तेज हवाओं के कारण अमेरिकी राजमार्ग। पर 51 वर्षीय मोटर चालक के वाहन पर एक बड़ा पेड़ गिरने से उसकी मौत हो गई।

किसी की जान की कोई कीमत नहीं लगा सकता

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने जाह्नवी कंडुला की मौत पर कहा

भाषा। लॉस एंजिलिस

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिका में वाशिंगटन राज्य के सिएटल में भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत और उससे जुड़े घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जीवन तो जीवन होता है और कोई भी व्यक्ति किसी की जान की कोई कीमत नहीं लगा सकता।

कंडुला जब 23 जनवरी 2023 को सड़क पार कर रही थी, तब पुलिस के एक वाहन ने उसे टक्कर मार दी थी। इस वाहन को केविन डेव नाम का अधिकारी चला रहा था। वह मादक पदार्थ के ओवरडोज से जुड़े एक मामले की सूचना पर गति सीमा का उल्लंघन करके 119 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिक रफ्तार से वाहन चला रहा था। सिएटल पुलिस विभाग द्वारा सोमवार को जारी किए गए बॉडीकैम फुटेज में अधिकारी डेनियल ऑडरर को इस घातक दुर्घटना के बारे में हंसकर बात करते हुए पाया गया। इसी के साथ वह डेव की गलती की गुंजाइश को खारिज करते हुए भी नजर आ रहे हैं। बॉडीकैम रिकॉर्डिंग वीडियो में ऑडररन को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि हां, बस एक चेक काटो... 11,000 अमेरिकी डॉलर का। वह वैसे भी 26 साल की थी। उसके जीवन की कीमत मामूली थी।

लॉस एंजिलिस में रह रहीं प्रियंका ने शनिवार रात इंस्टाग्राम पर लिखा, यह भयावह है कि नौ महीने पहले हुई यह दुखद घटना अब सामने आई है। एक जीवन तो जीवन होता है। कोई इसकी कोई कीमत नहीं लगा सकता। अमेरिकी सांसदों और भारतीय-अमेरिकियों ने कंडुला की मौत पर आक्रोश व्यक्त किया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने भारत सरकार को घटना की शीघ्र जांच करने और इसके लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों को न्याय के दायरे में लाने का आश्वासन दिया है।

जर्मनी में इरिट्रिया के सांस्कृतिक उत्सव में 26 पुलिस अधिकारी समेत दर्जनों घायल

एपी। बर्लिन

जर्मनी के दक्षिण-पश्चिमी शहर स्टुटगार्ट में इरिट्रिया के सांस्कृतिक उत्सव के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने हंगामा किया और इस घटना में 26 पुलिस अधिकरियों समेत कई लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी।

लीबिया में बांध टूटने को लेकर अभियांत्रिकी विशेषज्ञ ने प्रबंधन पर उठाए सवाल

द कन्वरसेशन। लूलिया (स्वीडन)

प्रतिकूल मौसम बांध की स्थिरता को किस तरह प्रभावित करता है? बांध आमतौर पर भारी वर्षा या सूखे का सामना करने के लिए बनाए जाते हैं। बांध की डिजाइन और इसके निर्माण में आमतौर पर सभी संभावित प्रभावों को ध्यान में रखा जाता है।

बांध की योजना बनाते समय निर्माण सामग्री के प्रकार, नींव की डिजाइन और बांध की स्थिरता, बाढ़ की आशंका, भूकंप और यहां तक कि सैन्य कार्वाई सहित सभी कारकों को ध्यान में रखा जाता है। इसके अलावा कि बांध कैसे बनाया जाता है, सुरक्षा प्रावधान भी होने चाहिए। उदाहरण के लिए तूफान के कारण होने वाली बारिश के मामलों में, अभियंताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए पानी छोड़ना चाहिए कि यह बांध की अधिकतम वहन क्षमता से अधिक ना होने पाए। लीबिया के मामले में मेरा मानना है कि बांधों का प्रबंधन अच्छा नहीं था। बांध के लिए जिम्मेदार अभियंता को यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि पानी बांध की अधिकतम वहन क्षमता से अधिक ना हो। जब उन्होंने देखा कि जलाशय में भारी मात्रा में पानी प्रवेश कर रहा है तो उन्हें जलाशय का स्तर ऊपरी सीमा से कम रखने के लिए बड़ी मात्रा में पानी छोड़ना चाहिए था।

शोध से पता चलता है कि बांध की तबाही के मुख्य कारण नींव से जुड़ी खराबी (40 प्रतिशत), पानी की निकासी से जुड़ी अपर्याप्त संरचना (23 प्रतिशत), खराब निर्माण (12 प्रतिशत) और असमान तल (10 प्रतिशत) है। बांध के लिए जगह हमेशा समतल नहीं होती, क्योंकि बांध पर्वतीय क्षेत्रों में बनाए जाते हैं, लेकिन डिजाइन करने वालों को इसे ध्यान में रखना चाहिए। बांध का डिजाइन स्थलाकृति के अनुरूप होना चाहिए। बांध की तबाही के दुर्लभ कारणों में युद्ध (तीन प्रतिशत), दोषपूर्ण सामग्री (दो प्रतिशत) और भूकंप (एक प्रतिशत) शामिल हैं। ऐसा लगता है कि लीबिया के मामले में खराब प्रबंधन ही बांध के ध्वस्त होने का कारण है। क्या इस त्रासदी को टाला जा सकता था?

इसका जवाब है-हां, यदि बांधों का प्रबंधन करने वाले जिम्मेदार लोगों ने पानी छोड़ने के लिए फाटक खोल दिए होते। जब बांध के जल प्रबंधन के लिए जिम्मेदार लोग भारी वर्षा की अनदेखी करते हैं तो ऐसी आपदाओं के घटित होने की उम्मीद की जा सकती है। बांध प्रबंधकों को प्रत्एक बांध के जलग्रहण क्षेत्र और वर्षा संबंधित पूर्वानुमान की जानकारी होनी चाहिए। इसके लिए मौसम विज्ञानियों और बांधों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों के बीच समन्वय की आवश्यकता है। जब भारी वर्षा की संभावना हो, तो मौसम विज्ञान विभाग को बांध प्रबंधकों को सूचित करना चाहिए, जो पानी को बांध की क्षमता के भीतर बनाए रखने के लिए पानी छोड़ने की व्यवस्था कर सकते हैं। इराक में मैंने जितने भी बांधों का अध्ययन किया है, उनमें यह एक सामान्य परिपाटी है। इस मामले में, मौसम विज्ञान विभाग और बांध का प्रबंधन करने वाले अभियंताओं के बीच निश्चत रूप से संचार टूटा होगा।

अभियंता और अधिकारी आम तौर पर बांधों की संरचनात्मक अखंडता की निगरानी कैसे करते हैं?

बांधों का नियमित निरीक्षण का एक कार्यक्रम होना चाहिए जो बांध के सभी हिस्सों को ध्यान में रखे। बांध वाले सभी देश (अमेरिका, इराक, स्वीडन आदि) नियमित निरीक्षण करते हैं। बांध की दीवारों में दरारें और इसकी संरचना में किसी भी बदलाव की निगरानी के लिए उपकरण होने चाहिए। एक बार पहचान हो जाने पर, उन पर तुरंत ध्यान दिया जाना चाहिए।

लीबिया के मामले में यदि उन्होंने बांध के पानी को क्षमता के भीतर रखने के लिए पानी निकासी वाले फाटक खोल दिए होते, तो बांध के ध्वस्त होने से कम नुकसान हुआ होता।

मंदिर में महिला को थप्पड़ मारने के आरोप में सिंगापुर में भारतीय मूल के वकील पर मामला दर्ज

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक वकील के खिलाफ मंदिर में एक महिला को कथित तौर पर थप्पड़ मारने के लिए चार अलग-अलग अपराधों को लेकर मामला दर्ज किया गया है। वकील के अन्य मामले में वकालत करने पर पहले ही रोक लगा दी गई है। द स्ट्रेट्स टाइम्स में रविवार को प्रकाशित खबर के अनुसार, रवि मदसामी नाम के वकील को एम रवि के नाम से भी जाना जाता है। उनपर शहर के केंद्र में स्थित साउथ ब्रिज रोड पर एक हिंदू मंदिर में शुक्रवार को हुई घटना को लेकर स्वेच्छा से चोट पहुंचाने, सार्वजनिक रूप से गलत व्यवहार करने, उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम के तहत दो आरोप में मामला दर्ज किया गया है। खबर में बताया गया कि 54 वर्षीय वकील ने श्री मरिअम्मन मंदिर में महिला को कथित तौर पर थप्पड़ मारा था, वहीं उनपर अशिष्टता दिखाने और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का भी आरोप है।

सचमुच चतुर होते हैं कौए!

द कन्वर्सेशन। ज्यूरिख

यह कोई रहस्य नहीं है कि कौए उल्लेखनीय संज्ञानात्मक क्षमताओं से संपन्न होते हैं। इंटरनेट कौए की आवाज की नकल करने या दिमाग लगाने वाले जटिल गेम को हल करने के वीडियो से भरा पड़ा है। लेकिन क्या ए पक्षी उतने ही बुद्धिमान हैं जितना उन्हें समझा जाता है?

कठोर आवरणयुक्त फल तोड़ने वाली पहेली:

कौए में बेहतर बुद्धि की अवधारणा का समर्थन करने के लिए सबसे अधिक उद्धृत अध्ययनों में से एक कौए द्वारा फल के कठोर आवरण युक्त फल (नट) को तोड़ने के लिए कारों का इस्तेमाल करना है। 1978 में, कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने देखा कि अमेरिकी कौए सड़क पर अखरोट फेंकते थे, फिर उनके किसी कार से कुचले जाने का इंतजार करते थे और फिर टूटे हुए फल खाते थे। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने 1997 में यह जांचने के लिए कौए के व्यवहार पर करीब से नजर डाली कि क्या वे वास्तव में कार का इस्तेमाल अखरोट के आवरण को तोड़ने के रूप में करते थे। उन्होंने परिकल्पना की कि यदि कौए वास्तव में समझते हैं कि कार फल के बाहरी आवरण को तोड़ सकती हैं, तो वे आवरणयुक्त फल को सड़क पर रख देंगे और जब कोई कार आएगी तो उन्हें नहीं हटाएंगे। हालांकि, शोधकर्ताओं ने पाया कि जब कोई कार आ रही थी तो कौए अपने आवरणयुक्त फल सड़क पर नहीं फेंकते थे। इसके अलावा अध्ययन किए गए 200 मामलों में से, शोधकर्ताओं ने कभी भी किसी कार को किसी फल के आवरण को कुचलते हुए नहीं देखा। इससे पता चला कि यह सिद्धांत कि कौए जानबूझकर कार को अखरोट तोड़ने के रूप में उपयोग कर रहे थे, वास्तव में गलत था। कौए अपने कठोर आवरणयुक्त फल को तोड़ने के लिए कठोर सतहों (जैसे सड़कों) पर गिरा देते हैं और कभी-कभार कोई कार उन्हें कुचल देती है। यह कौए के लिए एक सुखद संयोग है, जो कार और उसके भोजन के बीच कोई संबंध नहीं बनाता है।

सिद्ध संज्ञानात्मक क्षमताएं:

हाल में इस संबंध में कुछ और शोध किए गए हैं। उदाहरण के लिए, यह लंबे समय से सोचा जाता था कि केवल प्राइमेट (वानर प्रजाति, मनुष्य) ही उपकरणों का उपयोग करना जानते थे। लेकिन 2000 के दशक के बाद से, कई अध्ययनों से पता चला है कि कई अन्य प्रजातियां इस उपलब्धि को दोहराने में सक्षम हैं, जिनमें डॉल्फिन, ऑक्टोपस, कौए और यहां तक कि सूअर भी शामिल हैं। कौए भी इसमें कुशल प्रतीत होते हैं, जो जिस कार्य को पूरा करना चाहते हैं, उसके लिए सही लंबाई और व्यास के उपकरण चुनने की उनमें क्षमता होती है। उदाहरण के लिए, न्यू कैलेडोनियन कौए के पास किसी चीज को मोड़कर हुक बनाने का ट्रैक रिकॉर्ड है। उनके पास चेहरों को याद रखने की क्षमता भी प्रभावशाली होती है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल के शोधकर्ताओं ने अमेरिकी कौओं को पकड़ने और फिर छोड़ने के लिए एक मुखौटा पहनकर इस क्षमता का परीक्षण किया। पकड़े जाने के दो साल से भी अधिक समय बाद, कौए हर बार मुखौटों को देखकर आक्रामक रूप से चिल्लाने लगते थे। यहां तक कि जिन कौओं को पकड़ा नहीं गया था, उन्होंने भी अपने साथियों के व्यवहार को देखकर इस खतरनाक आकृति को पहचानना और उससे बचना सीख लिया। यह पहला ऐसा अध्ययन है जो दिखाता है कि जंगली, गैर-पालतू जानवर किसी इंसान को उसके चेहरे से पहचान सकते हैं और इसे कई वर्षों तक याद रख सकते हैं, और इस जानकारी को अपने साथी जानवरों तक पहुंचा सकते हैं। इस मान्यता की सीमा लौकिक और सामाजिक, दोनों दृष्टियों से काफी उल्लेखनीय है।

एक अन्य प्रयोग में, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में रशेल मिलर और उनके सहयोगियों ने कैलेडोनियन कौए के आत्म-नियंत्रण की तुलना 3 से 5 वर्ष की उम्र के बच्चों के आत्म-नियंत्रण से की। आत्म-नियंत्रण हमें अपने आप से तर्क करने में सक्षम बनाता है कि क्या हम किसी सीरीज का आखिरी एपिसोड देखना चाहते हैं ताकि अगले दिन थकान न हो। यह कार्यकारी नियंत्रण का एक पहलू है, जो हमें अच्छे निर्णय लेने और भविष्य के लिए योजना बनाने में सक्षम बनाता है। वयस्क आम तौर पर बहुत अधिक कठिनाई के बिना आत्म-नियंत्रण का उपयोग करने में सक्षम होते हैं, लेकिन बच्चों में यह क्षमता केवल 3 से 5 वर्ष की उम्र के बीच ही विकसित होनी शुरू होती है। प्रयोग ने आत्म-नियंत्रण के एक विशिष्ट पहलू का परीक्षण किया: विलंबित संतुष्टि, जो तब होती है जब आपको एक औसत लेकिन तत्काल इनाम और बहुत बेहतर इनाम के बीच चयन करना होता है जो तुरंत उपलब्ध नहीं होता है। विलंबित संतुष्टि का एक विशिष्ट उदाहरण मार्शमैलो प्रयोग है। मिलर के प्रयोग में, बच्चों और कौओं को धीरे-धीरे घूमने वाली एक ट्रे दी गई जिसमें दो पुरस्कार थे (बच्चों के लिए अलग-अलग स्टिकर, और कौए के लिए मिठाइयां)। जैसे-जैसे यह घूमता गया, ट्रे ने कम मूल्यवान इनाम को विषयों (कौआ और बच्चा) के लिए सुलभ बना दिया, जो इसे ले सकते थे।

तेलंगाना मुक्ति दिवस पर गरजे अमित शाह

● कहा, वोट बैंक की राजनीति के कारण तेलंगाना मुक्ति दिवस मनाने से झिझकते हैं दल शाह

भाषा। हैदराबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद भी राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के कारण तेलंगाना मुक्ति दिवस मनाने से झिझकते हैं।

शाह ने 17 सितंबर 1948 को पूर्ववर्ती निजाम शासन से क्षेत्र की आजादी और हैदराबाद राज्य के भारतीय संघ में विलय की याद में हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने के लिए आयोजित केंद्र के आधिकारिक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। गृह मंत्री ने कहा कि वोट बैंक की राजनीति के कारण राजनीतिक दल मुक्ति दिवस मनाने से झिझकते हैं, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि देश के लोग उन लोगों से मुंह मोड़ लेंगे, जो अपने देश के इतिहास से मुंह मोड़ते हैं।

शाह ने कहा कि देश के इतिहास, शहीदों के बलिदान और देश के स्वतंत्रता संग्राम का सम्मान करके ही तेलंगाना और देश को आगे बढ़ाया जा सकता है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सलामी ली। शाह ने वर्तमान तेलंगाना, महाराष्ट्र और कर्नाटक में निजाम शासन के दौरान रजाकारों (निजाम के सशस्त्र समर्थकों) द्वारा किए गए अत्याचारों को याद किया। ए राज्य तत्कालीन हैदराबाद शासन का हिस्सा थे। उन्होंने हैदराबाद की मुक्ति का श्रेय देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को दिया और कहा कि उनके प्रयासों के कारण निजाम के रजाकारों ने आत्मसमर्पण कर दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले 75 साल में किसी सरकार ने ऐतिहासिक हैदराबाद मुक्ति दिवस नहीं मनाया। शाह ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के कारण पूर्ववर्ती सरकारें हमेशा डरती रहीं और उन्होंने इसे नहीं मनाया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने का फैसला किया। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि पिछले नौ वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि भारत विश्व अर्थव्यवस्था में 2014 में 11वें स्थान से अब पांचवें स्थान पर पहुंच गया है और मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन के माध्यम से देश की संस्कृति और कला को लोकप्रिय बनाया है।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने भी इस कार्यक्रम में लोगों को संबोधित किया। निजाम शासन के अधीन रहे हैदराबाद को ऑपरेशन पोलो नामक एक पुलिस अभियान के बाद भारतीय संघ में मिला लिया गया था। ऑपरेशन पोलो 17 सितंबर, 1948 को पूरा हुआ था।

कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव से पहले तेलंगाना की जनता को छह गारंटी दी

हैदराबाद (भाषा)। कांग्रेस ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले राज्य की जनता को छह गारंटी दीं जिनमें महिलाओं को प्रति माह ढाई-ढाई हजार रुपए देने, 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने और किसानों को 15,000 रुपए की वार्षिक मदद देने के वादे शामिल हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने इन छह गारंटी का उल्लेख किया और कहा कि पार्टी की सरकार बनने के साथ ही इन्हें पूरा किया जाएगा। हैदराबाद के तुक्कूगुड़ा के निकट कांग्रेस की जनसभा में राहुल गांधी ने इन छह गारंटी का ब्योरा पेश किया। गांधी ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनने पर कैबिनेट की पहली बैठक में इन गारंटी को पूरा किया जाएगा।

नई दिल्ली में सर्वदलीय बैठक में भाग लेने पहुंचे पूर्व प्रधानमंत्री और जद एस के नेता एचडी देवगौड़ा

शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों के निर्माण पर ध्यान देना भी आवश्यकः मिश्र

भाषा। जयपुर

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को कहा कि समाज में शिक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही संस्कारों के निर्माण पर ध्यान देना भी आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि जब कोई राष्ट्र अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों को बचाए रखने के साथ नई पीढ़ी को इनके लिए तैयार करने का कार्य करता है तभी उसकी सार्थकता रहती है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य की ज्ञान संपदा में वृद्धि के साथ सभी जीवों के प्रति सम्मान का भाव जागृत करना है। मिश्र ने कहा कि सूक्ष्म निरीक्षण, अनुभव विस्तार और निरंतर अध्ययन किसी भी विद्यार्थी को सफलताओ के शीर्ष पर पहुंचा सकता है। मिश्र ने भरतपुर के रूपवास के ग्राम खानुआं में आदर्श विद्या मंदिर के नवनिर्मित विद्या भारती विद्यालय के नवीन भवन के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा इस दिशा में विद्या भारती संस्थान ने जो कार्य देश-विदेश में किया है, वह अनुकरणीय है।

उन्होंने कहा, हमें आज इस तरह की ही शिक्षा पद्धति की अधिक आवश्यकता है जो व्यक्ति को शिक्षित बनाने के साथ दीक्षित भी करे। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति को आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए इसे देश के नागरिकों को उन्नत बनाने में उपयोगी बताया।

राज्यपाल ने डॉ. पीएन अरोड़ा को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में डॉ. पीएन अरोड़ा को सम्मानित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

क्षय रोग (ट्यूबरक्लोसिस) उन्मूलन के प्रयास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए डॉ. पीएन अरोड़ा को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सम्मानित किया है। ज्ञात रहे कि गाजियाबाद के कौशांबी स्थित यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीएमडी डॉ. पीएन अरोड़ा ने मरीजों को ट्यूबरक्लोसिस (टीबी)की सर्वाधिक किट उपलब्ध कराने में शीर्ष पर रहे हैं।

उनके इस प्रयास पर राज्यपाल ने उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्य सचिव स्वास्थ्य उपस्थित रहे। टीबी मरीजों की मदद के इस मुहिम में डॉ. पीएन अरोड़ा के नेतृत्व में शानदार एक साल पूरा कर लिया है। अरोड़ा ने सम्मानित किया जाने को बेहद सुखद पल बताया। डॉक्टर अरोड़ा ने कहा इस पुरस्कार से यशोदा परिवार अभिभूत है और समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व एवं सामाजिक जिम्मेदारी को और अच्छे से निभाने का हौसला प्रदान करने वाला है।

इस दौरान जिन 10 संस्थाओं को सम्मानित किया गया, उनमें यशोदा हॉस्पिटल, कौशांबी प्रदेश में सबसे ज्यादा 4142 मुफ्त टीबी किट बांटकर प्रदेश में अव्वल रहा है। डॉ. अरोड़ा ने बताया कि यशोदा हॉस्पिटल ने गाजियाबाद के 5,100 से ज्यादा टीबी मरीजों को पुष्टाहार हेतु गोद लिया हुआ है।

हमारी सत्यनिष्ठा पर निर्भर करता है कानूनी पेशे का भविष्यः चंद्रचूड़

छत्रपति संभाजीनगर(भाषा)। भारत के प्रधान न्यायाधीश धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि कानूनी पेशे का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि इससे जुड़े लोग अपनी सत्यनिष्ठा बरकरार रखते हैं या नहीं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सत्यनिष्ठा और ईमानदारी कानूनी पेशे का मूल है और इसका फलना-फूलना अथवा नष्ट हो जाना इससे जुड़े लोगों के व्यवहार पर निर्भर करता है। सीजेआई ने अधिवक्ताओं और न्यायाधीशों के बीच सहयोग बढ़ाना : कानूनी प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में नामक विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सत्यनिष्ठा एक आंधी से नहीं मिटती, यह वकीलों और न्यायाधीशों द्वारा दी गई छोटी-छोटी रियायतों तथा अपनी ईमानदारी से किए गए समझौतों से मिटती है। सीजेआई ने कहा, हमारा पेशा फलता-फूलता रहेगा या स्वयं नष्ट हो जाएगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि हम अपनी ईमानदारी बनाए रखते हैं या नहीं।

क्विक न्यूज

सनातन धर्म बनाम इंडिया गठबंधन के मुद्दे पर लोकसभा चुनाव लड़ा गया तो विपक्षी गठजोड़ जिम्मेदारः विहिप

इंदौर (मध्य प्रदेश)। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने रविवार को कहा कि अगर अगला लोकसभा चुनावै सनातन धर्म बनाम इंडिया गठबंधनै के मुद्दे पर लड़ा गया, तो इसकी जिम्मेदारी विपक्षी गठजोड़ की होगी। उन्होने इंडिया गठबंधन मे शामिल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म को लेकर दिए गए विवादास्पद बयान पर नाराजगी जताते हुए यह बात कही। इस बयान को लेकर, सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा विपक्षी गठबंधन के खिलाफ जारी हमलो के मद्देनजर 2024 का लोकसभा चुनावै सनातन धर्म बनाम इंडिया गठबंधनै के मुद्दे पर लड़े जाने की संभावना के बारे मे पूछे जाने पर कुमार ने यहां पीटीआई-भाषा से कहा, अगर ऐसा हुआ, तो इसकी जिम्मेदारी इंडिया गठबंधन की होगी। उन्होने कहा कि अगर चुनावो मे धर्म और हिंदुत्व को मुद्दा बनाया गया, तो इसकी जिम्मेदारी उन लोगो की होगी, जो भगवान राम और रामचरित मानस के खिलाफ बयान दे रहे है। विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि इन लोगो को इसका परिणाम भी भुगतना पड़ेगा। कुमार ने दावा किया कि जब उदयनिधि स्टालिन सनातन धर्म के बारे मे आपत्तिजनक बयान दे रहे थे, तब उनकी मां एक मंदिर मे पूजा कर रही थी।

असम के मुख्यमंत्री को सिंगापुर की ली कुआन यू एक्सचेंज फेलोशिप

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को सिंगापुर की ली कुआन यू एक्सचेंज फेलोशिप मिली है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति मे रविवार को यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, फेलोशिप के तहत हिमंत विश्व शर्मा को सार्वजनिक कार्यों और विकास क्षेत्र मे उनके समर्पित नेतृत्व के लिए ली कुआन यू फेलो के रूप मे सिंगापुर आने का निमंत्रण दिया गया है। यह फेलोशिप व्यक्तियो को उनके राष्ट्र के विकास और सिंगापुर के साथ द्विपक्षीय संबंधो मे उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान की जाती है। फेलोशिप सिंगापुर के संस्थापक प्रधानमंत्री ली कुआन यू को राष्ट्र के प्रति उनके योगदान के लिए श्रद्धांजलि के रूप मे शुरू की गई थी। असम के मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक विज्ञप्ति मे कहा, हिमंत शर्मा को विकास और अंतरराष्ट्रीय सद्भाव के मुद्दे को आगे बढ़ाने मे उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। यह फेलोशिप पाने वाले शर्मा असम के पहले मुख्यमंत्री हैं। इस उपलब्धि के साथ शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अल्फा शौरी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मोटेक सिंह अहलूवालिया जैसे लोगो की सूची मे शामिल हो गए हैं।

बांदीपोरा में दुर्घटनावश गोली चलने से सेना के जवान की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर मे बांदीपोरा जिला के एक सैन्य शिविर मे रविवार को कथित तौर पर दुर्घटनावश गोली चलने से एक सैनिक की मौत हो गई जबकि दूसरा घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। बांदीपोरा पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, दुर्घटनावश गोली चलने से एक सैनिक की मौत हो गई जबकि दूसरा घायल हो गया है। पुलिस ने बताया कि आवश्यक कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होने बताया, आरोपी सैनिक को हिरासत मे ले लिया गया है। आवश्यक कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं।

भाजपा ने पंजाब इकाई में फेरबदल किए, नए और पुराने चेहरों को दी जगह

चंडीगढ़। भाजपा ने अपनी पंजाब इकाई मे फेरबदल करते हुए रविवार को नए पदाधिकारियो की नियुक्ति की घोषणा की जिसमे अनुभवी और युवा, दोनो तरह के नेता शामिल है। इससे दो महीने पहले सुनील जाखड़ को पंजाब इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया था। भाजपा ने पंजाब मे पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश, पूर्व सांसद विजय सांपला, पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल, लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष तथा शिरोमणि अकाली दल के पूर्व विधायक चरणजीत सिंह अटवाल को अपने कोर ग्रुप मे शामिल किया है। भाजपा की पंजाब इकाई द्वारा जारी सूची के अनुसार, पार्टी के 21 सदस्यीय कोर ग्रुप मे शामिल अन्य नेताओ मे कांग्रेस के पूर्व नेता राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी, राज कुमार वेरका और केवल सिंह ढिल्लो, भाजपा के पूर्व पंजाब अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, अविनाश राय खन्ना और तीक्ष्ण सूद शामिल है। पार्टी के नेता सुभाष शर्मा, सुरजीत कुमार ज्याणी, के डी भंडारी और राजेश बाघा तथा पूर्व कांग्रेस नेता अरविंद खन्ना, फतेहजंग सिंह बाजवा, बलबीर सिंह सिद्धू और गुरप्रीत सिंह कांगड़ को भाजपा का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सूची के अनुसार, राकेश राठौर, दयाल सिंह सोढ़ी, अनिल सरीन, जगमोहन सिंह राजू और परमिंदर सिंह बरार को भाजपा का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। राज्य के 12 नए सचिवो मे शामिल प्रमुख नेताओ मे पूर्व कांग्रेस विधायक हरजोत कमल, शिवराज चौधरी, संजीव खन्ना, दमन थिंद बाजवा, रेनू कश्यप तथा करणवीर सिंह टोहरा है। अमरिंदर सिंह की बेटी जय इंदर कौर भाजपा के पंजाब महिला मोर्चा का नेतृत्व करेगी जबकि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी एस आर लधर को पार्टी की अनुसूचित जाति शाखा का प्रमुख बनाया गया है। शिरोमणि अकाली दल के पूर्व विधायक अमरपाल सिंह को प्रदेश इकाई के ओबीसी मोर्चा की जिम्मेदारी दी गई है।

तुंगनाथ मंदिर के शिखर की छतरी का जीर्णोद्धार शुरू

रुद्रप्रयाग(भाषा)। पंचकेदार श्रृंखला के सबसे ऊंचाई पर स्थित तृतीय केदार श्री तुंगनाथ मंदिर के शिखर की छतरी का जीर्णोद्धार कार्य रविवार को पूजा अर्चना के साथ शुरू हो गया। जीर्णोद्धार का यह कार्य श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति की ओर से कराया जा रहा है। मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी हरीश गौड़ ने बताया कि तुंगनाथ मंदिर की जीर्ण-शीर्ण छतरी की मरम्मत का कार्य विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के पश्चात शुरू किया गया। मंदिर की छतरी को पहले की तरह ही देवदार की लकड़ी से बनाया जा रहा है। जीर्णोद्धार कार्य को उचित ढ़ंग से करने के लिए पहले मंदिर के कलश को भी उतारा गया। लगभग 13,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित तुंगनाथ मंदिर में भगवान शिव के बाहु तथा ह्रदय भाग की पूजा होती है जहां हर साल बड़ी संख्या में तीर्थयात्री पहुंचते हैं। तुंगनाथ घाटी स्थित चोपता तथा दुग्गलबिट्टा को उत्तराखंड का स्विट्जरलैंड माना जाता है।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार गहरी नींद में: एदियुरप्पा

भाषा। कोलार (कर्नाटक)

कर्नाटक में सूखे को लेकर कांग्रेस सरकार के गहरी नींद में होने का आरोप लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बी एस एदियुरप्पा ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस सरकार की विफलताओं को उजागर करने के लिए राज्य में यात्रा करेगी और 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले खुद को मजबूत करेगी।

सिद्धरमैया की अगुवाई वाली राज्य सरकार के कामकाज के तौर-तरीके की आलोचना करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि वह पड़ोसी राज्य के दबाव में आकर तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर और पार्टी द्वारा शुरू की जाने वाली यात्रा से पूर्व एदियुरप्पा और कई अन्य भाजपा नेता यहां कुरुदुमाले के भगवान गणेश मंदिर गए तथा उन्होंने वहां पूजा-अर्चना की। मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए एदियुरप्पा ने कहा, वह एक बार फिर प्रधानमंत्री बनें, यही प्रार्थना करने के लिए मैं अन्य पार्टी नेताओं के साथ आया हूं। कर्नाटक में गंभीर सूखा पड़ने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने जनहित को पूरी तरह भूला दिया है तथा वह गहरी नींद में है। उन्होंने कहा कि इस सरकार को जगाने की जरूरत है। एदियुरप्पा ने कहा, आज कुरूडमाले के भगवान गणेश की पूजा -अर्चना करने तथा कल गौरी-गणेश उत्सव मनाने के बाद मैं पार्टी को मजबूत करने तथा इस सरकार की विफलताओं के बारे में लोगों को बताने के लिए पार्टी के अन्य नेताओं के साथ राज्य के सभी जिलों की यात्रा करूंगा। भगवान का आशीर्वाद लेने के बाद इस सरकार के खिलाफ हमारा आंदोलन शुरू होगा। दरअसल ऐसी सोच हो चली कि यह सरकार उतनी ही अच्छी है जितना कि लोगों के लिए मरे व्यक्ति।

उन्होंने कहा, हम हर जिले में जाएंगे और उस दौरान हम पार्टी कार्यकर्ताओं में विश्वास जगाने के लिए उनके साथ बैठकें करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है तथा पिछली बार की भांति भाजपा का कर्नाटक में 25 से अधिक ((28 में से) सीट जीतने का लक्ष्य है। एदियुरप्पा ने कहा, हम यह मोदी को उपहार के तौर पर देना चाहते हैं और हम इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास करेंगे। हमें ऐसा कर लेने का भरोसा है। जनता दल सेकुलर के साथ भाजपा के गठजोड़ के विषय पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बाचतीत चल रही है और इस पर अंतिम फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छोड़ दिया गया है।

कर्नाटक में तीन और उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग पर सिद्धरमैया ने कहा-आलाकमान के फैसले का पालन करूंगा

भाषा। कलबुर्गी (कर्नाटक)

कर्नाटक में तीन और उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति की वकालत पर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने रविवार को कहा कि इस पर अंतत: आलाकमान फैसला करेगा और वह फैसले का पालन करेंगे। सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना ने शनिवार को कर्नाटक में तीन और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की पैरवी की थी और कहा था कि वह 2024 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस आलाकमान के साथ इस पर चर्चा करेंगे।

सिद्धरमैया ने कहा कि यह मंत्री की निजी राय है, जो इसे पार्टी नेतृत्व के समक्ष उठाएंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि इस मुद्दे पर उन्हें कुछ नहीं कहना है और इस पर निर्णय लेना आलाकमान का काम है। सिद्धरमैया ने कहा, उन्होंने (राजन्ना) अपनी राय व्यक्त की है, लेकिन अंतत: फैसला आलाकमान को करना है। आलाकमान ने कहा था कि एक उपमुख्यमंत्री पर्याप्त है। उन्होंने (राजन्ना) कहा है कि वह तीन और उपमुख्यमंत्री को लेकर आलाकमान से बात करेंगे। करने दीजिए।

यहां पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा, मेरे पास (कहने के लिए) कुछ नहीं है। आखिरकार फैसला आलाकमान को करना है। आलाकमान जो भी फैसला लेगा, मैं उसका पालन करूंगा। राजन्ना ने वीरशैव-लिंगायत, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदाय के एक-एक नेता को उपमुख्यमंत्री पद दिए जाने की वकालत की थी। वर्तमान में, वोक्कालिगा समुदाय से डी के शिवकुमार एकमात्र उपमुख्यमंत्री हैं। वह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं।

भारत का मतलब देश की परंपराओं, संस्कृति, अतीत और उसके भविष्य से हैः एस. जयशंकर

भाषा। तिरुवनंतपुरम

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि भारत का मतलब देश की परंपराओं, संस्कृति, अतीत और उसके भविष्य से है। केंद्रीय मंत्री यहां प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के शुभारंभ पर बोल रहे थे - जिसका उद्देश्य कारीगरों एवं शिल्पकारों तथा पारंपरिक कौशल एवं व्यवसायों में लगे अन्य लोगों की मदद करना है।

कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि कई देशों में वैश्वीकरण, औद्योगीकरण के कारण समय के साथ पारंपरिक कौशल और प्रतिभाएं लुप्त हो गईं, लोग अपनी परंपराओं को भूल गए और उन्हें अगली पीढ़ी तक नहीं पहुंचाया जा सका। भारत के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए जो सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और जिसकी पहचान यहां के लोगों की परंपराएं और संस्कृति है जो हजारों वर्षों के दौरान विरासत में मिली है। जयशंकर ने कहा कि आज हम यहां भारत की पहचान, विरासत और संस्कृति को मजबूत करने के लिए एकत्र हुए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमने हजारों वर्षों में जो प्राप्त किया है वह हजारों वर्षों तक आगे बढ़ाया जाता रहे।

उन्होंने कहा, इसलिए जब हम भारत की बात करते हैं, तो वह भारत यही है। भारत का मतलब हमारी परंपराओं, हमारी संस्कृति, हमारे अतीत और हमारे भविष्य से है। यह बयान इंडिया का नाम बदलकर भारत करने के भाजपा शासित केंद्र के कथित कदम पर देश में चल रही बहस के बीच महत्वपूर्ण है। कारीगर और शिल्पकार समुदाय के बारे में, जिन्हें उन्होंने विश्वकर्मा कहकर संबोधित किया, जयशंकर ने कहा कि ए वे हैं जो अपनी रचनात्मकता, विचारों और काम के माध्यम से हमारे इतिहास में हमारी संस्कृति की छाप छोड़ते हैं। यह बहुत मूल्यवान है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत, कारीगरों और शिल्पकारों को संसाधन दिए जाएंगे, जिसमें वित्तीय ऋण तक पहुंच भी शामिल है ताकि वे अपने उपकरणों और क्षमताओं में सुधार कर सकें, अपने उत्पादों को बाजार में बेच सकें और देश और दुनिया को यह एहसास कराने के लिए तकनीक प्राप्त कर सकें कि भारत के लोगों में कितनी प्रतिभा, क्षमता और रचनात्मकता है। जयशंकर ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में जी20 बैठक के बीच, हजारों वर्षों से भारतीय कारीगरों और शिल्पकारों द्वारा उत्पादित आभूषण, मूर्तियां, बर्तन, कपड़े और लिपियों को देखने के लिए प्रतिनिधियों के परिवारों और पत्नियों के लिए एक प्रदर्शनी की व्यवस्था की गई थी। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट जैसी पहलों के केंद्र में थे, इसके अलावा वे पर्यटन को बढ़ावा देने और स्टार्ट-अप एवं कौशल भारत का समर्थन करने से जुड़ी पहल के भी केंद्र में रहे।

उन्होंने कहा कि इसलिए, जब दुनिया भर से लोग और कंपनियां भारत आ रही हैं, तो सबसे पहले जो काम किया जाना चाहिए वह उन लोगों का समर्थन करना है जो पहले से ही भारत में हैं और उन उत्पादों को उसी तरह से बनाते हैं जो कई वर्षों से देश में बन रहे हैं। चूंकि इन पारंपरिक व्यवसायों को करने वाले काफी हद तक अन्य पिछड़ा वर्ग से आते हैं, 13,000 करोड़ रुपए के परिव्यय वाली विश्वकर्मा योजना को सत्तारूढ़ भाजपा की राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण वर्ग तक पहुंच बनाने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।

प्रयोगों के साथ सीखा विज्ञान, पुरस्कार भी जीते

एजेंसी। पचपेड़वा

प्रयोगों के साथ विज्ञान जैसे कठिन विषय को आसानी से सीखा और समझा जा सकता है। हाजी सब्बीर हसन इंटर कॉलेज में ऐसे ही कार्यक्रम हुए। यहां के बच्चों ने वैज्ञानिक विषयों की जानकारी रोचक ढंग से प्राप्त की। बाद में विद्यार्थियों को जब प्रमाणपत्र मिले तो उनके चेहरे खिल उठे। भारत सरकार की संस्था राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद तथा इंडियन साइंस कम्युनिकेशन सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में जनजातीय बच्चों के लिए वैज्ञानिक गतिविधियां संबंधी दो दिवसीय कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने अनूठी शैली में कई वैज्ञानिक विषयों को समझाया। विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक विषयों पर मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रख्यात विज्ञान संचार डॉ. वीपी सिंह ने कहा कि विज्ञान के प्रयोग करके सीखना आसान है। विज्ञान विशेषज्ञ राकेश चौधरी ने इनोवेशन को स्थानीय विषयों के उदाहरण के साथ व्यवहारिक ढंग से सरल भाषा में समझाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में थारू जनजाति के विद्यार्थी भी वैज्ञानिक गतिविधियों से जुड़े। विज्ञान प्रश्नोत्तरी और निबंध लेखन प्रतियोगिता भी कराई गई। इसमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत किया गया। इनमें कक्षा 9 के सैयद अमन, आर्या पांडे व लाडली यादव, कक्षा 10 की प्राची यादव, अरसी फातिमा और निधिए कक्षा 11 के अब्दुल्ला, सायना और सत्यदेव यादव ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक मो. कलीम ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित होते रहना चाहिए। प्राचार्य मुज्जकिर हुसैन, शिक्षक कमरुज्जमा, अशरफ हुसैन, शकील अहमद और लकी पांडे तथा आंचलिक विज्ञान नगरी लखनऊ के विशेषज्ञ अभय कृष्ण व अनिल श्रीवास्तव ने विशेष रूप से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने को कहा।

प्रमाणपत्रों के साथ विद्यार्थी

भारत और श्रीलंका के मैच में लगी रिकार्डों की झड़ी

भाषा । कोलंबो

भारत और श्रीलंका के बीच रविवार को यहां खेले गए एशिया कप फाइनल में कई नए रिकॉर्ड बने। भारत ने यह मैच 10 विकेट से जीतकर एशिया कप में आठवां खिताब जीता। मोहम्मद सिराज के छह विकेट के दम पर श्रीलंका की टीम केवल 50 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने केवल 6.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया।

इस मैच में बने रिकॉर्ड इस तरह से हैं:

● श्रीलंका का स्कोर पांचवा विकेट गिरने पर 12 रन था जो इस मुकाम पर उसका भारत के खिलाफ न्यूनतम स्कोर था। इसी स्कोर पर उसने अपना छठा विकेट गंवाया जो आईसीसी के पूर्णकालिक सदस्य देश का वनडे में इस मुकाम पर न्यूनतम स्कोर है।

● सिराज ने इस मैच में वनडे में 50 विकेट पूरे किए। उन्होंने इस मुकाम पर पहुंचने के लिए 1002 गेंदे की। इस प्रारूप में वह सबसे कम गेंदों में 50 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। रिकॉर्ड श्रीलंका के अजंता मेंडिस (847 गेंद) के नाम पर है।

● श्रीलंका ने 50 रन बनाए जो उसका वनडे में भारत के खिलाफ न्यूनतम स्कोर है। किसी वनडे फाइनल में भी यह सबसे कम स्कोर है।

● सिराज ने 21 रन देकर छह विकेट लिए जो श्रीलंका के खिलाफ वनडे में किसी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

● यह एशिया कप वनडे के इतिहास में केवल दूसरा मौका है जबकि सभी 10 विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए। वर्तमान एशिया कप में पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने भारत के खिलाफ यह कारनामा किया था। यह मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था।

● सिराज का प्रदर्शन किसी वनडे फाइनल में भारत की तरफ से तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह वनडे फाइनल में भारतीय गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। अनिल कुंबले ने 1993 में हीरो कप फाइनल में 12 रन देकर छह विकेट लिए थे।

स्कोर बोर्ड

श्रीलंका पारी : पाथुम निसांका का जडेजा बो सिराज 2, कुसल परेरा का राहुल बो बुमराह 0, कुसल मेंडिस बो सिराज 17, सदीरा समरविक्रमा पगबाधा बो सिराज 0, चरित असलांका का ईशान बो सिराज 0, धनंजय डिसिल्वा का राहुल बो सिराज 4, दासुन शनाका बो सिराज 0, दुनिथ वेलालागे का राहुल बो पंड्या 8, दुशान हेमंता नाबाद 13, प्रमोद मदुशान का कोहली बो पंड्या 1, मतीशा पथिराना का ईशान बो पंड्या 0, **अतिरिक्त** : पांच रन **अतिरिक्त** : 15 . 2 ओवर मे 50 रन **विकेट पतन** : 1-1, 2 - 8, 3 - 8 , 4 - 8, 5 -12, 6 - 12, 7- 33, 8 - 40, 9- 50 **गेंदबाजी** : बुमराह 5 -1 - 23 -1, सिराज 7 -1- 21 - 6, पंड्या 2.2- 0 -3 -3, कुलदीप 1 - 0 -1 - 0

भारत पारी : ईशान किशन नाबाद 23, शुभमन गिल नाबाद 27 **अतिरिक्त** : एक रन **कुल योग** : 6 .1 ओवर मे 51 रन **गेंदबाजी** : मदुशान 2 - 0 - 21 - 0, पथिराना 2 - 0 - 21 - 0, वेलालागे 2 . 0 - 7 - 0, असलांका 0.1 - 0 -1 - 0

भारत के खिलाफ शृंखला के लिए स्मिथ, मैक्सवेल और स्टार्क की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी

भाषा । मेलबर्न

अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, ऑल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल और तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

यह तीनों खिलाड़ी चोटों से उबर रहे थे जिसके कारण दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर नहीं जा पाए थे।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ट्रेविस हेड के दाहिने हाथ में दक्षिण अफ्रीकी दौरे के दौरान फ्रैक्चर हो गया था। उनकी जगह मैथ्यू शॉर्ट को टीम में लिया गया है जिन्होंने अभी तक वनडे में पदार्पण नहीं किया है।

एरोन हार्डी, टिम डेविड और माइकल नेसर को भी टीम में नहीं लिया गया है, जबकि ऑलराउंडर एश्टन एगर पितृत्व अवकाश पर हैं।

तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को टीम में बनाए रखा गया है जबकि अनुभवी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में नाबाद 80 और 124 रन बनाने की बदौलत अपनी जगह बरकरार रखी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे मैच मोहाली, इंदौर और राजकोट में क्रमश: 22, 24 और 27 सितंबर को खेले जाएंगे। इसके बाद पांच अक्टूबर से वनडे विश्वकप शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलिया की टीम: पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेज़लवुड, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा , मैथ्यू शॉर्ट, स्टीवन स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर और एडम ज़म्पा।

श्रेयस अय्यर व सूर्य के लिए महत्वपूर्ण होगी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय शृंखला

भाषा । कोलंबो

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 सितंबर से शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की शृंखला श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव के लिए विभिन्न कारणों से किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगी।

अय्यर की फिटनेस पर जहां करीबी नजर रखी जाएगी वही सूर्यकुमार को अच्छा प्रदर्शन करके विश्वकप टीम में अपने चयन को सही साबित करना होगा।

टीम प्रबंधन हालांकि अय्यर की प्रगति पर अधिक गौर करेगा। मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने लगभग आधे घंटे तक नेट पर अभ्यास किया और उसके बाद 15 मिनट तक क्षेत्ररक्षण का अभ्यास किया जिससे उनकी श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप फाइनल में खेलने की संभावना बढ़ गई थी।

अय्यर को हालांकि अंतिम एकादश में नहीं चुना गया जो इस बात का संकेत माना जा सकता है कि टीम प्रबंधन उन्हें पीठ की जकड़न से उबरने के लिए अभी अधिक समय देना चाहता है। अय्यर ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ लीग मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की। उन्होंने इस मैच में 14 रन बनाए। उन्हें नेपाल के खिलाफ मैच में भी अंतिम एकादश में रखा गया था लेकिन तब उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला।

टीम से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखने वाले सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, यह शृंखला (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) उसके लिए काफी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि उसे बल्लेबाजी करने और मैच में पूरे समय क्षेत्ररक्षण करने की जरूरत होगी। उसने वापसी के बाद अभी तक ऐसा नहीं किया है। उसकी प्रगति अच्छी है लेकिन लगता है कि टीम प्रबंधन उसको लेकर जल्दबाजी में नहीं है। सूर्यकुमार का मामला इससे भिन्न है। टी-20 प्रारूप में उनके शानदार प्रदर्शन के दम पर टीम प्रबंधन ने उन पर काफी भरोसा दिखाया है लेकिन वनडे में वह अभी तक खरे नहीं उतर पाए हैं। एशिया कप में उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ मौका दिया गया था लेकिन वह 34 गेंदों पर 26 रन ही बना पाए।

बोपन्ना ने जीत के साथ डेविस कप को अलविदा कहा

● भारत ने विश्व ग्रुप एक के प्लेऑफ में जगह बनाई

भाषा । लखनऊ

रोहन बोपन्ना ने युकी भांबरी के साथ पुरुष युगल में सीधे सेटों में आसान जीत दर्ज करके डेविस कप में अपने करियर का शानदार अंत किया जबकि सुमित नागल ने अपना उलट एकल मैच भी जीता जिससे भारत ने रविवार को यहां मोरक्को को 4-1 से शिकस्त देकर विश्व ग्रुप एक के प्लेऑफ में जगह बनाई।

डेविस कप में अपना 33वां और अंतिम मुकाबला खेल रहे 43 वर्षीय बोपन्ना और भांबरी ने मोरक्को के इलियट बेनचेट्रिट और यूनुस लालामी लारौसी को एक घंटे 11 मिनट तक चले मैच में 6-2, 6-1 से पराजित किया। नागल ने पहले उलट एकल में यासीन दलीमी को 6-3, 6-3 से हराकर विश्व ग्रुप दो के इस मुकाबले में भारत की जीत सुनिश्चित की।

यह केवल दूसरा अवसर है जबकि नागल ने डेविस कप के किसी मुकाबले में अपने दोनों एकल मैच जीते। इससे पहले उन्होंने 2019 में

कजाखस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यह कारनामा किया था। नागल ने दोनों सेट में शुरू में ब्रेक प्वाइंट हासिल किए और फिर दलीमी को वापसी का मौका नहीं दिया। पिछले साल फेनेस्टा नेशनल्स में उपविजेता रहे दिग्विजय प्रताप सिंह ने डेविस कप में अपने पदार्पण मैच में वालिद अहौदा को 6-1, 5-7, 10-6 से हराकर दूसरा उलट एकल मैच जीता। इस 25 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को हालांकि शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आगे कड़ी मेहनत करनी होगी।

मोरक्को डेविस कप के इस मुकाबले में केवल एक मैच जीत पाया। यह मैच भी उसने शशीकुमार मुकुंद के पांव में ऐठन के कारण हटने की वजह से जीता।

बोपन्ना काफी भावुक थे और उन्होंने कोर्ट पर ही भारतीय टीम की अपनी शर्ट उतार दी जिससे उनके डेविस कप करियर का भी अंत हो गया। उन्होंने अपने करियर में 33 मैच खेले जिनमें से 23 मैचों में जीत दर्ज की। इनमें 13 युगल मैच भी शामिल हैं। इस मैच को देखने के लिए बोपन्ना के लगभग 50 परिजन और मित्र भी आ रखे थे। उन्होंने अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। बोपन्ना के परिजनों और दोस्तों ने जो टीशर्ट पहन रखी थी उस पर इस खिलाड़ी की तिरंगा लहराते हुए तस्वीर प्रिंट की गई थी।

बोपन्ना से पूछा गया कि जबकि वह पेशेवर टूर में खेल रहे हैं तब उन्होंने डेविस कप से संन्यास लेने का फैसला क्यों किया, उन्होंने पीटीआई से कहा, सबसे पहली बात तो यह है कि मेरी जगह कोई अन्य भारतीय लेगा जबकि पेशेवर टूर में ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा, वर्षों से बीच में एक सप्ताह के अवकाश से अंतर पैदा होता रहा है। इसलिए अगर मैं डेविस कप में नहीं खेलता हूं तो मुझे दो सप्ताह का अवकाश मिल जाएगा और इससे बड़ा अंतर पैदा हो सकता है।

बोपन्ना ने कहा, एक और बड़ा कारण हमारी बेटी है जो चार साल की है। मैं कुछ समय उसके साथ घर में भी बिताना चाहता हूं। यह शानदार यात्रा रही और हर चीज का अंत जरूर होता है। यूनुस पूरे मैच में एक बार भी अपनी सर्विस नहीं बचा पाए जबकि भारतीय टीम को केवल एक बार ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा जब भांबरी सर्विस कर रहे थे। भारतीय टीम ने यह ब्रेक प्वाइंट भी बचा दिया था। भारतीय टीम ने यूनुस की सर्विस तोड़कर शुरुआती बढ़त हासिल की। जब स्कोर 30 -15 था तब भांबरी के बैंक हैंड रिटर्न पर यूनुस ने नेट पर गेंद खेल दी।

डायमंड लीग फाइनल्स में खिताब से चूके नीरज, दूसरे स्थान पर रहे

भाषा । यूजीन (अमेरिका)

ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल के अपने खिताब का बचाव करने में नाकाम रहे और शनिवार को यहां 83.80 मीटर के सामान्य प्रदर्शन के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने वाले 25 साल के चोपड़ा को हेवर्ड फील्ड पर हुए फाइनल्स में जूझना पड़ा। उनके दो प्रयास फाउल रहे। उनका दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दूसरे प्रयास में आया। उन्होंने पहले प्रयास में फाउल करने के बाद दूसरे प्रयास में भाले को 83.80 मीटर की दूरी तक फेंका। उनके अन्य प्रयास 81.37 मीटर, फाउल, 80.74 मीटर और 80.90 मीटर रहे।

डाइमंड लीग 13 चरण की एकदिवसीय प्रतियोगिता है। यह मौजूदा सत्र में चोपड़ा का 85 मीटर से कम का पहला प्रदर्शन है। उन्होंने तीसरे स्थान पर रहते हुए डाइमंड लीग फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने 2022 में ज्यूरिख में 88.44 मीटर के प्रयास के साथ डाइमंड लीग फाइनल्स का खिताब जीता था।

यहां हालांकि 25 डिग्री से कम तापमान और 45 प्रतिशत आर्द्रता के बीच कोई भी प्रतिस्पर्धी 85 मीटर की दूरी भी तय नहीं कर पाया। चेक गणराज्य के याकुब वाडलेच ने 84.24 मीटर के प्रयास के साथ तीसरी बार डाइमंड लीग फाइनल्स का खिताब जीता। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में यह दूरी तय की। वह अपने पहले प्रयास में 84.01 मीटर की दूरी के साथ शुरुआत से ही छह खिलाड़ियों के बीच शीर्ष पर चल रहे थे।

बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में कांस्य और तोक्यो ओलंपिक में चोपड़ा से पिछड़ने के बाद रजत पदक जीतने वाले वाडलेच ने 2017 और 2018 में भी डाइमंड लीग फाइनल्स के खिताब जीते हैं। फिनलैंड के ओलिवर हेलेंडर ने 83.74 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स का लचर प्रदर्शन जारी रहा और वह 74.71 मीटर के प्रयास से अंतिम स्थान पर रहे।

वाडलेच को डाइमंड लीग ट्रॉफी और 32 हजार डॉलर की इनामी राशि मिली। चोपड़ा को दूसरे स्थान पर रहने के लिए 12 हजार डॉलर मिले। चोपड़ा से जब भारतीय एथलेटिक्स में उनके प्रभाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उनमें (भारतीयों में) भी विश्वास जगा कि वे भी जीत सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं बुडापेस्ट में था (विश्व चैंपियनशिप के लिए), मैंने वहां स्वर्ण पदक जीता और इससे भी भारतीय एथलेटिक्स में कुछ बदलाव आएगा। चोपड़ा इसी स्थल पर 2022 में विश्व चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर जबकि सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88.77 मीटर है।

विश्वकप के करीब चोट लगने का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है

कोलंबो। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने रविवार को संकेत दिया कि श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों की चोटों के कारण उनकी टीम को एकदिवसीय विश्व कप में नुकसान उठाना पड़ सकता है और खिलाड़ियों के प्रबंधन का काम पेचीदा हो जाएगा।

अय्यर पीठ की जकड़न के कारण एशिया कप के केवल शुरुआती दो मैच ही खेल सके जबकि इससे पहले उन्होंने चोट के कारण छह महीने के ब्रेक के बाद वापसी की थी। बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर बाएं पैर की जांघ में खिंचाव के कारण एशिया कप फाइनल से बाहर हो गए। ए दोनों खिलाड़ी भारत की विश्व कप टीम में शामिल हैं। द्रविड़ ने एशिया कप की शुरुआत से पहले कहा, सभी टीमें एक जैसी स्थिति में हैं, विश्व कप के करीब चोट लगने से वास्तव में आपको नुकसान हो सकता है। हमें बस दुआ करनी होगी और अपनी प्रक्रिया पर भरोसा करना होगा।

इस तरह का प्रदर्शन लंबे समय तक याद रहेगा : रोहित

भाषा । कोलंबो

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ टीम के शानदार प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास लंबे समय तक याद रखे जाएंगे।

मोहम्मद सिराज ने सात ओवर में 21 रन देकर छह विकेट लिए जिसकी मदद से भारत ने श्रीलंका को 50 रन पर आउट कर दिया। जवाब में यह लक्ष्य 6 .। ओवर में एक भी विकेट गंवाए बिना हासिल कर लिया।

रोहित ने मैच के बाद कहा , यह शानदार प्रदर्शन था। फाइनल में इस तरह खेलना शानदार था। इससे टीम की मानसिकता पता चलती है। इस तरह का प्रदर्शन लंबे समय तक याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा , हमारे तेज

गेंदबाज काफी समय से मेहनत कर रहे हैं। उन्हें इस तरह का प्रदर्शन करते देखना सुखद था। मैंने कभी सोचा नहीं था कि गेंद इतनी घूमेगी।

उन्होंने कहा , हालात के अलावा यह खिलाड़ियों के हुनर की भी बात है। यह काफी दुर्लभ है। सिराज के जैसा प्रदर्शन बार बार देखने को नहीं मिलता। सभी खिलाड़ियों ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया। विश्व कप से पहले भारत को आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला और दो अभ्यास मैच खेलने हैं। रोहित ने कहा कि टीम सही दिशा में जा रही है।

उन्होंने कहा , यह देखकर अच्छा लग रहा है कि टीम इस तरह के आत्मविश्वास के साथ सही दिशा में जा रही है। पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में चार विकेट गिरने के बाद हार्दिक और ईशान ने हमें बड़े स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद दूसरे मैच में विराट और केएल राहुल ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने कहा , गिल भी बेहतरीन फॉर्म में है। उसे बल्लेबाजी करना पसंद है। अलग अलग समय पर अलग अलग खिलाड़ियों ने टीम को संकट से निकाला।

उच्च न्यायालय ने सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति वजीरी को ईएफआई की ईजीएम का अध्यक्ष नियुक्त किया

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रविवार को होने वाली भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) की असाधारण आम बैठक (ईजीएम) के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति नजमी वजीरी को अध्यक्ष नियुक्त किया है। ईजीएम में विचार के लिए छह एजेंडा को शामिल किया गया है जिसमें ईएफआई के 2023-24 के कैलेंडर में प्रस्तावित संशोधन, 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होने वाले 19वें एशियाई खेलों के लिए वित्तपोषण और प्रतिनिधित्व तथा पीआर एजेंसी की सेवा लेना भी शामिल है। न्यायमूर्ति तारा वितास्ता गंजू ने 15 सितंबर के अपने आदेश में कहा, यह अदालत 17 सितंबर को होने वाली ईएफआई की असाधारण आम बैठक के लिए इस अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति नजमी वजीरी को अध्यक्ष नियुक्त करती है... इसके लिए न्यायमूर्ति नजमी वजीरी (सेवानिवृत्त) को दो लाख रुपए की सम्मान राशि का भुगतान किया जाएगा जिसे ईएफआई द्वारा वहन किया जाएगा।

कोच राणा के साथ होने पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाती हूं : मनु भाकर

भाषा । नई दिल्ली

भारत की अनुभवी पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने रविवार को संकेत दिया कि बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अपने निजी कोच जसपाल राणा को साथ ले जाने की अनुमति नहीं मिलने से उनके प्रदर्शन पर असर पड़ा है। उन्होंने एनआरएआई से मामला सुलझाने का अनुरोध किया।

महान पिस्टल निशानेबाज राणा दो साल पहले तोक्यो ओलंपिक से पहले विवाद के बाद भाकर से अलग हो गए थे। अब वह फिर उनके साथ काम कर रहे हैं और पेरिस ओलंपिक का कोटा तथा हांगझोउ एशियाई खेलों में पदक जीतने के लक्ष्य को हासिल करने में उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की नीति है कि अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में निजी कोच साथ नहीं जाते।

भाकर ने एशियाई खेलों के लिए निशानेबाजी टीम के विदाई समारोह में कहा , मैं उम्मीद कर रही हूं कि जल्दी मामला सुलझ जाएगा। मैंने अनुरोध किया है कि उन्हें (राणा को) मेरे साथ बड़े टूर्नामेंटों में भेजा जाए। हांगझोउ एशियाई खेल 23 सितंबर से शुरू होंगे।

एशियाई खेलों में चुनौती पेश करने जा रहीं भारत की सुपर मॉम

भाषा । नई दिल्ली

किसी भी मां के लिए बच्चे को जन्म देने के बाद काम पर लौटना एक कठिन काम है लेकिन बड़ी संख्या में भारतीय महिला खिलाड़ी अब प्रतिस्पर्धा जारी रखकर रूढ़िवादिता को तोड़ रही हैं। भारत में मां बनने के बाद खेल जारी रखने वाली सबसे प्रसिद्ध सुपर मॉम शायद दिग्गज मुक्केबाज मेरीकोम और छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता सानिया मिर्जा हैं। पीटीआई उन भारतीय माताओं पर एक नजर डाल रही है जो 23 सितंबर से शुरू होने वाले हांगझोउ एशियाई खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

दीपिका पल्लीकल (स्क्वाश):- भारतीय स्क्वाश की पोस्टर गर्ल दीपिका पल्लीकल देश के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर 2014 में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में स्क्वाश में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता। उनकी अन्य उपलब्धियों में विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला बनने के अलावा विश्व चैंपियनशिप, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में कई पदक जीतना भी शामिल है।

अक्टूबर 2021 में उनके और उनके पति भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के घर जुड़वां लड़कों - कबीर और जियान का जन्म हुआ। इसके कुछ महीने बाद दीपिका ने स्क्वाश कोर्ट पर वापसी की और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता। उम्मीद है कि हांगझोउ एशियाई खेलों में दीपिका मिश्रित युगल स्पर्धा में भाग लेंगी और संभवत: यह उनके अंतिम एशियाई खेल होंगे।

कोनेरू हंपी (शतरंज):- यह ग्रैंडमास्टर भारत की बेहतरीन शतरंज खिलाड़ियों में से एक है। वह 2002 में 15 साल, एक महीने, 27 दिन की उम्र में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की महिला बनीं और 2600 ईएलओ रेटिंग अंक को पार करने वाली दूसरी महिला बनीं। हंपी ने 2017 में अपनी बेटी अहाना को जन्म दिया जिसके बाद उन्होंने मातृत्व ब्रेक लिया। वह दो साल बाद वापसी करते हुए 2019 में महिला विश्व रेपिड चैंपियन बनीं और फिडे महिला ग्रां प्री 2019-21 सत्र में उपविजेता रहीं। यह 36 वर्षीय खिलाड़ी हांगझोउ में एकल के साथ-साथ टीम स्पर्धा में भी भाग लेगी।

हरिका द्रोणावल्ली (शतरंज): -यह भारतीय ग्रैंडमास्टर विश्व चैंपियनशिप की तीन बार की पदक विजेता है। यह 32 वर्षीय खिलाड़ी दुनिया भर की महिलाओं के लिए एक प्रेरणा है। हरिका पिछले साल गर्भावस्था के नौवें महीने में बेहद दबाव वाले टूर्नामेंट शतरंज ओलंपियाड में खेली थीं। एशियाई खेलों की तैयारी के लिए वह तैयारी शिविरों के दौरान अपने साथियों के साथ ऑनलाइन जुड़ेगी। हंपी, आर वैशाली, तानिया सचदेव और भक्ति कुलकर्णी के साथ हरिका ने शतरंज ओलंपियाड में महिला टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीता जो महिला वर्ग में भारत का पहला पदक था। इसके कुछ दिनों बाद उनके यहां बेटी हनविका ने जन्म लिया। वह 2010 के ग्वांग्झू खेलों के व्यक्तिगत कांस्य पदक में एशियाई खेलों का एक और पदक जोड़ना चाहेंगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।